LIBRA WELFARE SOCIETY

छत्तीसगढ़ राज्य सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 (क्रमांक 44)

Date of Registration : 1 feburary 2008

एक आवाज़, एक प्रयास

Registration No.: 7690

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी.....

लिब्रा वेलफयर सोसायटी रजिस्टार ऑफिस से पंजीकृत गैर सरकारी संगठन के रूप मे 2008 से कार्य कर रहा है। नेत्रहीन बच्चों के लिये टॉकिंग बुक्स, मतदाता जागरूकता के लिये रेडियो कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, बुजुर्गों के लिये डे केयर सेंटर का संचालन, महिलाओं, बुजुर्गों व बच्चों के लिये विभिन्न प्रकार की कार्यषालाओं का आयोजन, प्लास्टिक हटाओ अभियान, होली के रंगों के दुष्प्रभाव व हर्बल रंगों का निर्माण व प्रयोग, अपनी सुरक्षा अपने अधिकार श्रृंखला में महिला अधिकारों एवं सषक्तीकरण जैसे अभियानों का संचालन इस संस्थान द्वारा किया जा रहा है। कुपोषण की समस्या के लिये अपना भोजन स्वयं उगाने और पर्यावरण को बढ़ावा देने का कार्य भी किया जा रहा है।

सहयोगी संस्थाएं 'अग्रज नाट्य दल' व 'लिब्रा मीडिया ग्रुप' के सहयोग से हमारी कुछ उपलब्धियाँ —(2008 से पूर्व व 2009 में किये गये कार्य)

* 25 वर्षो से सतत कार्यरत समूह
* 250 से अधिक प्रस्तुतियाँ
* 25 संगोष्ठियाँ
* 15 युवा कार्यशालाएँ
* 15 बाल कार्यशालाएँ
* कविता के रंगमंच पर वृहद कार्य
* NTPC के साथ कार्यशालाएँ
* बाल श्रमिक विद्‌यालय के बच्चों के साथ कार्यशालायें
* प्रथम राज्योत्सव में 'खबसूरत बहू' लोकशैली में मंचन
* विश्वप्रसिद्ध प्राचीन नाट्‌यशाला के कालिदास समारोह में प्रस्तुतियाँ
* SECL में शराबखोरी के विरूद्ध अभियान
* PHE के साथ जल संरक्षण के लिये सफल प्रस्तुतियाँ
* Central Jail में बंदियों के साथ कार्यशालाएं और प्रस्तुतियाँ
* मराठी, बंगाली, अवधी, छत्तीसगढ़ी अंग्रेजी आदि भाषाओं में प्रस्तुतियाँ
* बिलासपुर और सरगुजा के सुदूर ग्रामों में अंधविश्वास और अंधश्रद्धा पर प्रस्तुतियाँ
* प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के 150 वें वर्ष पर 'मंगल से महात्मा' संगीतमय नृत्य–नाटिका का मंचन
* लायंस क्लब गोल्ड के साथ 'एंकर परसन वर्कशॉप'
* नाइसटेक कंप्यूटर मित्र (कंप्यूटर शिक्षा पर रेडियो धारावाहिक)
* बीईसी फर्टिलाइजर्स के लिये ऑडियो कार्यक्रम निर्माण
* राजीव गांधी शिक्षा मिशन के लिये ऑडियो कार्यक्रम निर्माण

* सपने हुये अपने (ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिये टेलिफिल्म/वृत्तचित्र निर्माण)

* विधिक सेवा पर ऑडियो कार्यक्रम निर्माण

* नवा अंजोर, कोरबा पर लघुफिल्म

* जल ग्रहण मिशन पर लघुफिल्म

* एन.एस.एस.कैम्प, रतनपुर कॉलेज पर लघुफिल्म

* टेलिफिल्म – 'कुछ गड़बड़ है', 'नहले पे दहला' व 'कैसा ये बंधन अनजाना', 'बदलते रिश्ते', 'घर का भूत' (दूरदर्शन रायपुर के लिये निर्मित इन फिल्मों के लिये आलेख, पटकथा व अपने कलाकारों का अभिनय)

* रचना (शिशु एवं मातृत्व कल्याण पर रेडियो धारावाहिक)

* निर्मल चौपाल (शासन की योजना पर आधारित रेडियो धारावाहिक)

* इंटैक संस्था (अंचल के पुरातात्विक संरक्षण) पर फिल्म

* कुशाभाऊ ठाकरे जनसंपर्क एंव पत्रकारिता वि.वि. के लिये कार्यक्रम निर्माण व मास्टर ऑफ जर्ननलिज्म के विद्यार्थियों को एक सप्ताह का प्रशिक्षण

* जिला जल एवं स्वच्छता समिति बिलासपुर के लिये 8 निर्मल ग्रामों पर लघुफिल्में

* अभ्युदय (कोरबा जिले के निर्मल गांवों पर फिल्म)

* सुघ्घर आंगन (शासन की योजना पर आधारित रेडियो धारावाहिक)

* हर्बल हेल्प लाइन (औषधीय एवं सगंधीय पौधों पर रेडियो धारावाहिक)

* नवजागरण (कोरबा जिले की पेयजल व्यवस्था पर लघुफिल्म)

* नवा अंजोर (जिला पंचायत, कोरबा के लिये नवा अंजोर कार्यक्रम पर फिल्म)

* जंगल हमारे जीवनदाता (धमतरी वनमंडल के लिये लघुफिल्म)

* प्रयास (कोरबा जिले के लिये संपूर्ण स्वच्छता अभियान के 2007–08 की प्रगति पर लघुफिल्म

* आकाशवाणी बिलासपुर के लिये खत्री मसाला प्रोडक्ट के लिये रेसिपी शो' अनमोल स्वाद सदा रहे याद' 15 एपिसोड

* जिला जल एवं स्वच्छता समिति, कोरबा के लिये आकाशवाणी हेतु श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम 'ये गलियाँ ये चौबारा' 13 एपिसोड

* मीडिया के विभिन्न क्षेत्र और व्यक्तित्व विकास पर एक दिवसीय सेमिनार 22 मार्च 2009

* रंगमंचीय संगीतात्मक 'Light & Sound Shows' मंगल से महात्मा' व 'हरेली से होली तक' की दूरदर्षन प्रस्तुति।

* राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड द्वारा प्रायोजित व छ.ग.वनौषधि बोर्ड के सहयोग से निर्मित रेडियो धारावाहिक 'हर्बल हेल्प लाइन' के 22 एपिसोड का निर्माण। जून 2009 से।

Some Audio Work Produced by LMG/LWS

	Programme	Sponser	Broadcast from	Dur.	Episodes	Year
1.	Advetizements & Programmes	BEC Fertizelizers	for their own use	60 min	--	Oct 2004
2.	Radio Quiz Programme	Rajiv Gandhi Shiksha Mission	AIR Bilaspur	30 min	01	Nov 2004
3.	Radio Quiz Series	Ram Kashyap IAS Academy	AIR Bilaspur	15 min	08	Feb 2005
4.	Career-2005	Daswani Classes	AIR Bilaspur	15 min	04	Mar 2005
5.	Nicetech Computer Mitra	Nicetec Comp.Centre	All AIR Centers of CG	30 min	09	Jan to Mar 05
6.	Spot & Programme	IFFCO	for their own use	30 min	--	May 2005
7.	Radio Series	Vidhik Seva Pradhikaran, Janjgir	AIR Bilaspur	30 min	04	June 2005
8.	Rachna	CARE Chhattisgarh	All AIR Centers of CG	30 min	09	May to July 06
9.	Bilaspur ke Vaibhav	INTACH Bilaspur chapter	for their own use	45 min	--	Nov 2006
10.	Nirmal Chopal 1	PHE Department, Korba	AIR Bilaspur	15 min	13	July to Sept
11.	Nirmal Chopal 2	PHE Department, Korba	AIR Bilaspur			

15 min 13 Jun to Nov 07

12. Sugghar Angan 1 PHE Vibhag, Bilaspur AIR Bilaspur

30 min 22 Jun to Nov

13. Herbal Help Line 1 Vanoushadhi Board CG & All AIR centers of CG

National Medicinal plant Board included Phone in Prog.

30 min 25 sept to dec.07

14. Audio CDs for Blind Schools Akshar Society, Bhilai Political Sc & History course

Mar 08 in audio form for 11^{th} class

15. Sugghar Angan 2 PHE Vibhag, Bilaspur AIR Bilaspur

30 min 13 Apr to June 08

16. Anmol Swad sada rahe Yaad Khatri Masale AIR Bilaspur

15 min 15 Jan to Feb 2009

17. Ye Galiyan ye chobara zila Jal & Swachata samiti korba AIR Bilaspur

30 min 13 Jul to sept 2009

18. Audio CDs for Blind Schools Rotary Club, Bilaspur Political Sc, Hindi & History course

Mar 09 in audio form for 12^{th} class

19. Herbal Help Line Vanoushadhi Board CG & All AIR centers of CG

National Medicinal plant Board included Phone in Prog.

30 min 22 Jul to Nov.09

20. Nava Bihan HIV based programme health department 30 min 15 6 May to 12 Aug 2012

in Chhattisgarhi lang. 6.35 to 7.05 from all air stations of CG

21. Kuch kehti hai lado family drama series based 15 min 52 nov 2011 to dec 2012

on various social problems. Weekly broadcast

22. Bolte shabd (Audio CD) series of difference between two (two parts)

similar type of hindi words pair libra production

Matdata jagrukta programme ‘Jagriti’ for nirvachan ayog 5 min 15 nov 2013 from AIRBSP

कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम.....एक नज़र...........

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी विगत 9 वर्षों से निरंतर शासकीय–अशासकीय प्रचार प्रसार, ऑडियो वीडियो कार्यक्रम निर्माण, फिल्म निर्माण, आकाशवाणी के प्रायोजित कार्यक्रम, इंटरनेट रेडियो, वेब डिजायनिंग के अलावा संस्था द्वारा बिना किसी अनुदान के नगर मे विभिन्न प्रकार के जनजागरूकता अभियान लगातार चलाये जा रहे हैं–

1. टॉकिंग बुक्स – छ.ग के अंध बधिर स्कूलों के लिये कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के बच्चों के लिये उनके पाठ्यक्रम के राजनीतिशास्त्र, इतिहास एवं हिन्दी विषयों की ऑडियो सीडी की रिकॉर्डिंग व एडिटिंग करके तैयार किया गया।

2. नो प्लास्टिक प्लीज़– बिलासपुर शहर में प्लास्टिक निवारण के लिये प्रयास। इस संदर्भ में एक फिल्म के निर्माण, प्रदर्शन के अलावा कपड़ों के थैले सिलवा कर वितरण किया गया। अखबार के कागजों से पेपर बैग्स बनवाकर उनको लोगों को बांटा गया और अनेक संस्थानों में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

3. अस्तित्व – बुजुर्गों के लिये डे केयर सेंटर का संचालन प्रगति विहार, बिलासपुर में किया गया। जिसमें उनके लिये निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन किये गये।

4. आकृति – बच्चों के लिये 15 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, जिसमें उनका निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, संस्कार कक्षाओं के माध्यम से उनके मन में पौष्टिक भोजन के प्रति लगाव व जंक फूड के नुकसान, पर्यावरण से जुड़ाव जैसे अनेक कार्यक्रम संचालित किये गये।

5. होली व रंगोली – रासायनिक रंगों के उपयोग और उनके दुष्परिणामों के बारे में और हर्बल रंगों के निर्माण व उपयोग की जानकारी अनेक कार्यशालाओं के माध्यम से जनसाधारण तक पहुंचाई गई। इस संदर्भ में एक लघुफिल्म का फिल्मांकन कर प्रदर्शन भी किया गया। इन कार्यक्रमों में कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपनी सलाह एवं विचार भी रखे।

6. अपनी सुरक्षा अपने अधिकार – संस्था द्वारा अलग अलग विषयों पर लोगों को जागरूक करने के लिये एक अभियान चलाया गया। ये अभियान प्रतिष्ठित डॉक्टरों, अधिवक्ताओं व पुलिस विभाग के सहयोग से तैयार रूपरेखा पर आधारित कार्यक्रम था–

अ. बच्चों के सामान्य अधिकार– इसके अंतर्गत ये बताया जा रहा है कि भारतीय संविधान के अनुसार बच्चे के कौन कौन से अधिकार हैं। पीआईएल और चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में विस्तृत जानकारी ! आपका बच्चा किस प्रकार सुरक्षित रह सकता है.

ब. महिला प्रताड़ना – कानूनी अधिकार विषय के अंतर्गत प्रताड़ना क्या है, किसी भी रूप परेशान किये जाने की किस सीमा को हम प्रताड़ित किया जाना कहेंगे। महिला सुरक्षा नियमों व हाल में हुए कानूनी परिवर्तनों के बारे में जानकारी। हमारी सुविधा और सुरक्षा के लिये है पुलिस, जानें पुलिस विभाग के बारे में। क्या है एफआईआर और जानें सायबर अपराधों के बारे में।

स. वोट देने का अधिकार – एक जिम्मेदार लोकतंत्र के निवासी होने के नाते 18 साल से अधिक उम्र के हर भारतीय नागरिक को अपनी मर्जी से वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है। चुनाव क्या हैं, हर स्तर पर चुनाव प्रक्रिया क्या है और हमारी सरकार कैसे बनती है और हमारे क्या अधिकार हैं।

द. जानें मानव की शारीरिक संरचना– महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्यगत परेशानियां व बचाव के उपाय ।

इ. आत्मसुरक्षा व बचाव के तरीके– आत्मसुरक्षा के लिये मांसपेशियों को मजबूती देने वाली सामान्य एक्सरसाइज आत्म बचाव के लिये कुछ तकनीकी जानकारियां कुछ हेल्पलाइनों के बारे में जानकारियां।

7. रोज़ एक कहानी – पुराना समय था जब हर घर में बच्चे अपनी नानी, दादी से कहानी सुने बिना सोते नहीं थे। कुछ शिक्षाप्रद कहानियां कहानियां सुनने के बाद जब बच्चे सोते थे तो सपनों में भी उन्हें कुछ अच्छा ही दीखता था। सुषुप्तावस्था में में भी वे अच्छे संस्कारों से युक्त हुआ करते थे। क्योंकि ये बात वैज्ञानिक भी मानते हैं कि सोने से पहले व्यक्ति जो कुछ सोचता, सुनता या देखता है, वो उसके मन में बसा होता है और सपने भी ज्यादातर उस संदर्भ में ही देखता है। लेकिन आज का बच्चा देर रात तक टीवी देखता है, इंटरनेट पर गेम्स, फिल्मों, कार्टूनों से जूझता रहता है और यूं ही कब सो जाता है माता पिता को भी पता नहीं चलता।

हमारी संस्था के माध्यम से 3 से 8 साल तक के ऐसे बच्चों के 50 पालकों को एक व्हाट्सएप्प नंबर उपलब्ध करवाया गया और उनको 'रोज एक कहानी' क्रम के तहत प्रतिदिन एक ऑडियो कहानी जिसको संस्था के कलाकारों द्वारा ही तैयार किया जाता था, भेजी गई।

7. सिने पीरियेड – चिल्ड्रन्स फिल्म सोसायटी द्वारा निर्मित फिल्में सिर्फ बच्चों को ध्यान में रखकर बनायी जाती हैं। प्रेरणादायी, बच्चों की कहानियों पर आधारित ऐसी फिल्में जिनमें अभिनय व मुख्य किरदार भी बच्चों का ही होता है। ये फिल्में चिल्ड्रन्स फिल्म सोसायटी से सीधे फिल्में मंगवाकर, 3 दिनी उत्सव किया गया। 1000 लोगों के बैठने की व्यवस्था वाले इस हॉल में विभिन्न स्कूल के बच्चों को अलग अलग शो में आमंत्रित करके उनको ये फिल्में दिखायी गईं। इंटरवेल में बच्चों को फास्ट फूड के नुकसान बताते हुए कुछ ऐसे स्टॉलों का प्रबंध किया गया था जिसमें चिप्स, कुरकुरे, कोल्डड्रिंक्स नहीं, भेल, अंकुरित सामान, ढोकला, फलों का रस आदि का इंतजाम था। साथ ही इंतजाम था संस्था के ही कलाकारों, वालेन्टियर्स के ऑर्केस्ट्रा का। इंटरवेल और फिल्म के अंत में लाइव ऑर्केस्ट्रा शो में बच्चों के गाने आये हुए बच्चों को शामिल करके गाये जाते थे। इस दौरान बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया गया।

8. संवेदना – 40 बुजुर्ग महिला व 40 बुजुर्ग पुरुषों के लिये संचालित वृद्धाश्रम 'कल्याण आश्रम' में संस्था के सदस्य महीने में एक दिन व ही त्योहार पर उनके साथ समय बिताने जाते हैं। खाते–खिलाते हैं, मनोरंजन करते हैं। कभी मॉल में फिल्म, कभी पिकनिक जैसी गतिविधियों में शामिल करते हैं। उनकी समस्याओं को पूरी करने का प्रयास भी साथ साथ चलता रहता है। संवेदना नाम से चलाये जा रहे इस कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिलायें सब शामिल हैं जिनको अब बुजुर्ग भी अपने परिवार का सदस्य मानने लगे हैं।

9. अपना भोजन स्वयं उगायें – कुपोषण व प्रदूषण युक्त भोजन से खुद व परिवार को बचाने के लिये अपने घर में, गमलों या खाली स्थान पर पौधों के रोपण से संबंधित जाानकारी युक्त पुस्तिका छपवा कर लोगों को बांटी जाती है। घर के अंदर किस तरह के पौधे प्रदूषण मुक्त वातावरण बना सकते हैं या किस क्षेत्र में कैसी खाद्य सामग्री के पौधे लगाये जायें, सारी जानकारी पुस्तिका में उपलब्ध है। पर्यावरण को भी बढ़ावा देने वाले इस कार्यक्रम में पौधों व बीजों का वितरण भी किया जाता है।

10. वित्तीय साक्षरता – जागरूकता हर क्षेत्र में ज़रूरी है। डिजटल जागरूकता, बैंक संबंधी जागरूकता की कमी के कारण आज ही दिन लोग फोन आदि के माध्यम से बेवकूफ बनाये जा रहे हैं। इस संदर्भ में आरबीआई के लिये संस्था ने 10 जागरूकता फिल्मों का निर्माण किया है, जिनमें बीमा, ऋण, निवेश, बजट, बचत के साथ फोन, मेल पर मिलने वाले लालच भरे ऑफर्स के बारे में नाटकीय ढंग से बताया गया है। स्क्रिप्ट, अभिनय, कैमरा, डायरेक्शन, एडिटिंग आदि संस्थ्ज्ञा के लागों द्वारा ही किया गया प्रयास है। छत्तीसगढ़ी में बनी इन फिल्मों को गांवों में दिखाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी, बिलासपुर

2010-11

एक आवाज़, एक प्रयास

1. चित्रकला व काष्ठकला प्रदर्षनी

   5 से 9 जनवरी 2010

2. रेडियो धारावाहिक अनमोल स्वाद सदा रहे याद

   10.01.10 से 28.02.10

3. इन्फोटेन्मेंट

   22 मार्च 2010

4. अभिनय प्रषिक्षण षिविर

   11 अप्रेल 2010

5. नृत्य कला के विकास के लिये प्रषिक्षण कार्यषाला

   5 से 20 जून 2010

6. रेडियो धारावाहिक ये गलियां ये चौबारा 13 एपिसोड

   जुलाई से सितंबर 2010

7. निःषुल्क ऑडयो प्रषिक्षण षिविर

   7 अगस्त 2010

8. रेडियो धारावाहिक हर्बल हेल्प लाइन

   सितंबर से नवंबर

9. 'रजतपथ' लघु फिल्म

   1 नवंबर 2010

10. दृष्टिहीन छात्रों के लिये ऑडियो सीडी निर्माण

    12 नवंबर

11. दूरदर्षन के लिये निर्मित फिल्म 'काष'

    30 जनवरी 2011

चित्रकला व काष्ठकला प्रदर्षनी

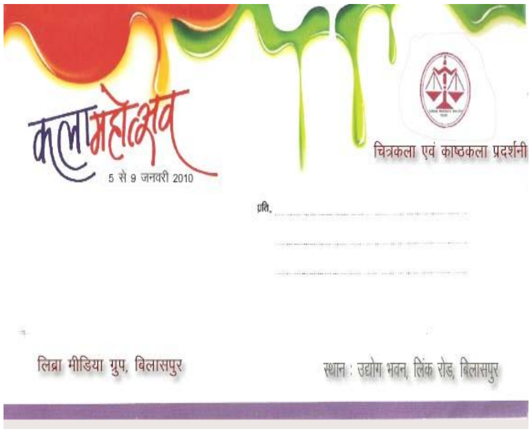

कार्यक्रम का उद्देष्य – कलाकारों को मंच प्रदान करना

कार्यक्रम का लक्ष्य – जिला बिलासपुर के लोग

कार्यक्रम का स्थान – उद्योग भवन

कार्यक्रम का समय – 10 बजे.से 8 बजे तक

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 5 से 9 जनवरी 2010

कार्यक्रम हितग्राही संख्या – महिला......9..........पुरुष.........5........बच्चे................

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण–मोहन गोस्वामी, वरिष्ठ चित्रकार व ग्राफिक्स डिजाइनर, रायपुर

सुजाता राजिमवाले, वरिष्ठ चित्रकार, रायपुर। रमाकांत सोनी, आर्ट डायरेक्टर, बिलासपुर।

कार्यक्रम की विषेषता – अंचल के कलाकारों की कलाकृतियों को प्रदर्षित किया गया।

रेडियो धारावाहिक ‘अनमोल स्वाद सदा रहे याद’

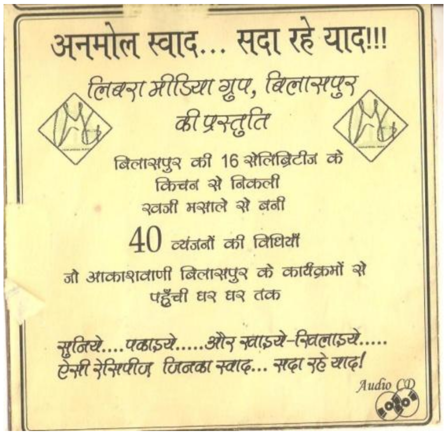

कार्यक्रम का विषय – रेडियो धारावाहिक 15 कड़ियां

कार्यक्रम का उद्देष्य – मनोरंजक कार्यक्रम के माध्यम से प्रचारप्रसार

कार्यक्रम का लक्ष्य – बिलासपुर रेडियो श्रोता वर्ग (जांजगीर, कोरबा, बिलासपुर, मुंगेली, पेण्ड्रा)

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख– 10.01.10 से 28.02.10

कार्यक्रम का प्रसारण– आकाषवाणी बिलासपुर से प्रसारित

कार्यक्रम का संदेष – विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी 15 महिलाओं द्वारा पौष्टिक व्यंजन बनाने की विधियां एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां भी दी गईं।

कार्यक्रम की विषेषता – इस धारावाहिक को बनाने में वर्कषॉप में प्रषिक्षित किये हुए प्रषिक्षार्थियों द्वारा रिकॉर्डिंग, एडिटिंग व मिक्सिंग की गई।

इन्फोटेन्मेंट

कार्यक्रम का विषय – मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी और व्यक्तित्व विकास पर एक दिवसीय निःषुल्क कार्यषाला

कार्यक्रम का उद्देष्य – युवाओ मे अपनी प्रतिभा की पहचान करने और का सदुपयोग।

कार्यक्रम का लक्ष्य – अंचल के युवा

कार्यक्रम का स्थान – महिमा बैक्विट हॉल, महिमा कॉम्पलेक्स, व्यापार विहार, बिलासपुर

कार्यक्रम का समय – 10 बजे से 7 बजे तक

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 22 मार्च 2010

कार्यक्रम हितग्राही संख्या – महिला......30..........पुरुष.......17..........बच्चे................

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण–

1.	Script Writing as a career	Dr. R.K.Tandon
2.	Stage Presentation as an anchor, actress & singer	Champa Bhattacharya
3.	Personality Development via theater	Yogesh Pandey
4.	Body fitness	Abhishek
5.	Beauty in Media	Sabiha Khan
6.	How to face Mike & Camera	Sunil Chipde
7.	Personality Development through extra activities	Prof.Sudip Gupta
8.	Career Guidance	Radhika Marda

कार्यक्रम के नागरिक गण – हितग्राही, गणमान्य नागरिक

कार्यक्रम की विषेषता – भारत में वीडियो व ऑडियो प्रसारण के क्षेत्र में निरंतर विकास हो रहा है। अपने क्षेत्र के बहुत से लोग प्रतिभाषाली होने के बावजूद अवसर प्राप्त नहीं कर पाते हैं। मार्गदर्षन देने के लिये इस सफल सेमिनार का आयोजन किया गया।

लिब्रा मीडिया ग्रुप का सेमिनार 22 को

हरिभूमि न्यूज

बिलासपुर। लिब्रा मीडिया ग्रुप द्वारा 22 मार्च को 11 से 5 बजे तक एक फ्री सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मीडिया के क्षेत्र से जुड़ने एवं व्यक्तित्व विकास के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

लिब्रा मीडिया ग्रुप की निदेशक संध्या टंडन ने सेमिनार आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत में वीडियो व ऑडियो प्रसारण के क्षेत्र में निरंतर विकास रहा है। दूर-दराज के क्षेत्रों और समाज के विभिन्न तबकों में रेडियो व टीवी के विभिन्न चैनलों की गति व पहुंच तेज हो गई है। बिलासपुर के लोग भी अंचल, देश और दुनिया भर से अनेक संचार माध्यमों से जुड़े हुए हैं। अपने क्षेत्र के बहुत से लोग प्रतिभाशाली होने के साथ ही संचार व कला माध्यमों में भागीदारी की लालसा रखते हैं लेकिन टीवी और रेडियो के ढेर सारे चैनलों के कार्यक्रम और समाचार वन वे ट्रेफिक के समान है जिनमें हमारी भागीदारी सिर्फ एकतरफा होती है यानी हम सिर्फ उन्हें देख या सुन पाते हैं यानी शामिल नहीं हो पाते। छत्तीसगढ़ के लोग इस क्षेत्र में काफी पिछड़े हुए साबित हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ी फिल्मों में इस क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधित्व भी कम नजर आता है। संगीत, नृत्य, नाटक और कला से जुड़े हुए आयोजनों में भी लगातार कमी होती जा रही है। इन्ही कमियों को दूर करने इस सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। सेमिनार महिमा बैंक्विट हॉल में

Libra Media Group
A House of Audio & Video Productions
Gayatri Mandir Chowk, Bilaspur

Reg. 7690
Ph.9827150507

इंफोटेंमेंट

'इंफोटेंमेंट' यानि मनोरंजन के साथ ज्ञान

पिछले कुछ वर्षों में भारत में ऑडियो व वीडियो प्रसारण के क्षेत्र में निरंतर विकास हो रहा है। दूर–दराज के क्षेत्रों और समाज के विभिन्न तबकों में रेडियो व टीवी के विभिन्न चैनलों की गति व पहुँच तेज हो गई है। हमारे शहर बिलासपुर के लोग भी अंचल, देश और दुनिया भर से अनेक संचार माध्यमों से जुड़े हुए हैं। अपने शहर व आसपास के बहुत से लोग प्रतिभाशाली होने के साथ संचार व कला माध्यमों में भागेदारी की लालसा रखते हैं, लेकिन टी.वी. और रेडियो के ढेर सारे चैनलों के कार्यक्रम और समाचार वन वे ट्रेफिक के समान हैं, जिनमें हमारी भागेदारी सिर्फ एकतरफा होती है यानि हम सिर्फ उन्हें देख या सुन पाते हैं, शामिल नहीं हो पाते। सही संचार के साधन ऐसे यंत्र हैं जो आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक उन्नति में सहायक होते हैं। लेकिन हम छत्तीसगढ़ के निवासी इस क्षेत्र में काफी पिछड़े हुए साबित हो रहे हैं। बिलासपुर में होने वाले किसी भी बड़े आयोजन में सही प्रस्तुतकर्ता या एनाउन्सर की कमी खलती है। अक्सर बड़े कार्यक्रमों के लिये बाहर से एनाउन्सर बुलाये जाते हैं। गिने–चुने होने वाले नाटकों में अच्छे कलाकारों की मौजूदगी के बावजूद प्रशिक्षण का अभाव झलकता है, छत्तीसगढ़ी फिल्मों में इस क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधित्व भी कम नज़र आता है। राजधानी के साथ साथ कोरबा व रायगढ़ में जिस संख्या में छत्तीसगढ़ी एलबमों का निर्माण हो रहा है उनकी तुलना में यहाँ के निर्माण व प्रस्तुतियाँ नगण्य हैं। संगीत, नृत्य, नाटक और कला से जुड़े हुए आयोजनों में भी लगातार कमी होती जा रही है। लोकल टीवी चैनल में कार्यक्रम प्रस्तोताओं और स्तरीय कार्यक्रमों की कमी भी हरदम नज़र आती है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित हाने वाले न्यूज़ चैनलों में अंचल की खबरों का समावेश भी इसीलिये कम होता है क्योंकि यहाँ प्रशिक्षित प्रस्तुतकर्ता और तकनीशियनों की बेहद कमी है। दैनिक अखबारों में भी योग्य व प्रशिक्षित लोगों की खोज हरदम होती रहती है।

मीडिया के क्षेत्र से हम कैसे जुड़ सकते हैं, कैसे अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं इन सारी जानकारियों को देने के लिये महिमा बैंक्विट हॉल में 22 मार्च को दोपहर 11 से 5 बजे तक एक फ्री सेमिनार का आयोजन लिब्रा मीडिया ग्रुप द्वारा किया जा रहा है।

इंफोटेंमेंट पर कार्यशाला 22 को

बिलासपुर। मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी और व्यक्तित्व विकास के गुर सिखाने के लिए 22 मार्च को महिमा बैंक्विट हाल में एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क मार्गदर्शन दिया जाएगा। लिबरा मीडिया के सचिव श्री कंचन ने बताया कि कार्यशाला में युवाओं को मीडिया से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं पर जानकारी दी जाएगी। लिबरा मिडिया द्वारा यह कार्यशाला दोपहर के 11 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि आज सैकड़ों युवा प्रतिभाशाली तो हैं, लेकिन अपनी प्रतिभा का सही ढंग से प्रजेंटेशन नहीं दे पाते। इसी को ध्यान में रखते हुए लिबरा मिडिया ने 'इंफोटेंमेंट-2009' के तहत निःशुल्क कार्यशाला आयोजित की गई है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवा संचार औ[र] कला के माध्यम से भागीदारी तो चाहते है, लेकिन रेडियो, टीवी और संचार के अन्य माध्यम वनवे ट्रैफिक की तरह है, जिसे हम देख तो सकते हैं, लेकिन उसमें शामिल नहीं हो सकते। लोकल टीवी कार्यक्रमों के साथ राष्ट्रीय स्तर के टीवी समाचारों में भी छत्तीसगढ़ के लोग कम ही नजर आते हैं। -निप्र

अभिनय प्रषिक्षण षिविर

कार्यक्रम का विषय – थियेटर व फिल्म प्रषिक्षण

कार्यक्रम का उद्देष्य – क्षेत्र के प्रतिभाषाली कलाकारों को मार्गदर्षन

कार्यक्रम का लक्ष्य – अंचल के प्रतिभाशाली युवा

कार्यक्रम का स्थान – रतनपुर

कार्यक्रम का समय – 10 बजे से.........5 बजे

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख– 11 अप्रेल 2012

कार्यक्रम हितग्राही संख्या – महिला.......7.........पुरुष.......8..........बच्चे................

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी फिल्म व टीवी कलाकार करण खान

कार्यक्रम की विषेषता – अभिनेता करण खान ने इस षिविर में अभिनय के गुर बताने के साथ तकनीकी जानकारी भी दी और युवाओं को अभिनय क्षेत्र में आने के मार्गदर्षन भी दिया।

नृत्य कला के विकास के लिये निःशुल्क प्रषिक्षण कार्यषाला

(प्रषिक्षक – सूर्यकांत गजभिये, प्रेम राव)

कार्यक्रम का उद्‌देष्य – बच्चों मे पारंपरिक व षास्त्रीय नृत्य के प्रति जागरूकता का विकास करना

प्रषिक्षण एवं कार्यषाला स्थान– एसईसीएल सरकण्डा, बिलासपुर

कार्यषाला अवधि– 5 से 20 जून 2010

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– सुश्री चंपा भट्‌टाचार्य, एसईसीएल महिला विंग की अध्यक्षा

कार्यक्रम की विषेषता –   मात्र 15 दिनों में बच्चों को नृत्य की षिक्षा के साथ माइक व मंच पर बोलने के गुर भी सिखाए गये। बच्चों में आत्मविष्वास बढ़ा। स्टेज के प्रति झिझक कम हुई एवं नृत्य की विभिन्न विधाओं के बारे में जानकारी के साथ नृत्य प्रषिक्षकों ने षास्त्रीय व अंचल के लोकनृत्य भी तैयार करवाये।

रेडियो धारावाहिक 'ये गलियां ये चौबारा' (15 एपिसोड)

केन्द्र सरकार की योजना संपूर्ण स्वच्छता अभियान पर आधारित

सारा काम प्रषिक्षार्थियों द्वारा किया गया

कार्यक्रम का उद्देष्य – सरकारी योजना का प्रचार प्रसार। विभिन्न जनचेतना की बातों को, अधिकारियों के संदेशों को जन जन तक पहुँचाना।

कार्यक्रम का लक्ष्य – आकाशवाणी बिलासपुर रेडियो श्रोता वर्ग (जांजगीर, कोरबा, बिलासपुर, मुंगेली, पेण्ड्रा)

कार्यक्रम का समय – जुलाई से अक्टूबर 2010 प्रति सप्ताह

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 8.30 से 9.00 बजे सुबह

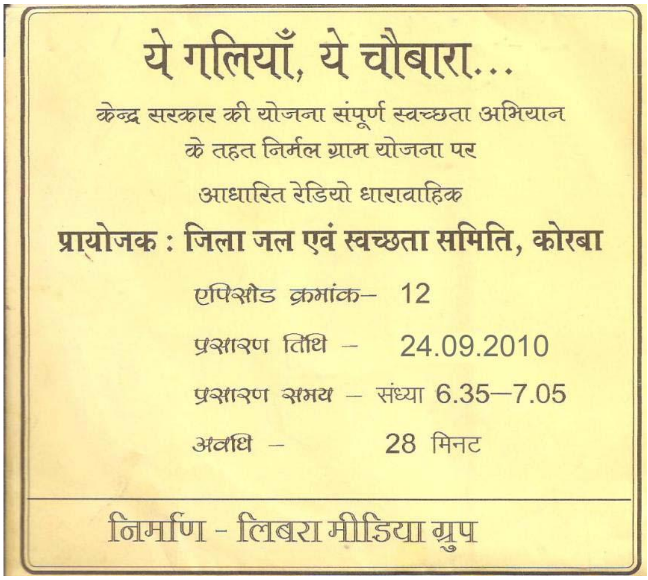

ये गलियाँ, ये चौबारा...

केन्द्र सरकार की योजना संपूर्ण स्वच्छता अभियान
के तहत निर्मल ग्राम योजना पर
आधारित रेडियो धारावाहिक

प्रायोजक : जिला जल एवं स्वच्छता समिति, कोरबा

एपिसोड क्रमांक– 12
प्रसारण तिथि – 24.09.2010
प्रसारण समय – संध्या 6.35–7.05
अवधि – 28 मिनट

निर्माण - लिबरा मीडिया ग्रुप

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बिलासपुर के अधिकारी, निर्मल ग्राम पंचायतों के सरपंच, कंपीयर

कार्यक्रम की विषेषता – आउटडोर रिकॉर्डिंग, स्टूडियो रिकॉर्डिंग, स्क्रिप्टिंग, एडिटिंग आदि

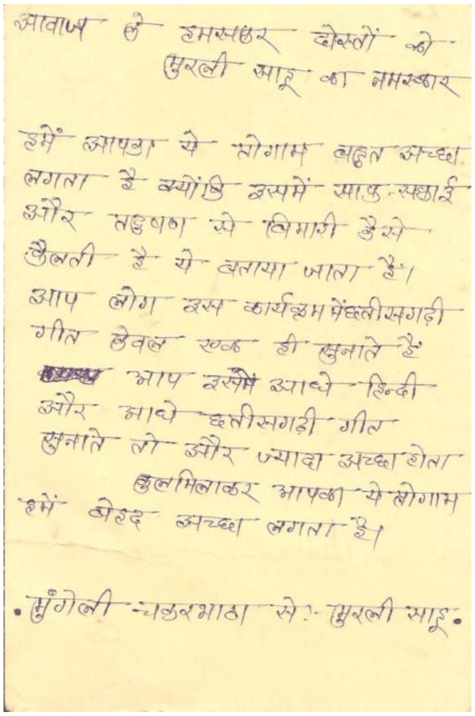

आवाज के हमसफर दोस्तों को
मुरली साहू का नमस्कार

हमें आपका ये प्रोगाम बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें साफ-सफाई और प्रदूषण से बिमारी कैसे फैलती है ये बताया जाता है। आप लोग इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी गीत केवल एक ही सुनाते हैं आप इसमें आधे हिन्दी और आधे छत्तीसगढ़ी गीत सुनाते तो और ज्यादा अच्छा होता
कुलमिलाकर आपका ये प्रोगाम हमें बेहद अच्छा लगता है।

• मुंगेली चकरभाठा से:- मुरली साहू •

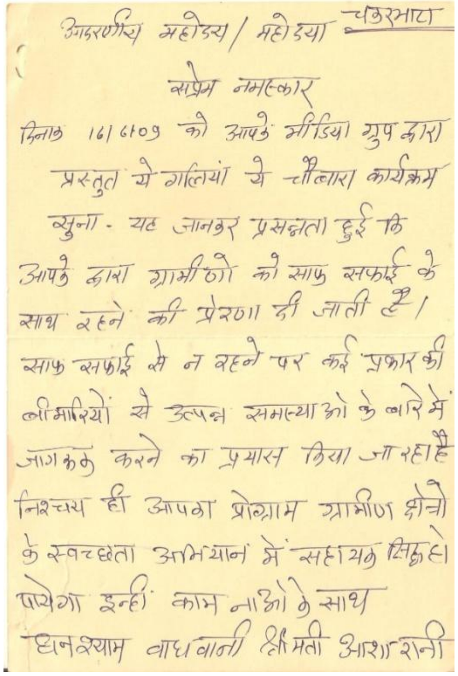

आदरणीय महोदय / महोदया चकरभाठा

सप्रेम नमस्कार

दिनांक 16/6/09 को आपके मीडिया ग्रुप द्वारा प्रस्तुत ये गलियां ये चौबारा कार्यक्रम सुना. यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आपके द्वारा ग्रामीणों को साफ सफाई के साथ रहने की प्रेरणा दी जाती है। साफ सफाई से न रहने पर कई प्रकार की बीमारियों से उत्पन्न समस्याओं के बारे में जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है निश्चय ही आपका प्रोग्राम ग्रामीण क्षेत्रों के स्वच्छता अभियान में सहायक सिद्ध हो पायेगा इन्हीं कामनाओं के साथ
घनश्याम वाधवानी श्रीमती आशा रानी

निःषुल्क ऑडियो प्रषिक्षण षिविर

(रिकॉर्डिंग, एडिटिंग, मिक्सिंग)

कार्यक्रम का उद्‌देष्य – अंचल के लोगों को कंप्यूटराइज़्ड रिकॉर्डिंग व मिक्सिंग के बारे में प्रषिक्षित करना

कार्यक्रम का लक्ष्य – बिलासपुर के युवाओ मे रोजगार के अवसर का विकास

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख– 7 अगस्त 2010

कार्यक्रम हितग्राही संख्या – महिला......16..........पुरुष.......7..........बच्चे................

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– अमरेष्वर दुबे (सीनियर कार्यक्रम अधिषासी, आकाषवाणी) व अन्य सीनियर अनाउन्सर्स

कार्यक्रम की विषेषता – 24 प्रषिक्षार्थियों ने कंप्यूटर पर सॉफ्टवेयर साउंड फोर्ज और ऑडिषन पर रिकॉर्डिंग, एडिटिंग व मिक्सिंग का काम सीखा व अनेक कार्यक्रमों का निर्माण किया।

रेडियो धारावाहिक हर्बल हेल्प लाइन

औषधीय एवं सगंधीय पौधों पर आधारित 13 कड़ियाँ

कार्यक्रम का उद्देष्य – औषध व सुगंधीय पौधों के बारे में लोगों तक जानकारी पहुँचाना। हर्बल स्टेट छत्तीसगढ़ के अलग अलग क्षेत्रों में भूमि की जानकारी व औषधीय पौधों के रोपण से संबंधित जानकारी देना।

कार्यक्रम का लक्ष्य – छ.ग आकाषवाणी श्रोता समूह (रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, रायगढ़ से प्रसारित

कार्यक्रम का स्थान – लिब्रा स्टूडियो, बिलासपुर
कार्यक्रम का समय – प्रति षनिवार षाम 6.35 से....7.05
कार्यक्रम का दिन एवं तारीख– सितंबर से नवंबर 2010 प्रति सप्ताह

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण–
वनौषधि बोर्ड के विभिन्न अधिकारी, कृषक, हितग्राही, विषय विषेषज्ञ आदि

कार्यक्रम की विषेषता – हर्बल स्टेट छत्तीसगढ़ के अलग–अलग क्षेत्रों में भूमि की जानकारी, सगंधित पौधों की खेती, मार्केटिंग, विषय विषेषज्ञों द्वारा विस्तृत बातें और श्रोताओं की जिज्ञासाओं का समाधान करके कार्यक्रम को रोचक तरीके से ज्ञानवर्द्धक बनाकर प्रस्तुत किया गया व हर्बल स्टेट औषध व सगंधीय पौधों के बारे में प्रचार प्रसार किया गया।

चिठ्ठी - सिली 21.6.07

दिनांक 21.6.07 को एक फिल्म कार्यक्रम मे फिल्म :- दो रास्ते का गीत सुनवाए हमें बहुत पसंद आया। एवं एक नया प्रायोजित कार्यक्रम हेल्थ हेल्पलाइन हमें बहुत पसंद आ रहा क्योंकि इस कार्यक्रम में हमारी दैनिक जीवन उपयोग होने वाली वस्तुओं के बारे ~~अनेक~~ आयुर्वेदिक एवं सुन्दरता के काम आया। अभी पिछले दिनों इस कार्यक्रम मेंहदी के बारे में बहुत ही जानकारी दी हम लोग मेहदी को सिर्फ हाथ की सजावट या बाल रंगने के ~~लिए~~ उपयोगिता तक ही सीमित थे लेकिन इस कार्यक्रम हमें मेंहदी के अनेक गुणों का ज्ञान हुआ इसके लिए हम सहृदय आप सब का आभारी है। एवं हमारे मनपसंद कार्यक्रम आपकी-पसंद समय बढ़ाने एवं सप्ताह में तीन दिन प्रसारित करने के लिए पूरे आकाशवाणी परिवार को हार्दिक धन्यवाद

दतरेंगी-भाटापारा छ०ग० से-

* नोखेलाल वर्मा
* हीरामणी वर्मा
* पारसमणी वर्मा
* पुष्पेन्द्रमणी वर्मा

हर्बल हेल्पलाइन परिवार को प्यार भरा नमस्कार व स्वतंत्रता दिवस की अग्रीम शुभकामनाएँ व हार्दिक बधाई हम सभी आपकि कार्यक्रम का नियमित श्रोता है इस कार्यक्रम को सुनने से वाकई मे प्राकृतिक - वनस्पति, औषिधी के प्रति लगाव व रूची उत्पन्न होता है कार्यक्रम संबंधी श्रोताओ की ओर से छोटा-सा, करबद्ध सुझाव है कि 1/8/07 को प्रसारित कार्यक्रम हर्बल हेल्पलाइन मे पुनः प्रसारित व कुछ नया कड़ी का मिली-जुली प्रसारण जैसे था अतः भविष्य मे ऐसा न हो। शेष ~~बेहद~~ बेहद अच्छा है।

THANKS

रजतपथ– लघु फिल्म

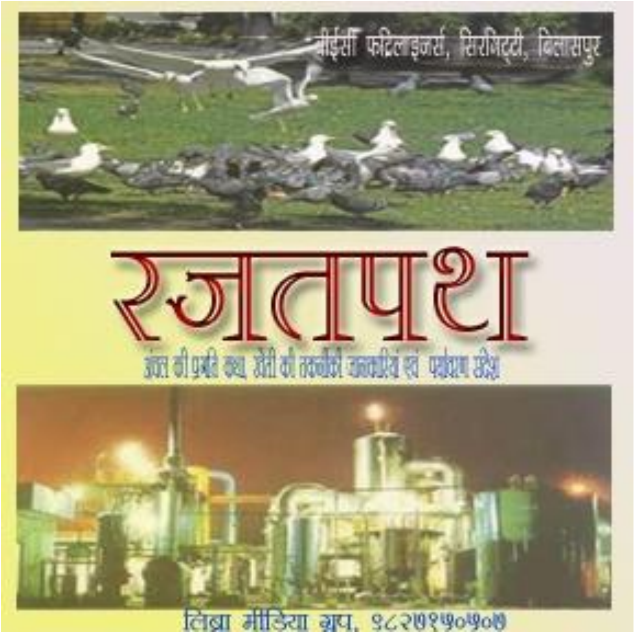

कार्यक्रम का विषय – बीईसी फर्टिलाइजर्स के 25 वर्षों का सफर एवं उपलब्धियॉ

कार्यक्रम का उद्देष्य – बीईसी फर्टिलाइजर्स द्वारा अपने सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिये किये गये कार्य जिसमें

1. इस अंचल की प्रगति कथा का प्रचार प्रसार,
2. क्षेत्र मे नवीनतम एवं उन्नत खेती की तकनीकी की जानकारियो एवं जागरूकता का प्रचार प्रसार
3. पर्यावरण संरक्षण के लिये संदेष का प्रचार प्रचार प्रसार।

कार्यक्रम का लक्ष्य – अंचल के जागरूकता विहिन एवं परम्परागत खेती करने वाले किसान को जागरूक करना।

कार्यक्रम का स्थान – बीईसी फर्टिलाइजर्स कैम्पस तथा क्षेत्र के विभिन्न चिन्हित क्षेत्रों के किसानों के भूमि।

कार्यक्रम का ग्राम पंचायत – सिरगिट्टी

कार्यक्रम का विकासखंड एवं तहसील – बिल्हा, बिलासपुर

कार्यक्रम का समय – विडियो फिल्म रिकार्डिग अवधि सितम्बर 2010 से अक्टूबर के अन्तिम सप्ताह तक 20 मिनट की फिल्म, 1 नवंबर 2010 को रजतजयंती अवसर पर प्रदर्षित की गई एवं बाद में विभिन्न गांवों में किसानों के समक्ष इसका प्रदर्षन किया जाता रहा।

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– बीईसी के अधिकारीगण

कार्यक्रम के नागरिक गण – फर्टिलाइजर्स से जुड़े देष व प्रदेषों विभिन्न स्थलों से आए विषेषज्ञ, गणमान्य नागरिक एवं उन्नत कृषक।

कार्यक्रम की विषेषता – फिल्म में उन्नत खेती से छत्तीसगढ़ की प्रगति दिखाने के साथ बीईसी फर्टिलाइजर्स कैम्पस व आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण जागरूकता को खूबसूरती के साथ चित्रित किया गया है। वहां आने वाले सैकड़ों की तादात में पक्षी इस बात के प्रमाण हैं।

दृष्टिहीन छात्रों के लिये ऑडियो सीडी निर्माण

कार्यक्रम का विषय – 10वी व 11वी के दृष्टिबाधित छात्रों की राजनीति षास्त्र विषय की अध्ययन सामग्री का ऑडियो रूपांतरण

कार्यक्रम का उद्देष्य – ब्रेल लिपि के माध्यम से छात्रों को बहुत मोटी किताबों से पढ़ने में होने वाली असुविधा को देखते हुए संस्थान ने उसका ऑडियो रूपांतरण करवाया।

कार्यक्रम का लक्ष्य – छ.ग के दृष्टिहीन एवं दृष्टिबाधित 10वीं व 11वीं के छात्र–छात्राएं

कार्यक्रम का स्थान – छ.ग.राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री अमर अग्रवाल का निवास राजेन्द्र नगर,लिंक रोड,बिलासपुर

कार्यक्रम का समय – प्रातः 11 बजे से

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 12 नवंबर 2010

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– श्री अमर अग्रवाल, महापौर अशोक पिंगले

कार्यक्रम के नागरिक गण – अंध शालाओं से जुड़े षिक्षक, छात्र व गणमान्य नागरिक

कार्यक्रम की विषेषता – संस्थान से जुड़े ऑडियो प्रषिक्षार्थी, कार्यकर्ता व विभिन्न ऑडियो वर्कषॉप में तैयार लोगों के द्वारा पुस्तकों को ऑडियों में परिवर्तित करवाया गया।

दूरदर्षन के लिये निर्मित टेलिफिल्म 'काष'

कार्यक्रम का विषय – लालची, हठी और झूठ बोलने वालों के दुष्परिणामो पर षिक्षाप्रद फिल्म की प्रस्तुति

कार्यक्रम का उद्देष्य – अभिनय व स्क्रिप्ट राइटिंग वर्कषॉप के माध्यम से प्रषिक्षार्थियों मे अभिनय एवं लेखन षैली का रचनात्मक विकास करना। उन्हें षिक्षाप्रद फिल्म तैयार करने की प्रेरणा देना।

कार्यक्रम का लक्ष्य – छ.ग के दूरदर्षन के श्रोता
कार्यषाला का स्थान – बोदरी, ब्लाक–बिल्हा, जिला–बिलासपुर
कार्यषाला प्रतिभागी– रायपुर,बिलासपुर एवं स्थानीय कलाकार
प्रसारण केन्द्र– रायपुर दूरदर्षन केन्द्र
प्रसारण का समय – नवंबर 2010
स्क्रिप्ट राईटर– डॉ.राजेष कुमार

कार्यक्रम की अभिव्यक्ति एवं विषेषता –
1.स्वार्थ और लालच फेर मे आम आदमी किस तरह जानमाल की हानि करा बैठता है, का सजीव चित्रण और प्रदर्षन के माध्यम से स्वार्थ रहित जीवन की सीख और संदेष का प्रचार प्रसार।

2. झूठ बोलने की आदत और झूठ बोलकर अपना मतलब निकालने वालों को कभी कभी किस तरह की अपमान, मुसीबत एवं परेषानी का सामना करना पड जाता है, का बेहतर अभिनय और प्रदर्षन के माध्यम से सच बोलने की सीख का प्रचार प्रसार किया गया।

3. हठ और जिद से ना तो किसी भला होता है और ना किसी का हित बल्कि व्यक्ति को नुकसान क्या नुकसान होता का, अभिनय सराहनीय रहा है।

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी, बिलासपुर

एक आवाज़, एक प्रयास

2011-12

त्रिदिवसीय थियेटर व फिल्म मेकअप प्रषिक्षण

15, 16, 17 अप्रैल

श्रोता सम्मेलन

1 मई

एक दिवसीय पटकथा लेखन षिविर

12 जून

लाइट एंड साउंड षो की मंचीय प्रस्तुति – मंगल से महात्मा

अगस्त

सेमिनार 'बिलासपुर जिले के पुरातात्विक इतिहास महत्व व संरक्षण'

25 सितंबर

निःषुल्क ऑडयो प्रषिक्षण षिविर

2 नवंबर

रेडियो धारावाहिक कुछ कहती है लाडो

1. नवंबर से हर षुक्रवार

दूरदर्षन फिल्म 'बदलते रिष्ते'

30 नवंबर

लघु फिल्म 'धनवार जनजाति में वृद्धों की सामाजिक स्थिति'
जनवरी एवं फरवरी

दृष्टिहीन छात्रों के लिये ऑडियो सीडी निर्माण

14 फरवरी

त्रिदिवसीय थियेटर व फिल्म मेकअप प्रषिक्षण

कार्यक्रम का विषय – मंचीय व फिल्म मेकअप के बारे में जानकारी
कार्यक्रम का उद्देष्य – थियेटर व मंच के क्षेत्र में रोजगारोन्मुखी प्रषिक्षण। यथा मेकअप, सेट डिजाइनिंग, छायांकन व लाइटिंग
कार्यक्रम का लक्ष्य – बच्चे व युवा
कार्यक्रम का स्थान – सीएसईबी कैम्पस, तिफरा
कार्यक्रम का ग्राम पंचायत – तिफरा
कार्यक्रम का समय – दोपहर 3 बजे से 7 बजे तक
कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 15, 16, 17 अप्रैल
कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– सुनील चिपड़े, कमल दुबे, रमाकांत सोनी, योगेष पांडे, अनीष श्रीवास, गिरीष मिश्रा, रचिता

कार्यक्रम की विषेषता – बच्चों ने वर्कषॉप में मंच व फिल्म से जुड़ी व्यावहारिक व तकनीकी जानकारियां प्राप्त कीं। लाइट्स व कैमरे के प्रकार, विभिन्न एंगल्स, षॉट्स, मेकअप सामग्री, वेषभूषा व हेड गेयर आदि दूरदर्षन के स्टिंगर कमल दुबे व आर्ट डायरेक्टर रमाकांत सोनी से विषेष रूप से सीखीं।

श्रोता सम्मेलन

कार्यक्रम का विषय – लिब्रा वेलफेयर सोसायटी को ऑडियो कार्यों के लिये सम्मान

कार्यक्रम का उद्देष्य – आकाषवाणी के श्रोताओं द्वारा छ.ग. में श्रवण माध्यम के क्षेत्र में अपना योगदान देने वाली संस्थाओं को सम्मानित करना

कार्यक्रम का लक्ष्य – छ.ग के समस्त श्रोता संघ एवं श्रवण ामाध्यममें कार्यरत संस्थाएं

कार्यक्रम का स्थान – इमलीपारा बिलासपुर

कार्यक्रम का समय – 11 से 5

कार्यक्रम का दिन – 1 मई 2012

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– अषोक बजाज, अध्यक्ष राज्य भंडारगृह निगम, छ. ग.षासन। कृष्ण कुमार बांधी – अध्यक्ष अनुसूचित आयोग, छ.ग.षासन। सोमनाथ यादव अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग आयोग, छ.ग. षासन

कार्यक्रम की विषेषता – समस्त छ.ग से पुराने व नये रेडियो श्रोता एकत्र हुए। लिब्रा मीडिया ग्रुप बिलासपुर को श्रवण माध्यम में उनके योगदान के लिये प्रषस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

एक दिवसीय पटकथा लेखन षिविर

कार्यक्रम का उद्देष्य – युवा लेखकों को आलेख एवं पटकथा लेखन की तकनीकी एवं विस्तृत जानकारी प्रदान करना।

कार्यक्रम का स्थान – लिब्रा स्टूडियो,बिलासपुर
कार्यक्रम का समय – प्रातः 10 से 7.30 तक
कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 12 जून 2011

कार्यक्रम हितग्राही संख्या – महिला......6......पुरुष.......4

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण–डॉ.राजेष टंडन, स्क्रिप्ट राइटर दूरदर्षन एवं आकाषवाणी
आबिद अली– अभिनेता एवं लेखक, रायपुर

कार्यक्रम की विषेषता – कहानी लेखन और स्क्रिप्ट लिखना दोनों अलग अलग विधा हैं। किसी भी कहानी में पात्रों को जन्म देना, क्षेत्र विषेष,परिवार, व्यवसाय, उम्र आदि के आधार पर संवादों का लेखन, भाषा, षैली एवं अंतराल आदि की तकनीकी जानकारी युवा लेखकों को प्रदान करना। रेडियो, समाचार, कंपीयरिंग,उद्घोषणा, विज्ञापन, फिल्म, थियेटर आदि अलग अलग विधाओं में आलेख एवं पटकथा लेखन की बारीकियों की जानकारी।

लाइट एंड साउंड षो की मंचीय प्रस्तुति – मंगल से महात्मा

कार्यक्रम का विषय – देषभक्ति पर आधारित 1857 से 1947 तक के 90 वर्षों का हिन्दुस्तान और छ.ग. में आजादी के प्रयास का सफरनामा

कार्यक्रम का उद्देष्य – युवाओं एवं बच्चों को उनके पुरखों द्वारा 90 सालों तक आजादी के लिये अंग्रेजों के साथ की जंग की जानकारी रोचक, भावनापूर्ण ढंग से देकर उनमें देषभक्ति का जज्बा जगाना।

कार्यक्रम का लक्ष्य – छत्तीसगढ़

कार्यक्रम का स्थान – रायपुर, जगदलपुर, दंतेवाड़ा, बिलासपुर, कोरबा

कार्यक्रम का समय – अगस्त 2011

कार्यक्रम की विषेषता – नक्सल प्रभावित क्षेत्रों जगदलपुर एवं दंतेवाड़ा में भी पुलिस की सुरक्षा में हजारों दर्षकों के सम्मुख देषभक्ति से परिपूर्ण इस लाइट एंड साउंड षो का बेहद सफल मंचन कियागया। जिसे दर्षकों, षासन एवं मीडिया से बहुत सराहना मिली। उल्लेखनीय है कि इसके मंचन में 22 महिलाओं एवं 20 पुरुष कलाकारों ने हिस्सेदारी ली।

मंच पर

चंपा भट्टाचार्य	कंचना
शत्रुघ्न जेसवानी	प्रेम प्रकाश राव
संज्ञा टण्डन	गीतेश दुबे
योगेश पाण्डेय	एस. विवेता
सुखदेव घोष	सूर्यकांत गजभिये
गिरीश मिश्रा	राजू कामती
निर्मल टण्डन	सोनू
विवेक पाण्डेय	पिन्टू श्रीवास
श्वेता पाण्डेय	अनीश श्रीवास
रचिता टण्डन	निखिल सिंह
रमाकांत सोनी	सुदीप गुप्ता
सुनील चिपड़े	आशा टण्डन
सुमेधा श्रीवास्तव	संजय बघेल

संदेश......

यह नृत्य नाटिका लोगों को स्वतंत्रता संग्राम में घटी उन प्रेरक घटनाओं तक सीधे-सीधे जीवंत अवस्था में पहुँचाने का प्रयास है, जहाँ पहुँचकर वे खुद देश के लिये कुछ कर गुजरने के जज़्बे में उबाल ला सकें।

१८५७ से १९४७, इन ९० सालों के दौरान करीब ३ पीढ़ियों ने जो भोगा और जो किया, उतना सोचना तो इस भागम-भाग भरे जीवन में संभव नहीं है। लेकिन आज भी हम ऐसा कुछ जरूर कर सकते हैं कि आने वाली पीढ़ी हम पर गर्व कर सके। यही संदेश है, यही ज़रूरी है और इसे होकर रहना है।

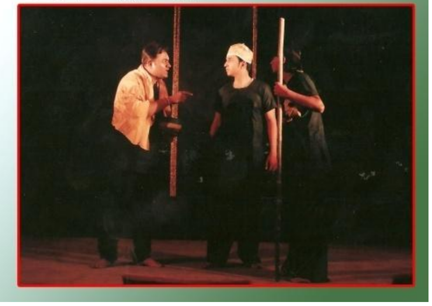

सेमिनार 'बिलासपुर जिले का पुरातात्विक इतिहास– महत्व व संरक्षण'

कार्यक्रम का विषय – बिलासपुर जिले की पुरातात्विक विरासत पर आख्यान व पाली एवं भोरमदेव का षैक्षणिक भ्रमण
कार्यक्रम का उद्देष्य – पुरातात्विक विरासत के संरक्षण पर प्रेरणात्मक जानकारी
कार्यक्रम का स्थान – षिव मंदिर सामुदायिक हॉल, विद्यानगर, बिलासपुर
कार्यक्रम का दिन एवं तारीख – 25 सितंबर 2011
कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– डॉ.एस.सी.षुक्ला, प्रोफेसर, इतिहास, षा.महाविद्यालय,बिलासपुर
श्री राहुल सिंह, पुरातत्ववेत्ता, संस्कृति विभाग, छ.ग.षासन

कार्यक्रम की विषेषता – पुरातात्विक स्मारकों के प्रति जिम्मेदारी को लोगों ने समझा। भोरमदेव भ्रमण के दौरान सदस्यों ने पॉलिथीन हटाकर प्रांगण की सफाई में योगदान दिया और इसके उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को बताया।

निःषुल्क ऑडयो प्रषिक्षण षिविर

(रिकॉर्डिंग, एडिटिंग, मिक्सिंग)

कार्यक्रम का उद्देष्य – अंचल के लोगों को कंप्यूटराइज़्ड रिकॉर्डिंग व मिक्सिंग के बारे में प्रषिक्षित करना

कार्यक्रम का लक्ष्य – बिलासपुर के युवा
कार्यक्रम का स्थान –लिब्रा स्टूडियो, बिलासपुर
कार्यक्रम का समय – 2 नवंबर 2011
कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 11 बजे से 6 बजे तक.........

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– समीर षुक्ला (सीनियर कार्यक्रम अधिषासी, आकाषवाणी)
दीपक हटवार (सीनियर उद्घोषक, आकाषवाणी)

कार्यक्रम की विषेषता – 24 प्रषिक्षार्थियों ने कंप्यूटर पर सॉफ्टवेयर साउंड फोर्ज और ऑडिषन पर रिकॉर्डिंग, एडिटिंग व मिक्सिंग का काम सीखा व अनेक कार्यक्रमों का निर्माण किया।

रेडियो धारावाहिक 'कुछ कहती है लाडो'

कार्यक्रम का विषय –	सामाजिक सरोकार व समस्याओं पर आधारित धारावाहिक 52 एपिसोड
कार्यक्रम का उद्देष्य –	गांव गांव में विभिन्न सामाजिक व स्वास्थ्यगत समस्याओं के बारे में जानकारी और उसका निराकरण महिला पात्र लाडो के माध्यम से प्रदर्षित किया गया।
कार्यक्रम का लक्ष्य –	बिलासपुर, जांजगीर, कोरबा व मुंगेली जिले के समस्त श्रोता जहां तक आकाषवाणी बिलासपुर सुनाई देता है।
कार्यक्रम का स्थान –	लिब्रा स्टूडियो
कार्यक्रम का समय –	दोपहर 12.00 से 12.30

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख– 11.11.11 से हर षुक्रवार लगातार

दूरदर्षन फिल्म ‘बदलते रिष्ते’

कार्यक्रम का विषय – अपराधी भी स्नेह और प्यार का भूखा होता है और मिलने पर वह भी मुख्यधारा में षामिल हो समाज में व्याप्त अन्य बुराइयों को मिटाने में सहायक हो सकता है।

कार्यक्रम का उद्देष्य – संस्था द्वारा आयोजित अभिनय व स्क्रिप्ट राइटिंग वर्कषॉप में तैयार प्रषिक्षार्थियों को अवसर प्रदान करने हेतु

कार्यक्रम का लक्ष्य – छ.ग के दूरदर्षन के श्रोता
कार्यक्रम का स्थान – बिलासपुर, सिरगिट्टी
कार्यक्रम का विकासखंड एवं तहसील – बिल्हा, बिलासपुर
कार्यक्रम का समय – नवंबर 2011 में दूरदर्षन रायपुर से प्रसारण

कार्यक्रम की विषेषता – सामाजिक कार्य करने वाली महिलायें अक्सर अपने घरों को ही नजरअंदाज कर जाती हैं। अपनापन दिया या लिया नहीं जाता महसूस किया जाता है। और ये बात संस्था के लेखक राजेष कुमार ने अपनी इस स्क्रिप्ट में एक चोर को चरित्र बनाकर प्रस्तुत की है। जिसको दूरदर्षन के लिये तैयार करवाने में डायरेक्षन, तकनीकी सहयोग, अभिनय के क्षेत्र में प्रषिक्षार्थियों को मौका दिया है।

लघुफिल्म ‘धनवार’ जनजाति में सभ्यता एवं संस्कृति एवं वृद्धों की सामाजिक स्थिति पर आधारित।

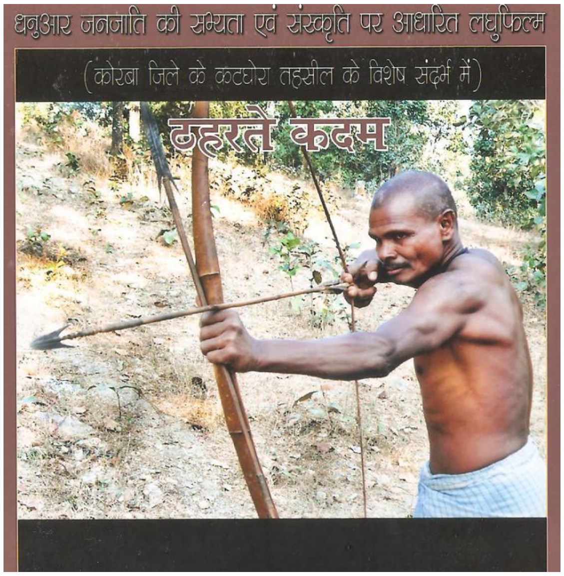

कार्यक्रम का विषय – आदिम जनजाति धनवार घुमक्कड़ व षिकार पर आश्रित जनजाति है, जो स्वतंत्रता पूर्व किसी एक स्थान पर नहीं बसे। आज भी धनवार भूस्वामी नहीं हैं। धनुष बाण को अपनी वेषभूषा में षामिल करने वाले धनवार जनजाति का सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, आर्थिक, षैक्षणिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन एवं वृद्धावस्था के दौरान उनके सम्मुख आने वाली समस्याओं का अध्ययन।

कार्यक्रम का उद्देष्य – कटघोरा तहसील में निवास करने वाली इस आदिम जनजाति की समस्याओं को षासन व आम जन तक पहुंचाना।

कार्यक्रम का लक्ष्य – बिलासपुर में हुए इतिहास विषय के सेमिनार में फिल्म का प्रदर्षन किया गया। जिसे राष्ट्रीय स्तर के विषय विषेषज्ञ, छ.ग षासन के अधिकारी एवं आमंत्रित दर्षकों द्वसास सराहा गया।

कार्यक्रम का स्थान – कटघोरा तहसील के ग्राम कोनकोना, लेपरा बसाहट

कार्यक्रम का विकासखंड एवं तहसील – कटघोरा, कोरबा

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख – जनवरी एवं फरवरी 2011, धनवार जनजाति बसाहट वाले ग्रामों का दौरा, अध्ययन एवं फिल्मांकन

कार्यक्रम हितग्राही संख्या – महिला....80............पुरुष.........110........बच्चे............20

कार्यक्रम की विषेषता – अध्ययन के दौरान जानकारी मिली कि धनवार व धनुआर एक ही जनजाति होने के बावजूद अलग अलग मान्य किये गये हैं जिसके कारण उन्हें षासन द्वारा प्रदत्त विषेष सुविधाएं प्राप्त नहीं हो पा रही हैं। उनकी इस असुविधा की जानकारी को षासन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

लघुफिल्म 'धनवार जनजाति में सभ्यता एवं संस्कृति एवं वृद्धों की सामाजिक स्थिति

दृष्टिहीन छात्रों के लिये ऑडियो सीडी निर्माण

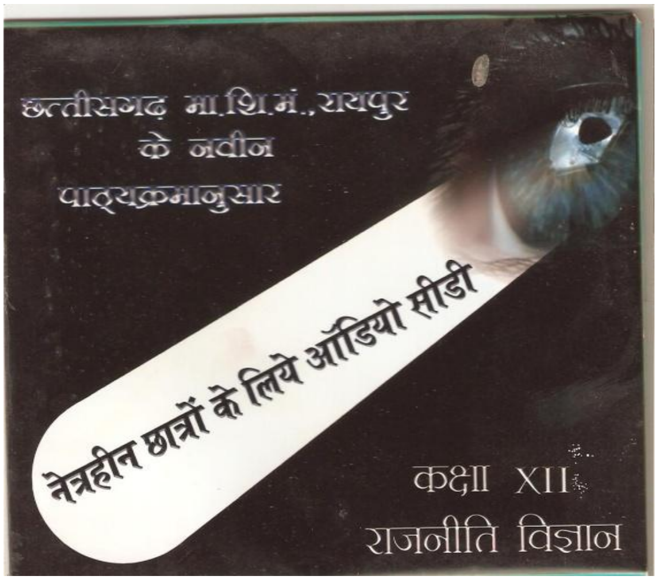

12वी कक्षा के नेत्रहीन छात्रों की राजनीति षास्त्र विषय की अध्ययन सामग्री का ऑडियो रूपांतरण

कार्यक्रम का उद्देष्य – ब्रेल लिपि के माध्यम से छात्रों को बहुत मोटी किताबों से पढ़ने में होने वाली असुविधा को देखते हुए संस्थान ने उसका ऑडियो रूपांतरण करवाया।

कार्यक्रम का लक्ष्य –छ.ग के अंध विद्यालयों के 12वीं के छात्र–छात्राएं

कार्यक्रम का स्थान –अंधबधिरषाला,तिफरा, बिलासपुर

कार्यक्रम का ग्राम पंचायत – तिफरा

कार्यक्रम का विकासखंड एवं तहसील – बिल्हा

कार्यक्रम का समय – 14 फरवरी 2011

कार्यक्रम हितग्राही संख्या – महिला........17........पुरुष.....47............बच्चे.....250............

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– कमिष्नर श्री एस.के.तिवारी

कार्यक्रम के नागरिक गण –अंध शालाओं से जुड़े षिक्षक, छात्र व गणमान्य नागरिक

कार्यक्रम की विषेषता – संस्थान से जुड़े ऑडियो प्रषिक्षार्थी, कार्यकर्ता व विभिन्न ऑडियो वर्कषॉप में तैयार लोगों के द्वारा पुस्तकों को ऑडियों में परिवर्तित करवाया गया।

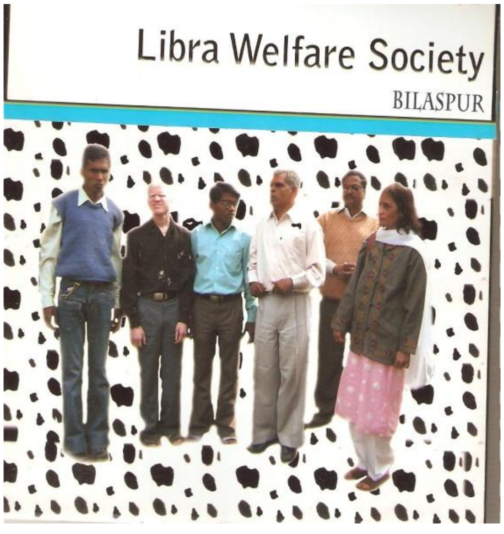

<u>रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर मिडटाऊन एवं लिबरा वेलफेअर सोसायटी का आयोजन</u>
<u>छत्तीसगढ़ के नेत्रहीन छात्र–छात्राओं हेतू आडियो सी.डी. का वितरण</u>

छत्तीसगढ़ में 10+2 में अध्यनरत छात्र–छात्राओं के अध्यन को ध्यान रखते हुये उनकी पढ़ाई को और सरल बनाने के लिए पाठय पुस्तकों को आडियो सी. डी. में रिर्काडिंग कर नेत्रहीनों के कक्षा 12 वी की पुस्तकों में क्रमशः **इतिहास, राजनिति शास्त्र, हिंदी** तैयार की गयी है।

ये सी. डी. तैयार करना का हमारी उद्धेश्य यह है। कि पूर्व में यह देखा जाता था कि इनकी पढ़ाई का माध्यम टेप रिकार्डर तथा कैसेट के माध्यम से चलता था जो कि एक विषय के लिए 15–20 कैसेट का उपयोग होता था। आधुनिक युग में सी.डी ही एक ऐसा माध्यम है। जिसमें एक सी. डी. में पूरी 1 पुस्तकें रिकार्ड होती है। जो कि नेत्रहीनों द्वारा आसानी से सुनी जा सकती है। जो कि इनकी सफलता के लिए अच्छा माध्यम है।

विदित हो कि पूरे छत्तीसगढ़ में लगभग 40–50 नेत्रहीन छात्र–छात्राओं को इसका लाभ प्राप्त होगा। छत्तीसगढ़ में पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग की संस्था ब्रेल प्रेस बिलासपुर एक मात्र संस्था है। जो कि पाठय पुस्तकों को ब्रेल लिपि में तैयार कर प्रदेश के समस्त शासकीय/अशासकीय दृष्टिबाधित संस्थाओं को प्रदाय करती है।

रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर मिडटाऊन ने जब देखा कि 12 वी की **इतिहास जों कि 352 पृष्ट की है।** और उसे ब्रेल लिपि में तैयार करने में उसकी **ब्रेल पृष्ठ संख्या लगभग 1200** के आस–पास होती है। तथा इसे **20 घण्टे 34 मिनिट** में एक सी. डी मे तैयार किया गया है। हमारे द्वारा नेत्रहीनों को पुस्तक का भार कम करने के उद्धेश्य से लिबरा वेलफेअर सोसायटी के संयुक्त प्रयास से यह सीडियॉ तैयार की गई । जो कि ब्रेल प्रेस बिलासपुर के माध्यम से प्रदेश के नेत्रहीन छात्र–छात्राओं को निः शुल्क प्रदाय की जावेगी।

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी, बिलासपुर

2012-13

रेडियो धारावाहिक कुछ कहती है लाडो
11 नवंबर 2011 से 8 फरवरी 2013 (प्रति षुक्रवार 52 एपिसोड)

बोलते षब्द व सम्मान
17 मार्च

रंगरवीन्द्र
8 मई

लघु फिल्म एक्सटेसी
6 जून से 8 जून

निःषुल्क ऑडियो प्रषिक्षण षिविर (रिकॉर्डिंग, एडिटिंग, मिक्सिंग)
15 जुलाई

घर का भूत 2
9 व 30 अगस्त

समाजसेवी प्रभुदत्त खैरा का सम्मान, व वृद्धों को वस्त्र वितरण
12 अक्टूबर

रेडियो धारावाहिक नवाबिहान

रेडियो धारावाहिक हमर ग्राम सभा

प्लास्टिक से रखें दूरियां
2 जनवरी

रेडियो धारावाहिक कुछ कहती है लाडो

कार्यक्रम का विषय – सामाजिक सरोकार व समस्याओं पर आधारित धारावाहिक 52 एपिसोड

कार्यक्रम का उद्देष्य – गांव गांव में विभिन्न सामाजिक व स्वास्थ्यगत समस्याओं के बारे में जानकारी और उसका निराकरण महिला पात्र लाडो के माध्यम से प्रदर्षित किया गया।

कार्यक्रम का लक्ष्य –बिलासपुर, जांजगीर, कोरबा व मुंगेली जिले के समस्त श्रोता जहां तक आकाषवाणी बिलासपुर सुनाई देता है।

कार्यक्रम का स्थान – लिब्रा स्टूडियो
कार्यक्रम का समय – दोपहर 12.00 से 12.30
कार्यक्रम का दिन एवं तारीख– नवंबर 2011 से दिसंबर 2012 तक प्रति षुक्रवार

‘बोलते षब्द’ ऑडियो सीडी विमोचन व लिब्रा समूह को सम्मान

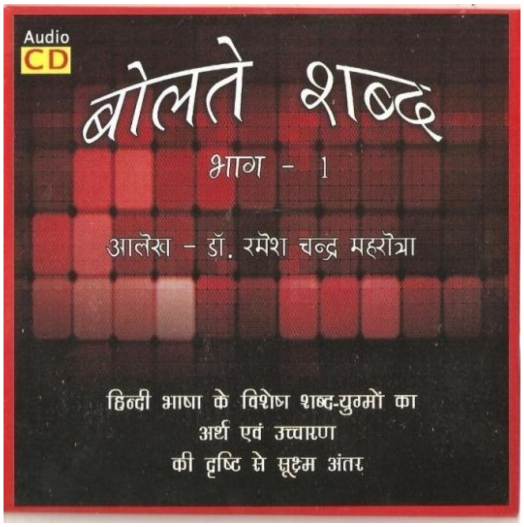

कार्यक्रम का विषय – हिन्दी के दो एक समान लगने वाले षब्दों के बारी अंतर को बताने वाली भाषाविद् डॉ.रमेष चंद्र महरोत्रा की श्रृंखला की ऑडियो 2 सीडी का निर्माण लिब्रा वेलफेयर सोसायटी द्वारा किया गया। जिसके भाग 1 व भाग 2 का विमोचन समारोह राष्ट्रीय षोध संगोष्ठी में किया गया। इस अवसर पर डॉ.महरोत्रा व लिब्रा समूह को ऑडियों कार्य करने हेतु सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम का उद्देष्य – हिन्दी भाषा की तकनीकी व व्याकरण की बातों को उन्नत तकनीक के माध्यम से ऑडियो स्वरूप में सही उच्चारण के साथ आम जन तक पहुंचाना।

कार्यक्रम का स्थान – गायत्री मंदिर, विनाबा नगर, बिलासपुर

कार्यक्रम का समय – दोपहर 2 से 4 बजे

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 17 मार्च 2012

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– श्री के.पी.सिंह, फारेस्ट कंसर्वेटर, डॉ. झाड़गांवकर – कुलपति रमन वि.वि.,डॉ.विनय पाठक, भाषाविद् व साहित्यकार

कार्यक्रम की विषेषता – वक्ताओं व उपस्थित लोगों ने इस नई तकनीक से श्रवणीय माध्यम द्वारा व्याकरण व हिन्दी के एक से प्रतीत होने वाले षब्द–युग्मों में अंतर बताने वाली श्रृंखला को बेहद सराहना प्रदान की। ये संपूर्ण श्रृंखला इंटरनेट पर cgswar.blogspot.com पर उपलब्ध है।

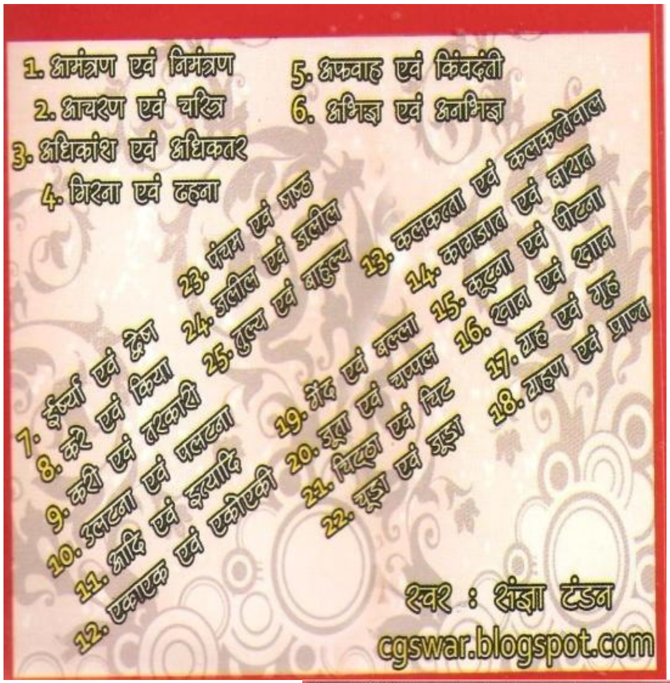
1. आमंत्रण एवं निमंत्रण
2. आचरण एवं चरित्र
3. अधिकांश एवं अधिकतर
4. गिरना एवं ढहना
5. अफवाह एवं किंवदंती
6. अभिज्ञ एवं अनभिज्ञ
7. ईर्ष्या एवं द्वेष
8. करे एवं किया
9. करी एवं तरकारी
11. आदि एवं इत्यादि
12. एकाएक एवं एकाएकी
13. कलकत्ता एवं कलकत्तेवाला
14. कागजात एवं कागद
15. कूटना एवं पीटना
16. खान एवं खान
17. ग्रह एवं गृह
18. ग्रहण एवं प्राप्त
19. गेंद एवं बल्ला
20. जूता एवं चप्पल
22. चूड़ा एवं जूड़ा
25. तुल्य एवं बाहुल्य
स्वर : संज्ञा टंडन
cgswar.blogspot.com

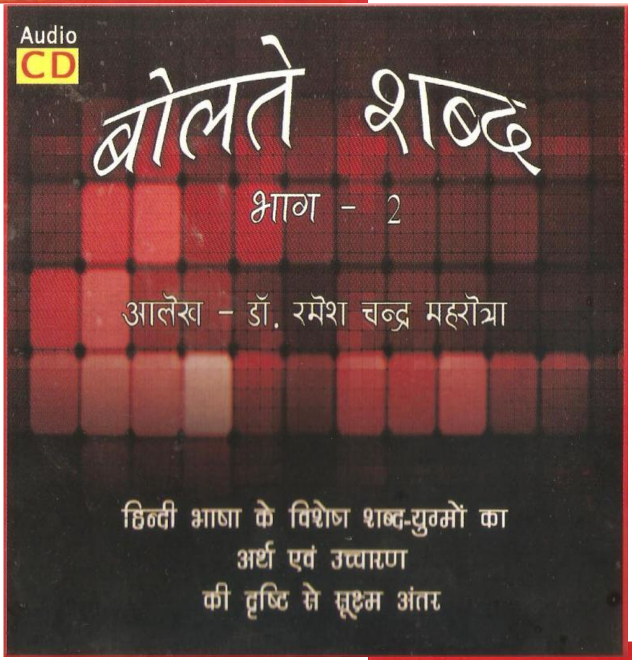
Audio
CD
बोलते शब्द
भाग - 2
आलेख - डॉ. रमेश चन्द्र महरोत्रा
हिन्दी भाषा के विशेष शब्द-युग्मों का
अर्थ एवं उच्चारण
की दृष्टि से सूक्ष्म अंतर

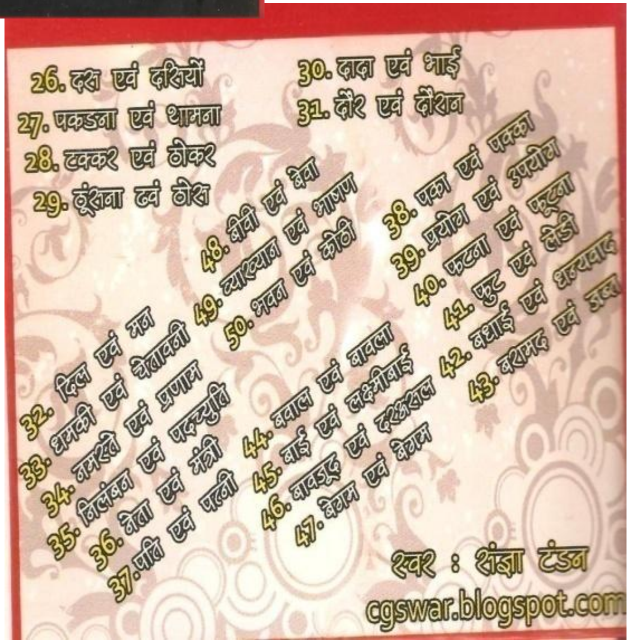
26. दस एवं दसियों
27. पकड़ना एवं थामना
28. टक्कर एवं ठोकर
30. दादा एवं भाई
31. दौर एवं दौरान
32. दिल एवं मन
34. नमस्ते एवं प्रणाम
36. नेता एवं मंत्री
37. पति एवं पत्नी
38. पका एवं पक्का
39. प्रयोग एवं उपयोग
40. फटना एवं फूटना
41. फुट एवं लेडी
42. बधाई एवं धन्यवाद
44. बवाल एवं बावला
45. बाई एवं लक्ष्मीबाई
47. बेदाम एवं बेदाम
48. बीवी एवं बेवा
49. व्याख्यान एवं भाषण
50. भवन एवं कोठी
स्वर : संज्ञा टंडन
cgswar.blogspot.com

रंगरवीन्द्र

कार्यक्रम का विषय – रवीन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं जयंती पर उनकी कहानियों का नाट्य रूपांतरण एवं थियेटर वर्कषॉप के माध्यम से प्रस्तुति तैयार करके विभिन्न मंचन। 'मुक्ति का बंधन' और 'अपरिचिता' कहानियों का नाट्य रूपांतर सुनील चिपड़े के निर्देषन में 22 कलाकारों के साथ सूत्राधार पद्धति में प्रस्तुत की गया।

कार्यक्रम का उद्देष्य – रवीन्द्र संस्कृति को लोगों तक पहुंचाना।

कार्यक्रम का स्थान – पेण्ड्रा

कार्यक्रम का ग्राम पंचायत – पेण्ड्रा

कार्यक्रम का विकासखंड एवं तहसील – बिलासपुर

कार्यक्रम का समय – 8 मई 2012

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– मनीष दत्त, वरिष्ठ कलाकार, काव्य भारती, सुनील चिपड़े, निर्देषक रंग रवीन्द्र

कार्यक्रम की विषेषता – इस कार्यक्रम का प्रदर्षन पेण्ड्रा में टीबी सेनिटोरियम उसी स्थान पर किया गया था जहां ठाकुर रवीन्द्र नाथ टैगोर अपनी पत्नी के इलाज के लिये एक समय एक महीने के लिये रुके थे। इस प्रस्तुति का प्रदर्षन बाद में भी रायपुर व बिलासपुर में किया गया था।

लघु फिल्म ECSTASY- a step to hell (नषा–नरक की ओर बढ़ता एक कदम)

कार्यक्रम का विषय – युवाओं में बढ़ता नषा
कार्यक्रम का उद्देष्य – नषे के खिलाफ जनजागरूकता
कार्यक्रम का लक्ष्य – युवा वर्ग
कार्यक्रम का स्थान – षूटिंग – बिलासपुर के विभिन्न स्थल
कार्यक्रम का दिन एवं तारीख कब से.....6 जून से 8 जून 2012

कार्यक्रम की विषेषता– संस्था के 19 वर्षीय सदस्य स्वरित ने युवाओं में नषे के खिलाफ होने वाले दुष्परिणामों को दर्षाने वाली इस फिल्म में नगर के ही युवाओं को लेकर निर्देषन किया है। जिसकी कहानी, स्क्रिप्ट, षूटिंग, एडिटिंग संस्था के प्रषिक्षित प्रषिक्षार्थियों द्वारा ही किया गया। इस लघु फिल्म को हर तरफ बेहद सराहना मिली। इसका प्रदर्षन पेण्ड्रा, सरगांव, रतनपुर आदि स्थानों पर किया जा चुका है और अन्य स्थानों पर किया जा रहा है।

नशा मुक्ति के लिए शार्ट फिल्म

बिलासपुर | माडर्न लाइफ स्टाइल में ढल रहे युवा जिंदगी को भी खेल की तरह लेते हैं। हर पल कुछ नया करने, नया आजमाने की चाह उन्हें कई बार ऐसे रास्तों की ओर ले जाती है, जहां विनाश के सिवाय और कुछ नहीं होता। शहर के स्वरित टंडन ने शौक और दोस्ती के चक्कर में नशे की गिरफ्त में फंसते युवाओं की दास्तान को शॉर्ट स्टोरी में उतारा है।इस नौजवान ने फिल्म का डायरेक्शन, एडिटिंग और स्क्रीन प्ले खुद कर शहर के युवाओं को अभिनय का मौका दिया है। शहर के उभरते कलाकार स्वरित टंडन ने मुंबई की फिल्म प्रोडक्शन कंपनी के प्रोजेक्ट वर्क के रूप में नशे की लत पर आधारित 'डोंट इवेन ट्राइ इट' शॉर्ट स्टोरी फिल्म बनाई है। मुंबई से फिल्म मेकिंग का कोर्स सीख रहे स्वरित ने बताया कि इस फिल्म में कई नए प्रयोग किए गए हैं। 18 साल के स्वरित फिल्म डायरेक्शन के अपने शौक को बाकायदा मुंबई में प्रशिक्षण लेकर पूरा कर रहे हैं।

निःषुल्क ऑडियो प्रषिक्षण षिविर (रिकॉर्डिंग, एडिटिंग, मिक्सिंग)

कार्यक्रम का उद्देष्य – अंचल के लोगों को कंप्यूटराइज़्ड रिकॉर्डिंग व मिक्सिंग के बारे में प्रषिक्षित करना

कार्यक्रम का लक्ष्य – बिलासपुर के युवा
कार्यक्रम का स्थान –लिब्रा स्टूडियो,
कार्यक्रम का समय –11 बजे से 5 बजे तक
कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 15 जुलाई 2012
कार्यक्रम हितग्राही संख्या – महिला......16.........
पुरुष.......7..........बच्चे................
कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– ममता चंद्राकर; ए.एस.डी. आकाषवाणी, अरविन्द माथुर (सीनियर कार्यक्रम अधिषासी, आकाषवाणी)

कार्यक्रम की विषेषता – 24 प्रषिक्षार्थियों ने कंप्यूटर पर सॉफ्टवेयर साउंड फोर्ज और ऑडिषन पर रिकॉर्डिंग, एडिटिंग व मिक्सिंग का काम सीखा व अनेक कार्यक्रमों का निर्माण किया।

दूरदर्षन टेलिफिल्म ‘घर का भूत’

कार्यक्रम का विषय – अंधविष्वास

कार्यक्रम का उद्देष्य – अंधविष्वास के खिलाफ जनजागृति

कार्यक्रम का लक्ष्य – छ.ग. के दूरदर्षन दर्षक

कार्यक्रम का स्थान – षूटिंग बिलासपुर के विभिन्न क्षेत्रों में

कार्यक्रम का समय – प्रातः 9 बजे से रात 7 बजे तक

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख– 29 व 30 अगस्त 2012

कार्यक्रम की विषेषता – टेलिफिल्म के निर्माण में LWS के कलाकारों व प्रषिक्षार्थियों का अभिनय व निर्देषन में सहयोग। एक कोलोनाइजर किसी क्षेत्र में मकान खाली करवाने के उद्देष्य से घरों में पंडित और काम करने वाली के माध्यम से कुछ ऐसी घटनाएं करवाता है कि लोग अंधविष्वास समझकर घर छोड़कर चले जायें। पर उसकी ये साजिष कामयाब नही हो पाती। रोचक तरीके से बनी स्क्रिप्ट में स्पेषल इफेक्ट्स एडिटिंग भी प्रषिक्षार्थियों को सिखाई गई।

समाजसेवी प्रभुदत्त खैरा का सम्मान व वृद्धों को वस्त्र वितरण

कार्यक्रम का विषय – वनग्राम लमनी, छपरवा में समाजसेवा
कार्यक्रम का उद्देष्य – समाजसेवा एवं से वनग्राम षिवतराई की बालिका तीरंदाजों को प्रोत्साहन
कार्यक्रम का लक्ष्य – लमनी व छपरवा क्षेत्र के ग्राम वासी
कार्यक्रम का स्थान – छपरवा,लमनी
कार्यक्रम का समय – दोपहर 12 से 2 बजे
कार्यक्रम का दिन एवं तारीख – 12 अक्टूबर 2012
कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– कमल दुबे, वरिष्ठ पत्रकार, इलेक्ट्रानिक मीडिया
राजेष दुआ, समाजसेवी, महेष तिवारी, समाजसेवी

कार्यक्रम की विषेषता – बिलासपुर अमरकंटक मार्ग पर अचानकमार के जंगलों में षिवतराई, लमनी और छपरवा वनग्राम स्थित हैं। षिवतराई ग्राम में छात्र–छात्राएं तीरंदाजी में प्रषिक्षित हो रहे हैं। उनके प्रषिक्षण को प्रात्साहन देने, बच्चियों को भोज्य सामग्री व जरूरत का सामान उपलब्ध करवाने का कार्य संस्था द्वारा किया जाता रहता है। इसी तरह लमनी और छपरवा में दिल्ली वि.वि के रिटायर्ड प्रोफसर कई वर्षों से अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं। वहां के बच्चों को भी दवाइयों व भोज्य पदार्थ संस्था द्वारा प्रदत्त किये जाते हैं। समाजसेवी खैरा जी का सम्मान, साक्षात्कार व वहां के वृद्धों को वस्त्र वितरण का कार्य किया गया।

रेडियो धारावाहिक नवा बिहान (15 एपिसोड)

कार्यक्रम का विषय – एड्स के प्रति जागरूकता
कार्यक्रम का उद्देष्य – छ.ग.एड्स कंट्रोल के बोर्ड के लिये कार्यक्रम निर्माण जिसका प्रसारण छ.ग के सभी आकाषवाणी केन्द्रों से करवाया गया।

कार्यक्रम का लक्ष्य –संपूर्ण छ.ग के रेडियो श्रोता (अंबिकापुर, जगदलपुर, रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़ केन्द्र)

कार्यक्रम का स्थान – लिब्रा स्टूडियो
कार्यक्रम का समय – प्रति रविवार संध्या 6.35 से 7.05 तक

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख कब से – 6 मई से 12 अगस्त 2012

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– अधिकारी, डॉक्टर, एड्स रोगी व छत्तीसगढी कंपीयर सुनील तिवारी व पुष्पा यादव

कार्यक्रम की विषेषता – एड्स के खतरनाक रूप को, बढ़ते स्वरूप को लोगों तक पहुंचाना और इस खतरनाक रोग से बचने के तरीकों के बारे में बताना मुख्य लक्ष्य था इस रेडियो धारावाहिक को बनाने को। छत्तीसगढ़ी भाषा में बनी 15 कड़ियों में डॉक्टरों से चर्चा, सावधानियां आदि बताई गई थीं।

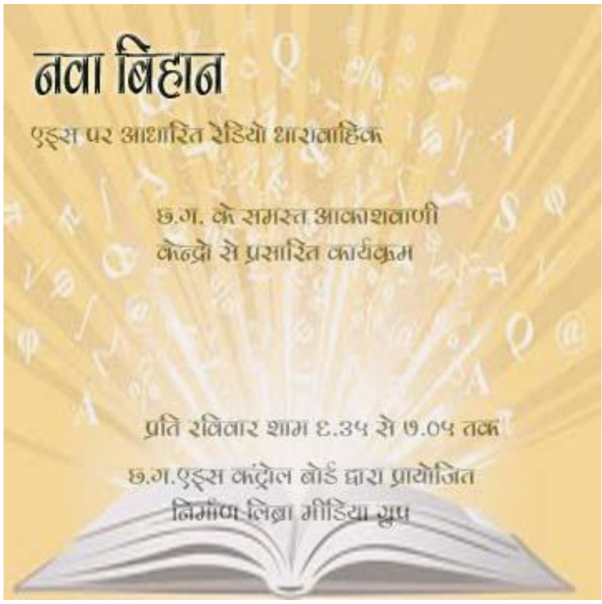

रेडियो धारावाहिक हमर ग्राम सभा

कार्यक्रम का विषय – जिला पंचायत की योजनाओं और जानकारियों से जुड़ा रेडियो धारावाहिक

कार्यक्रम का उद्देष्य – ग्राम वासियों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना और उनके हित की बातें बताकर योजनाओं का प्रचार प्रसार करना।

कार्यक्रम का लक्ष्य – छ.ग. के समस्त रेडियो श्रोता

कार्यक्रम का स्थान – लिब्रा स्टूडियो

कार्यक्रम का समय – प्रति रविार, 7.30 से 8.00

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख कब से....27 मई 2012 से

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– जिला पंचायत के अधिकारी, सफल कृषक, हितग्राही आदिकंपीयरिंग के लिये छ.ग के फिल्म कलाकारों आदि का भी सहयोग लिया गया।

कार्यक्रम की विषेषता – जिला पंचायत की योजनाओं को रेडियो के माध्यम से ग्रांव गांव तक रोचक तरीके से पहुंचाकर प्रचार प्रसार में सहयोग करने का काम लिब्रा समूह द्वारा किया गया।

छ.ग फिल्म अभिनेता अनुज षर्मा, न्यूज रीडर निषा नैयर,

सीनियर अनाउन्सर व कलाकार राकेष नैयर व प्रवीणा

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी

Say no to plastics - Plastic has been scientifically certified as the biggest threat to the global world. Chhattisgarh government has banned the usage of polythene bags in the state. Such bags are substituted with the cloth bags or hand-made paper bags. Libra, in the contribution along with given unemployment to the rural ladies asking them to prepare hand-made paper bags and cloth bags and then purchase those bags on a reasonable rates and then distributes them to the local vendors, small daily market retail stores, in order to substitute the polythene bags. Libra welfare Society organized some seminars and competitions in different schools and colleges for the awareness of plastics.

प्लास्टिक से कहें 'ना' - वैज्ञानिक तौर पर प्लास्टिक हमारे पर्यावरण व भविष्य के लिये सबसे खतरनाक पदार्थ है, ये सिद्ध हो चुका है। अनेक प्रदेशों की तरह छत्तीसगढ़ सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके विकल्प के रूप में लिब्रा वेलफेयर सोसायटी ने लोगों के पुराने पर मजबूत कपड़ों को एकत्र करके उनके थैले बनवाये, अखबार के कागजों के ठोंगे बनवाये और सब्जी बाजारों व दुकानों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से मुफ्त में वितरित किये। ये कार्य करवाने के लिये 20 महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया।

प्लास्टिक से रखें दूरियां

कार्यक्रम का उद्देष्य – प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ अभियान
कार्यक्रम का लक्ष्य – मोपका के निवासी व कॉलेज के छात्र छात्राएं
कार्यक्रम का स्थान – जीटीबी कॉलेज
कार्यक्रम का ग्राम पंचायत – मोपका, सीपत प्रक्षेत्र
कार्यक्रम का विकासखंड एवं तहसील –सीपत
कार्यक्रम का समय –2 बजे से 4 बजे
कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 2 जनवरी 2013
कार्यक्रम हितग्राही संख्या – महिला........35........पुरुष.......40..........बच्चे.................
कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण–डॉ.अलका सेठ
कार्यक्रम के नागरिक गण – बीएड कॉलेज के विद्यार्थी

कार्यक्रम की विषेषता – विभिन्न क्षेत्रों से बी एड करने आए हुए लगभग 70 छात्रों को प्लास्टिक से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया। जिससे ये भावी षिक्षक अपने अपने क्षेत्र के बच्चों को प्रषिक्षित कर सकें। संस्था द्वारा निर्मित 8 मिनट की फिल्म प्लास्टिक से रखें दूरियां का प्रदर्षन भी किया गया।

इस कार्यक्रम के आयोजन अब तक 5 स्थानों पर किये जा चुके हैं। गर्ल्स कॉलेज, बाबा रामदेव आयुर्वेद सेंटर, स्कूल की 22 षिक्षाकर्मियों के साथ

प्लास्टिक के विकल्प

कम से कम इस्तेमाल करें

पुनः इस्तेमाल करने के लिए –

एक ही कवर को बार–बार इस्तेमाल करें। पेपर से बने कवर को प्राथमिकता दें।

पुर्ननिर्माण – (अस्थाई तरीका)

बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक –

जरूरत के अनुसार उपलब्धता को सीमित करें। सही तरीके से नष्ट करना आवश्यक। गलत तरीका हानिकारक हो सकता है।

ऑक्सो बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक –

कम खर्चीला, नष्ट करने के लिये खास तरीके की जरूरत नहीं है। यह भारत अभी उपलब्ध नहीं है।

अपना विकल्प चुनें :-

प्लास्टिक के विकल्प :-

(1) ठोस सामान के लिए –
रूई, चमड़े और कपड़े से बने बैग।

(2) तरल पदार्थों के लिए –
ग्लास या धातु की बोतलें, मिट्टी के बर्तन, चीनी मिट्टी के बने बर्तन, लकड़ी के बर्तन।

उत्पादकों के लिए सलाह :-

जो खाने योग्य उत्पाद नहीं है, उनके लिए (जैसे साबुन, शैम्पू, तेल इत्यादि) प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने के लिए रीफिल सिस्टम (यानि उत्पाद को दोबारा भरकर इस्तेमाल करने योग्य बनाना) को अपनाना चाहिए। उत्पाद को बेचने के लिये तैयार करने हेतु टेट्रापैक, धातु से बने साँचे, बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक और दोबारा इस्तेमाल कर सकने लायक कड़े ग्लास की बोतलों का इस्तेमाल करें।

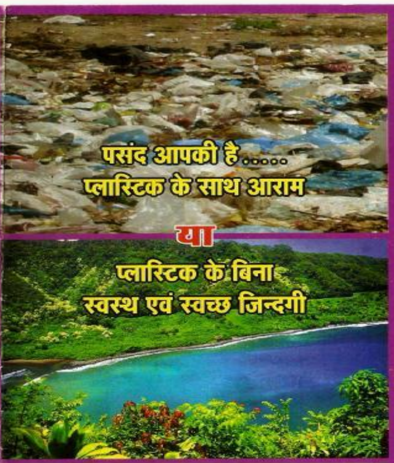

संस्थान
लिब्रा वेलफेयर सोसायटी
बी 1/6 क्रान्ति नगर
बिलासपुर-495001, भारत
फोन : 9827150507
ईमेल : cgswar@gmail.com

प्लास्टिक क्या है ?

प्लास्टिक पेट्रोकेमिकल्स के अणुओं के मिश्रण से बनता है। ज्यादातर प्लास्टिक ना खत्म होने वाले (यानि नॉन बायोडिग्रेडेबल) होते हैं, जो धरती पर लंबे समय तक रहते हैं, अर्थात् अगली कई पीढ़ियों तक। कुछ समय बाद प्लास्टिक छोटे–छोटे टुकड़ों में तब्दील हो जाते हैं और हमारे खाने में पानी के स्रोतों और पेड़–पौधों के माध्यम से शामिल हो जाते हैं। ये कुछ हानिकारक टॉक्सिन्स भी छोड़ते हैं, जो इन्सानों सहित हर जीव के लिये प्राणघातक हो सकते हैं।

हम प्लास्टिक की दुनिया में रह रहे है....

<u>हम प्लास्टिक से क्यों प्यार करते हैं ?</u>

– यह हल्का, पर मजबूत होता है।
– यह पानी से सुरक्षित रहता है।
– ये एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में सुविधाजनक है।
– इसका निर्माण करना किफायती है।

<u>हमें प्लास्टिक से प्यार क्यों **नहीं** करना चाहिए –</u>

ऊर्जा की खपत :- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस दोनों पुनः नवीनीकृत होने वाले संसाधन हैं, जो कि ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने में योगदान देते हैं।

जल–प्रदूषण :- एक बहुत बड़ी मात्रा में प्लास्टिक को हमारे जलाशयों और जमीन में फेंक दिया जाता है। 10 लाख से अधिक पक्षी और 1 लाख समुद्री जानवर हर साल प्लास्टिक के उलझाव से मरते हैं। गाय और ऊँट जैसे बड़े जानवर भी प्लास्टिक को खाने और न पचा पाने के कारण मरते हैं।

गंदगी से भरे गड्ढे – विश्व भर में केवल 2% प्लास्टिक बैग ही दोबारा इस्तेमाल किये जाते हैं, जबकि बहुमत में लोग इन्हें गढ्ढ़ों में या भूमि पर डाल देते हैं, जिससे भूमि की पानी को पकड़े रहने की क्षमता कम होती जा रही है। ये मिट्टी की जैविक संरचना और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करता है।

अवरूद्ध जलमार्ग: प्लास्टिक की थैलियाँ, नालियों और अन्य जलमार्गों को अवरूद्ध करके शहरी वातावरण को बिगाड़ रही हैं व गंभीर सुरक्षा खतरों को बढ़ा रही हैं। बाढ़ के कारणों में इसकी प्रमुखता से पहचान की गई है।

व्यवसायिक कर्मियों के स्वास्थ्य को खतरा – पुर्ननवीनीकरण के लिए अधिकतर प्लास्टिक को सस्ते श्रम और ढीले पर्यावरण कानूनों के साथ विकासशील देशों (चीन, भारत आदि) में भेजा जा रहा है। इस विधि के लिए प्लास्टिक को पूरी तरह से गलाना या पिघलाना ज़रूरी है। ये एक प्रक्रिया है, जिससे हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है और फेफड़ों की बीमारी व कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा हो जाता है।

प्लास्टिक संबंधी आँकड़े

– एक प्लास्टिक बैग को नष्ट होने में 20 से 100 साल तक लग सकते हैं। प्लास्टिक बैग कट जाने या टूट जाने के बाद भी हानिकारक और विषाक्त रहते हैं।

– विश्व भर में उत्पादित प्लास्टिक का 10% सागर में उंडेल दिया जाता है।

– सिर्फ 1% प्लास्टिक बैगों का ही पुर्ननवीनीकरण किया जाता है। इसका मतलब प्लास्टिक बैगों को दूसरे देशों में भेजकर उनकी दुर्बल अस्तित्वहीन रिसाईकिलिंग नीति के तहत सिर्फ जला दिया जाता है।

– एक साल में 4 अरब प्लास्टिक की थैलियों का अन्त जलाकर किया जाता है। अगर हम इन सारे प्लास्टिक बैगों को एक साथ बाँध दें, तो यह पृथ्वी के लगभग 63 चक्रों के बराबर होगा, अर्थात् करीब 1,79, 2,000 फीट मील।

– हाल ही में वैज्ञानिकों ने प्लास्टिक खाने वाले बैक्टीरिया की खोज की है। हालाँकि यह बहुत ही प्रारंभिक अवस्था में है और इसके उत्पादन में बहुत ऊर्जा की आवश्यकता है।

– एल्युमिनियम पन्नी का प्लास्टिक के विकल्प में इस्तेमाल, स्वास्थ्य के खतरों को बढ़ा सकता है। जैसे कैंसर और एल्जाइमर आदि।

Libra Welfare Society

अभियान | दुकानों, सब्जी मंडियों में कपड़े के थैले बांटकर व्यवसायियों को किया जा रहा जागरूक

पॉलिथीन के दुष्प्रभाव बता रही सोसाइटी

समाधान मिलजुलकर
नो पॉलिथीन

सिटी रिपोर्टर | बिलासपुर

लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी सब्जी मंडी, फल व्यवसायियों, मंदिरों के पास लगी दुकानों और यहां आने वाले खरीददारों को कपड़े के थैले बांटकर लोगों को पॉलिथीन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर रही है। इस प्रयास का दूसरा सार्थक पहलू है कि कई जरूरतमंदों को रोजगार भी मिल रहा है। सोसाइटी ने इस रविवार एक अभियान सफाई के लिए श्रमदान का शुरू किया। शुरुआत वृद्धाश्रम के आस-पास की सफाई करके किया गया।

राज्य सरकार ने जनवरी 2015 से पॉलिथीन के इस्तेमाल और उत्पादन पर प्रतिबंध लगाया है। शहर की लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी इस दिशा में दो साल से प्रयासरत है। अभियान के तहत पुराने कपड़ों को इकट्ठा कर उनके थैले तैयार करवाए जाते हैं। इसके बाद इन्हें सब्जी-फल मंडियों, किराना व्यवसायियों और मंदिरों के आस-पास लगने वाली प्रसाद दुकानों तो वहां आने वाले खरीदारों को बांटा जाता है। थैले देने के साथ लोगों को बताया जाता है कि पॉलिथीन से पर्यावरण को किस तरह नुकसान पहुंच रहा है। झिल्ली खा लेने से मूक वन्य प्राणियों की मौत हो रही है। इसके साथ ही पुराने कपड़े किस तरह से रिसाइकिल किए जा सकते हैं, ये भी स्वर है। सोसाइटी का पॉलिथीन विरोधी अभियान यहीं तक सीमित नहीं है। इसके लिए समय-समय पर कॉलेजों में सेमिनार भी करवाए जा रहे हैं। संस्था ने प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर एक डॉक्यूमेंट्री तैयार की है। इसे प्रोजेक्टर से स्टूडेंट्स को दिखाकर अपने-अपने स्तर पर पर्यावरण बचाने की अपील की जाती है। अब शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में भी सेमिनार किए जाएंगे, ताकि वहां भी लोग जागरुक हो सकें।

डॉक्यूमेंट्री भी तैयार की, सफाई अभियान को भी दे रहे बढ़ावा, वृद्धाश्रम के आस-पास की गई सफाई

बृहस्पति बाजार में सोसाइटी सदस्यों ने रविवार को कपड़े के थैले बांटे। व्यवसायियों और खरीददारों को पॉलिथीन का उपयोग बंद करने कहा।

लोगों का जागरूक होना ही अनुदान

वेलफेयर सोसाइटी गैर अनुदान प्राप्त संस्था है। इसके सदस्य आपस में चंदा कर सामाजिक अभियान चलाते हैं। लोग जागरूक हों, यही उनके लिए अनुदान की तरह है। संस्था को इस काम के लिए किसी शासकीय अनुदान की जरूरत नहीं है। सोसाइटी में 50 से अधिक युवा व बुजुर्ग सदस्य हैं।
-संज्ञा टंडन, सचिव, लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी

महिलाओं को दे रहे रोजगार, सिलाई मशीन भी देंगे

सोसाइटी न सिर्फ पॉलिथीन के लिए लोगों को जागरूक कर रही है, बल्कि इसके माध्यम से गरीब तबके की महिलाओं को थैले सिलने का काम देकर रोजगार मुहैया करवा रही है। आगे प्लानिंग है कि जिन महिलाओं के पास सिलाई मशीन नहीं है, उन्हें उपलब्ध करवाई जाए।

वृद्धाश्रम के आस-पास की सफाई

सोसाइटी ने रविवार को नई शुरुआत की। मसानगंज के कल्याण कुंज वृद्धाश्रम के बुजुर्गों का बदबू व मच्छरों की वजह से रहना मुश्किल हो रहा था। वार्ड पार्षद को कई बार साफ-सफाई करवाने कहा गया, लेकिन बात नहीं बनी। सोसाइटी ने रविवार को वहां सफाई की मुहिम चलाई।

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी, बिलासपुर 2013 -14

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी द्वारा किये गये कुछ और कार्य
एक नज़र

Astitva - With the purpose of providing a homely and friendly ambience for the senior citizens of the locality, over 25 old-aged citizens had enrolled themselves for such centre. The centre has comprised of basic medical facility, nutrition food, chess-carom and television for entertainment, daily newspapers, garden, etc. a full day care-taker is appointed for making comfortable and helping the senior citizens.

अस्तित्व -बुजुर्गों को अकेलेपन के अंधकार से मुक्त करने के लिये लिब्रा वेलफेयर सोसायटी ने 'अस्तित्व' नाम से केन्द्र की स्थापना की जिसमें आसपास के इलाके के २५ बुजुर्गों ने पुजीकरण करवाया। केन्द्र में सम्मानित बुजुर्गों को पारिवारिक एवं दोस्ताना माहौल में मनोरंजन के साधनों के अतिरिक्त पौष्टिक नाश्ता एवं चिकित्सकीय सुविधा भी मुहैया कराई गई।

बुजुर्गों के लिये डे केयर सेंटर 'अस्तित्व'

कार्यक्रम का उद्देष्य – समाजसेवा
कार्यक्रम का लक्ष्य – गीतांजलि सिटी, बहतराई रोड के आसपास के बुजुर्ग
कार्यक्रम का स्थान – बहुसेवा केन्द्र, गीतांजलि सिटी, फेस 1, बिलासपुर (छ.ग.)
कार्यक्रम का ग्राम पंचायत – ग्राम बहतराई के पास
कार्यक्रम का समय –षाम 5 बजे
कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 13 फरवरी 2013
कार्यक्रम हितग्राही संख्या – महिला.......06......... पुरुष.......25..........बच्चे.................
कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– डॉ.सोमनाथ यादव, अध्यक्ष, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, छ.ग
कार्यक्रम के नागरिक गण – डॉ.योगेन्द्र परिहार, रिटा.एसईसील डॉक्टर व वर्तमान में गनियारी में कार्यरत, श्री राजेन्द्र मौर्य, अध्यक्ष बिलासा कला मंच, श्री सनत तिवारी, रिटा. रेजर, वन विभाग व क्षेत्र के अन्य बुजुर्ग
कार्यक्रम की विषेषता – केन्द्र में योगा, गीत संगीत, प्रवचन लाइब्रेरी व खेलकूद सुविधाएं, पौष्टिक अल्पाहार चिकित्सकीय मार्गदर्षन, समय समय पर चिकित्सा षिविर फिजियोथेरेपी एवं डायटीषियन सलाह उपलब्ध रहेंगी एवं से सुविधाएँ पूर्णतः निःषुल्क होगी।

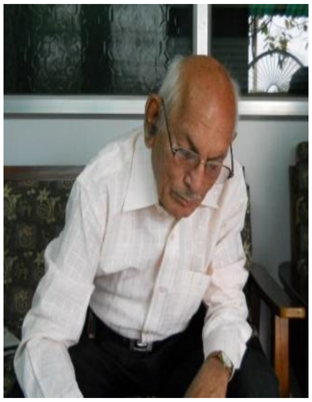

बुजुर्गों के लिए डे-केयर की सुविधा

डे-केयर सेंटर के उद्घाटन पर संज्ञा टंडन तथा पौध रोपण करते अतिथि

बिलासपुर. शहर के बुजुर्गों के लिए सरकण्डा बहतराई स्थित गीतांजली नगर फेस-1 में लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी ने अस्तित्व डे- केयर सेंटर खोला है. सोसाइटी की संज्ञा टंडन ने बताया कि यहां बुजुर्ग अपना समय व्यतीत कर सकेंगी. उनके अनुभव और ज्ञान को संकलित किया जाएगा. उन्होंने बताया कि ऐसे बुजुर्ग जो दिन में समय व्यतीत करना चाहते हैं. वे यहां आ सकते हैं. उनके लिए यहां लायब्रेरी और विभिन्न इंडोर गेम की व्यवस्था की गई है. उन्होंने बताया कि डे-केयर में सेवा देने के लिए एसईसीएल के रिटायर्ड डॉ. योगेन्द्र परिहार अपोलो अस्पताल के डाक्टर आदि सेवाएं देंगे. यहां आने वाले बुजुर्गों का प्रतिदिन स्वास्थ्य परीक्षण एवं डायटिशियन की व्यवस्था की गई है.

7 बिलासपुर, बुधवार, 13 फरवरी 2013
www.navabharat.org

वृद्धजनों के लिये डे-केयर

बिलासपुर. गीतांजली नगर फेस-वन बहतराई रोड में लिब्रा वेल संस्था द्वारा डे केयर यूनिट प्रारंभ किया जा रहा है. इसका उद्घाटन क शाम 5 बजे होगा संस्था की सुश्री संज्ञा टंडन ने बताया कि वृद्धजनों को पुस्तके मनोरंजन खेल व स्वास्थ्य की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी.

बिलासपुर, गुरुवार, 14 फरवरी 2013 बिलासपुर | हरिभूमि

डे केयर सेंटर अस्तित्व का उद्घाटन

कार्यक्रम का शुभारंभ करते राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. सोमनाथ यादव।

बिलासपुर। लिब्रा वेलफेयर सोसायटी द्वारा गीतांजली सिटी फेस 1 में बुजुर्गों के लिए संचालित बहुसेवा केन्द्र डे केयर सेंटर अस्तित्व का उद्घाटन राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डा. सोमनाथ यादव के मुख्य आतिथ्य में हुआ। केन्द्र में योग, गीत-संगीत, प्रवचन, लाइब्रेरी, खेलकूद सुविधाएं, पौष्टिक अल्पाहार, चिकित्सकीय मार्गदर्शन, समय-समय पर चिकित्सा शिविर, फिजियोथैरेपी एवं डायटीशियन सलाह निःशुल्क दी जाएगी। सोसायटी की सचिव संज्ञा टण्डन ने बताया कि उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान केन्द्र परिसर में पौधारोपण भी किया गया।

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी

Holi rangoli - In the ancient times, Holi was played with flowers and herbal colors. But as time flows the flowers and herbal colors were replaced by scented and artificial colors, which led to many skin and health problems. Libra has taken an initiative to enlighten the awareness of herbal colors and playing a healthy holi. For this, a panel of experts has taken many seminars at various places, telling and teaching them the uses, extraction, preparations and advantages of herbal color, expert shows and demonstrate the process of preparations of herbal colors.

प्राचीनकाल में होली हर्बल रंगों और फूलों से खेली जाती थी। समय के साथ इन रंगों का स्थान सुगंधित व कृत्रिम रंगों ने ले लिया, जिनके कारण हर वर्ष होली के बाद लोग अपनी त्वचा को लेकर परेशान होते रहते हैं। लिब्रा ने इस क्षेत्र में भी जागरूकता का कार्य किया। इसके लिये कुछ विशेषज्ञों जिनमें डॉक्टर्स, ब्यू. टिशियन्स आदि शामिल थे, के साथ अलग अलग स्थानों पर सेमिनार आयोजित किये गये। साथ ही चंदन, टेसू, हल्दी, चुकन्दर जैसे प्राकृतिक पदार्थों से रंग बनाना भी सिखाया व दिखाया गया।

होली के रंगों और दीवाली की रंगोली के दुष्प्रभावों पर आधारित कार्यक्रम 'होली–रंगोली'

कार्यक्रम का उद्देष्य – रंगों के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करना

य – नवभारत सुरुचि क्लब के सहयोग से महिलाओं तक जागरूकता संदेष पहुचाना

कार्यक्रम का स्थान – षिवा इंटरनेषनल, सी.एम.डी.चौक, कार्यक्रम का समय – षाम 4 से 5 बजे

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख 21 मार्च 2013

कार्यक्रम हितग्राही संख्या – महिला.......75.

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण– डॉ.अलका सेठ (अपोलो)

ण – नगर की गृहणी व व्यावसायिक महिलाएं एवं

कार्यक्रम की विषेषता – डॉक्टर के वक्तव्य में रंगों के षरीर पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। उनको संस्थान द्वारा निर्मित फिल्म दिखाई गई तथा विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक रंगों को बनाना एवं प्रायोगिक रूप में प्रदर्षित भी किया गया।

होली का रंग हर्बल रंगों के संग

बिलासपुर. होलाष्टक लगने के बाद चारों तरफ होली का माहौल दिखने लगा है. विभिन्न संस्थाओं द्वारा होली मिलन के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. इसी कड़ी में नवभारत सुरुचि क्लब एवं लिबरा वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में होली के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारियां सखियों को दी गई. जिसमें प्राकृतिक रंगों का उपयोग और रासायनिक रंगों के दुरुपयोग को बताते हुए हर्बल होली से होने वाले फायदों की जानकारी दी गई.

डॉ. अल्का सेठ ने दी विशेष जानकारी, सखियों ने दिखाया उत्साह

नवभारत सुरुचि क्लब का अनूठा आयोजन

नवभारत सुरुचि क्लब द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम कराएं जाते हैं. वहीं विभिन्न विषयों की जानकारी भी दी जाती है. हर्बल कलर की उपयोग की जानकारी होली के त्यौहार में आनंद की अनुभूति के साथ बड़े एवं बच्चे को बिना नुकसान के सौहार्दपूर्ण माहौल में मनोरंजन की परिकल्पना है. जिसमें उपस्थित सखियों ने इसके प्रासंगिकता को न सिर्फ जाना बल्कि उसे अपनाने की ललक ने इस समारोह की सार्थकता को सिद्ध कर दी.

हॉटल शिवा इंटरनेशनल द्वारा प्रायोजित, हैप्पी एण्ड हेल्थी हर्बल होली एवं रंगोली समारोह हॉटल में आयोजित किया गया था. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रंगों से होने वाले नुकसान और बीमारी, रंगों का प्राकृतिक और वैज्ञानिक महत्व तथा बिना खर्च के हर्बल रंग बनाने की विधियों के बारे में जानकारी दी गई. इस अवसर पर अपोलो हॉस्पिटल की डॉक्टर श्रीमती अलका सेठ ने प्राकृतिक रंगों को बनाने की विधि बताई. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि, जिंदगी के लिए उमंग-तरंग लव आदि की जरुरत होती है. एशियाई विचारकों के पास उस समय के पास उस समय कोई लैब नहीं था. जिसमें यह जानकारी हो सके कि हमें कौन-कौन से रंग प्रभावित करते हैं. इसलिए उन्होंने ऋतु के हिसाब से त्यौहार की रचना की. होली के समय प्रकृति मनोरम छटा बिखेरती है. प्रकृति के इस रंगों से हमारी मूड बदलता रहता है. यह संकेत देती है कि खुश कैसे रहें. होली भी जीवन में उमंग-तरंग और हर्षोल्लस का पर्व है. परंपरानुसार होली प्राकृतिक रंगों जिसमें टेशू के फूल से मनाई जाती है, लेकिन धीरे-धीरे यह परम्परा बंद हो गई. वर्तमान परिदृश्य में प्राकृतिक रंगों से लोग दूर हो रहे हैं. उसकी जगह रासायनिक रंगों, पेंट आदि ने ले लिया है. जिसमें कई तरह की बीमारियां होती है. उन्होंने कहा कि, अक्सर होली खेलने के बाद हमें थकान लगता है. इसका कारण ही है रासायनिक रंग. इससे आँखों में जलन और त्वचा संबंधी बीमारी होती है. डॉ. अलका ने बताया कि रसायनिक रंग उद्योगों में उपयोग किए जाते हैं. इससे बचने के लिए हमें प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल करना चाहिए. नेचर के रंग जैसे टेशु, चंदन और फूलों से रंग बनाने की विधि बताई. जिसे सुरुचि के सखियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की. इस मौके पर लिबरा वेलफेयर सोसाइटी की सचिव संज्ञा टंडन, महावीर मंजू कोरी, मीनू सिंह, वीके बाजपेयी, अंतरा, रचेयता, नवीन सोनी व शुभदा का सराहनीय सहयोग रहा. मंच का संचालन आस्था मिश्रा ने किया.

इस तरह बनते हैं रंग

डॉ. अलका ने उपस्थित सखियों को नेचुरल रंगो के बारे मे जानकारी देते बताया कि टिशू से पीला रंग हरा रंग, नीम की पतिया, पालक मेंहदी, धनिया, तुलसी से प्राप्त की जा सकती है. लाल रंग अनार का छिलका, गाजार, टमाटर से मेजेंटा रंग चुकन्दर से आरेंज कलर हल्दी में हल्का चूना मिलाने से प्राप्त किया जा सकता. इस तरह गुलाब, चंदन तुलसी, बेसन से प्राकृतिक रंग बनाए जा सकते हैं. इसके साथ इन रंगों के मिश्रण का पेस्ट, लिक्विड और ड्राई रंग बनाने की विधि बताई गई. जिसे महिलाओं ने बड़े ध्यान और गंभीरता से सीखा और जाना.

रंगों के बारे में जाना

डॉ. अल्का सेठ ने रंगों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जल (हाइप्पो) और रंग (क्रोमोथेरेपी) से शरीर के 7 चक्र एक्टीवेट होते हैं.

सैकड़ों टन लकड़ी जल जाती है

डॉ. अलका ने एक सर्वे का उदाहरण देते हुए बताया कि, किसी जगह होली पर 100 किलो लकड़ी जलाई जाती है. अगर एक क्षेत्र का हिसाब किया जाए तो 30 लाख किलो लकड़ी जला दी जाती है. इससे भारी मात्रा में कार्बन उत्पन्न होता है. यह पर्यावरण के लिए अनुकूल नहीं है.

इन्हे मिला पुरस्कार

नवभारत- सुरुचि क्लब और लिबरा वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हर्बल होली के रंग, सुरुचि के संग समारोह में हाउजी खेल में रुमल चंदवानी, प्रीति चौरसिया, ललिता कश्यप, सरिता सोनी, दीपा सिंह, राजेश्वरी, लता राठौर, प्रभा मूर्ति, सरोज गुप्ता, रीता राजगीर, विनर रहीं. वहीं समारोह में पहले आने वाली उर्मिला मोदी एवं भारती बोवड़े रही. जिन्हें आम्रपाली इनरवियर शॉप नंबर एफ-7 श्रीराम क्लाथ मार्केट एवं बस स्टैण्ड स्थित प्रताप ट्रेडर्स की ओर से लाजवाब पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

हर्बल होली के रंग, सुरुचि के संग कल

नवभारत-सुरुचि क्लब का आयोजन, आम्रपाली, प्रताप ट्रेडर्स एवं हॉटल शिवा इंटरनेशनल का विशेष सहयोग

बिलासपुर. होली के त्यौहार में विगत कुछ वर्षों से लोग लगातार रासायनिक रंगों का प्रयोग कर होली खेलते आ रहे हैं, जिसके कारण कई लोगों को इसका नुकसान भी उठाना पड़ा है. यही नहीं स्वास्थ्य पर भी इसका बेहद बुरा असर देखने को मिला है.

इन्हीं सब बातों का ध्यान रखते हुए लोगों को जागरुक करने तथा रासायनिक रंगों से होली ना खोलाकर प्राकृतिक रंगों से होली खोलाने नवभारत-सुरुचि क्लब द्वारा प्यार मनुहार और रंगों की बहार में 23 मार्च को लिंक रोड स्थित हॉटल शिवा इंटरनेशनल में सुरुचि के संग खेलें हर्बल होली के रंग का वृहद आयोजन किया जा रहा है, जिसमें रंगों से होने वाले नुकसान और पैदा होने वाली बीमारियों के संबंध में जानकारी दी जाएगी तथा शहर के जाने-माने चिकित्सक इस अवसर पर सुरुचि सखियों को रासायनिक रंगों के दुष्प्रभाव एवं उनसे बचाव संबंधी विशेष सलाह भी देंगे. रंगों का प्राकृतिक और वैज्ञानिक महत्व तथा बिना खर्च किए हर्बल रंग बनाने की विधि भी सिखाई जाएगी.

शनिवार शाम 4 बजे आयोजित होने वाली इस आयोजन को लेकर महिलाओं में जबर्दस्त उत्साह भी देखा जा रहा है, जिसमें लिबरा वेलफेयर सोसायटी द्वारा विशेष सहयोग दिया जा रहा है. होली के इस शानदार समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी, जिसके लिए मोबाइल नंबर 9770774802 पर संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है तथा सभी विजेता प्रतियोगियों को आम्रपाली इनरवियर शॉप नं. एफ-7 श्रीराम क्लाथ मार्केट अग्रसेन चौक एवं प्रताप ट्रेडर्स बस स्टैण्ड की ओर से लाजवाब पुरस्कार से सम्मानित भी किया जाएगा.

‘होली रंगोली’ कार्यक्रम का ही आयोजन 26 मार्च को डी.पी.विप्र लॉ कालेज, बिलासपुर में 125 टीचर्स ट्रेनर्स के समक्ष भी किया गया।

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी

Aakriti - 30 days of summer camp for children aged 4-15 years were organized from 1-26th may 2013. A whole day workshop for children was prepared and groomed with various activities. The day starts with Yoga exercise leading to the nutritious breakfast. The second session includes different activities such as gardening, clay art, brain games, medical treatment, etc. The workshop ended with a grand programme conducted by the participants inviting all their parents and friends.

आकृति - 4 से 15 वर्ष के बच्चों के लिये मई 2013 में ग्रीष्म कालीन शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्‌देश्य बच्चों को भारतीय कला एवं संस्कृति के साथ भारतीय पौष्टिक भोजन की जानकारी देना था। रोजाना दिन की शुरूवात योगा फिर पौष्टिक नाश्ते से होती थी। जिसके बाद बागवानी, मिट्‌अी के बर्तन/खिलौनों का निर्माण, शास्त्रीय नृत्य-संगीत प्रशिक्षण बौद्धिक खेल आदि का प्रशिक्षण दिया जाता था। इन बच्चों का शारीरिक परीक्षण करके इनके पालकों को चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया। कार्यशाला के अंतिम दिवस इन बच्चों के द्वारा अपने परिवार व मित्रों के साथ माह के दौरान प्राप्त किये अनुभव एवं प्रशिक्षण की जानकारी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन भी किया गया।

बच्चों की कार्यषाला 'आकृति'

कार्यक्रम का उद्देष्य – कार्यषाला के माध्यम से बच्चों को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पर्यावरण से जुड़ी अनेक बातों को खेल खेल में सिखाना।

कार्यक्रम का लक्ष्य – बच्चों में सृजन एवं संस्कार के गुणों को बढ़ावा देना। पर्यावरण व पौष्टिक आहार के प्रति आकर्षण पैदा करना।

कार्यक्रम का स्थान – ए–5, प्रगति विहार, बहतराई रोड, बिलासपुर

कार्यक्रम का समय – सुबह 8 से 11.30 बजे प्रतिदिन

कार्यक्रम का दिन एवं तारीख – 1 मई से 26 मई 2013

कार्यक्रम हितग्राही संख्या – बच्चे 20

कार्यक्रम के अतिथि वक्तागण व प्रशिक्षक – सुस्मिता बरगाह, मीनू सिंह, स्मिता आनंद, ष्वेता पाण्डेय मदन पाण्डेय, महावीर बरगाह, डॉ. रोहित सेठ, संज्ञा टंडन, डॉ. अलका सेठ

कार्यक्रम की विषेषता – बच्चों को जंक फूड से दूरी रखने के बारे में बताया गया। प्रतिदिन बच्चों को पौष्टिक आहार भी दिया गया। बच्चों का डॉक्टरी चेक अप करवाया गया। उनको नृत्य व नाटक का प्रषिक्षण दिया गया। मिट्टी, फूल पत्तों से कलाकृतियां बनवाना, व्यक्तिगत, षारीरिक, वातावरण, आसपास की स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया गया। अंतिम दिन पालकों एवं नागरिकों के समक्ष तैयार कार्यक्रमों का प्रदर्षन और निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्षनी लगाई गई।

The Children's Workshop

आकृति

कार्यशाला 1 से

बिलासपुर। लिबरा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा बच्चों के लिए 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला आकृति का आयोजन 1 से 26 मई तक ए-5 प्रगति विहार बहतराई रोड में किया जा रहा है।इस दौरान बच्चों को संस्कार व सृजन से जुड़ी कई बातों को सिखाया जाएगा। इसमें योगा, डांस, पेंटिंग, क्ले आर्ट पर्यावरण व स्वास्थय संबंधी जागरूकता की गतिविधियां शामिल होंगी। 26 मई को निर्मित सामग्री की प्रदर्शनी व तैयार कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जाएगा।

संपर्क : 8959863669

बच्चे सीख रहे संस्कार व सृजन

बिलासपुर. लिबरा वेलफेयर सोसायटी द्वारा 4 से 12 साल केबच्चों के लिए 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला आकृति का आयोजन किया जा रहा है. इस दौरान बच्चों को संस्कार व सृजन से जुड़ी अनेक बातों को सिखाया व बताया जा रहा है.

सोसायटी की निर्देशिका संज्ञा टंडन ने बताया कि स्वास्थ्य, स्वच्छता व पर्यावरण से जुड़ी अनेक बातों को खेल-खेल में इस कार्यशाला में सिखाया जा रहा है. बच्चों से पहले ही दिन बीजों, पौधे को रोपण करवाया गया व प्रतिदिन पानी देने का काम सुबह जाकर करते हैं, उन्हें वृक्षों के महत्व के बारे में हर दिन कुछ बताया जाता है. योगा, प्रार्थना व लाफ्टर एक्सरसाइज करवाने के बाद इन बच्चों से हर दिन अलग-अलग एक्टिविटी कारवाई जाती है, जिससे वे जल व बिजली के महत्व को समझें, प्लास्टिक के दुरूपयोग को समझें, पर्यावरण जागरुकता के साथ स्वास्थ्य व अपने आसपास स्वच्छता के महत्व को समझें. इसके बाद डांस व ड्रामा सिखाया जाता है. समस्त बच्चों का 13 मई को स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया जायेगा. प्रतिदिन बच्चों को पौष्टिक आहार भी दिया जाता है और जंक फुड न खाकर ऐसे भोजन को खाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है. प्रशिक्षकों में सुस्मिता बरगाह, स्मिता आनंद, मीनू सिंह, श्वेता पांडेय, रचिता आदि शामिल हैं.

मैनेजमेंट कार्य महावीर बरगाह के नेतृत्व में किया जा रहा है. कार्यशाला के अंतिम दिन निर्मित सामग्री की प्रदर्शनी व तैयार कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जायेगा.

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी

Jagriti - Voting is a right and duty of every citizen in India. But still a large part of population is unaware from its rights uses and benefits. In 2014 elections, LIBRA has taken an initiative for literating the votes and making them aware from their rights and duties. The volunteers has prepared Nukkad Natak and in a very interesting way, transformed the knowledge to the voters. Nukkad was played in various places in both rural and urban areas of Chhattisgarh.

जागृति –वोट डालना हमारा अधिकार एवं कर्तव्य है। लेकिन आज भी देश में बड़ी जनसंख्या इसके महत्व को नहीं समझती। 2014 के चुनावों के पहले लिब्रा वेलफेयर सोसायटी ने नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से शहरी व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जनता के बीच पहुंचकर जागरूकता अभियान चलाया। कुछ स्कूलों में 11वीं व 12वीं के बच्चों के बीच चुनाव संबंधी क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिससे भविष्य के मतदाता

छ.ग.विधान सभा चुनाव 2013 में जिला निर्वाचन आयोग के लिये 'जागृति' रेडियो धारावाहिक का निर्माण।

कार्यक्रम का उद्देष्य – मतदाता जागरूकता

कार्यक्रम का लक्ष्य – रेडियो के माध्यम से गामीण अंचल में मतदान को बढ़ावा देना एवं जिले के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर ठाकुर राम सिंह एवं जिला पंचायत के सीईओ की मतदाता अपील हर ग्रामीण तक पहुंचाना।

कार्यक्रम का स्थान – आकाषवाणी बिलासपुर

कार्यक्रम का समय – निर्वाचन तिथि 19 नवंबर 2013।

आकाषवाणी बिलासपुर से कार्यक्रम प्रसारण

8 नवंबर से 18 नवंबर प्रतिदिन 2 बार

कार्यक्रम अवधि – 5–5 मिनट के 15 कार्यक्रमों का निर्माण।

कार्यक्रम हितग्राही संख्या – ग्रामीण अंचल के सैकड़ों रेडियो श्रोता।

कार्यक्रम के कलाकार – सुनील चिपड़े, योगेष पाण्डे, शत्रुघ्न जेसवानी, चंपा भट्टाचार्य, अनीष श्रीवास, रचिता टंडन, अनुज श्रीवास्तव, प्रषांत ठाकुर, अजय भास्कर, अरूण भांगे, दीपिका जांगड़े

लोकतंत्र का जश्न मनाओ, घर से निकलो वोट डालो

रंगभूमि मेले के पहले दिन शुक्रवार को शुभारंभ मौके पर लिब्रा वेलफेयर सोसायटी के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को मतदाता जागरूकता का संदेश दिया. कलाकारों के शानदार अभिनय ने सब को मंत्रमुग्ध कर दिया. नुक्कड़ नाटक के माध्यम कलाकारों ने उन लोगों पर कटाक्ष किया गया जो वोट डालने नही जाते, पोलिंग बुथ पर लाइन में लगना पसंद नहीं, इसके अलावा कई युवा इसे पॉलिटिक्स कहकर नकारते हैं. मतदान का महत्व और लोकतंत्र में इसका लाभ की महत्ता बताई गई. इस मौके पर कलाकारों में योगेश, अनिश श्रीवास, रितिका सिंह, अजय भास्कर, अरूण भांगे, स्मिता टंडन, अनुज श्रीवास्तव, श्वेता पाण्डेय के अलावा श्रीमती संज्ञा टंडन विशेष तौर पर मौजूद रही. इस अवसर पर मेला स्थल में जिला निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों द्वारा मतदाता परिचय पत्र भी बनाया जा रहा है. जिसके पहले दिन लोगों ने यहां पहुंचकर जानकारी भी ली.

लोकसभा चुनाव 2014 में जिला निर्वाचन आयोग के लिये 'जागो मतदाता जागो' नुक्कड़ नाटक के प्रदर्षन

कार्यक्रम का उद्देष्य – मतदाता जागरूकता

कार्यक्रम का लक्ष्य – बिलासपुर नगर व षहर से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों व विभिन्न षैक्षणिक संस्थानों में मतदान को बढ़ावा देना और मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करना।

कार्यक्रम का स्थान – बिलासपुर के विभिन्न क्षेत्र व कॉलेज

कार्यक्रम का समय –निर्वाचन तिथि 24 अप्रेल 2014। 8 नवंबर से 18 नवंबर प्रतिदिन 2 बार

कार्यक्रम अवधि – 25 मिनट

कार्यक्रम संख्या - 27

कार्यक्रम हितग्राही संख्या – बिलासपुर के निवासी व युवा मतदाता सैकड़ों की संख्या में।

कार्यक्रम के कलाकार – योगेष पाण्डे, अनीष श्रीवास, श्वेता पाण्डेय, रचिता टंडन, अनुज श्रीवास्तव, अजय भास्कर, अरूण भांगे, अंषुल गुलकरी, चंद्रषेखर।

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी, बिलासपुर 2015–2017

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी हर प्रकार की सरकारी और गैर सरकारी जानकारियां प्रचारित प्रसारित करने का कार्य विभिन्न माध्यमों से करती है। जिसमें रेडियो–टीवी के कार्यक्रम, सेमिनार, वर्कशॉप, नुक्कड़ नाटक, स्टेज नाटक, दीवाल पेंटिंग आदि विधाओं का प्रयोग किया जाता है। साथ ही नयी प्रतिभाओं को तलाशने, संवारने और अवसर प्रदान करने का कार्य भी करती है। बच्चों को नये नये माध्यमों के सहयोग से ट्रेनिग देने के काम से भी जुड़ाव है संस्था का।

संस्था द्वारा बच्चों के कल्याण हेतु गतिविधियां –

रोज़ एक कहानी

पुराना समय था जब हर घर में बच्चे अपनी नानी, दादी से कहानी सुने बिना सोते नहीं थे। कुछ शिक्षाप्रद कहानियां कहानियां सुनने के बाद जब बच्चे सोते थे तो सपनों में भी उन्हें कुछ अच्छा ही दीखता था। सुषुप्तावस्था में में भी वे अच्छे संस्कारों से युक्त हुआ करते थे। क्योंकि ये बात वैज्ञानिक भी मानते हैं कि सोने से पहले व्यक्ति जो कुछ सोचता, सुनता या देखता है, वो उसके मन में बसा होता है और सपने भी ज्यादातर उस संदर्भ में ही देखता है। लेकिन आज का बच्चा देर रात तक टीवी देखता है, इंटरनेट पर गेम्स, फिल्मों, कार्टूनों से जूझता रहता है और यूं ही कब सो जाता है माता पिता को भी पता नहीं चलता।

हमारी संस्था के माध्यम से 3 से 8 साल तक के ऐसे बच्चों के 50 पालकों को एक व्हाट्सएप्प नंबर उपलब्ध करवाया गया और उनको 'रोज एक कहानी' क्रम के तहत प्रतिदिन एक ऑडियो कहानी जिसको संस्था के कलाकारों द्वारा ही तैयार किया जाता था, भेजी जाती थीं। उनको ये निर्देश दिये गये थे कि बच्चे मोबाइल से खेलना चाहते हैं, रात को सोते वक्त आप अपने बच्चे को ये कहानी सुनाइये और पुरानी धरोहर को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के माध्यम बनिये। 50 पालकों का रिस्पांस ये रहा कि 15 दिनों के अंदर हमको अपने देश के हर राज्य के अलावा यूएसए, सिंगापुर, इंडोनेशिया, कनाडा और भी दुनिया भर के ऐसे बच्चों के माता पिता के बच्चों के करीब 800 नंबर मिल गये। हमने व्हाट्सएप्प में ब्राडकास्ट ग्रुप्स बनाकर उनको प्रातिदिन कहानियां भेजना शुरू किया। जिसमें पंचतंत्र, आदर्श बालकों की अमर कहानियां, अकबर बीरबल के किस्से, प्रेरणादायक कहानियाँ, दादी नानी के किस्से नामों से अनेक श्रृंखलायें साल भर तक चलाई गईं। ये सारी

कहानियां यू ट्यूब पर भी अपलोड की गई और फेसबुक पर भी शेयर की गईं। बहुत से शहर व ग्रामीण स्कूलों में इन कहानियों को एसेंबली में सुनाकर बच्चों को

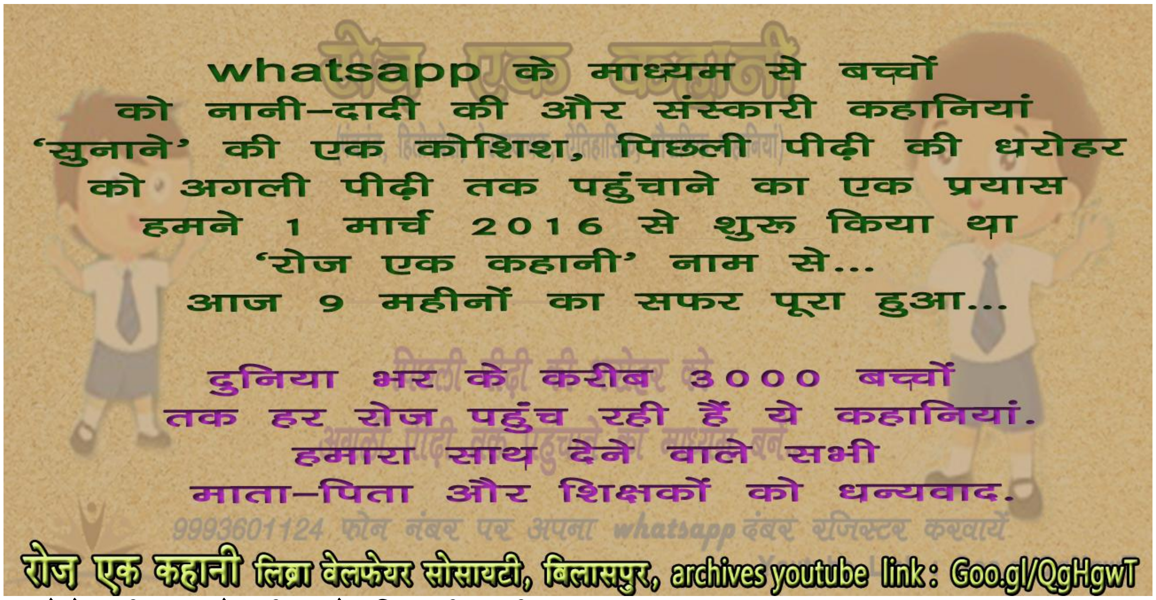

शिक्षा देने की खबरें भी हमें मिलती रहीं।

आदर्श बालकों
की अमर कहानियाँ
रोज़ाना 1 मई से

रोज़ एक कहानी
पंचतंत्र और वीर बालकों की कहानियों के बाद अब हर दिन एक......
प्रेरणादायक कहानी
You tube:https://goo.gl/QgHgwT
LIbra Welfare Society

हरिभूमि
इस्पात भूमि

पर्यावरण संतुलन के लिए लगाएं पेड़

व्रत रखकर मांगी पति की लंबी उम्र

रायपुर, सोमवार, 6 जून 2016
भिलाई | दुर्ग | भिलाई-तीन | कुम्हारी | जामुल | उतई | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा
haribhoomi.com

ADMISSION OPEN
BCA
BBA
BCom
PGDCA
SAI COLLEGE
Street-69, Sector-6, Bhilai
Ph. 9977001027

हरिभूमि
हेल्पलाइन

मोबाइल फोन पर बच्चे अब गेम छोड़ सुन रहे दादी-नानी की कहानियां

हरिभूमि न्यूज, भिलाई

अलग खबर

खास बातें

बिलासपुर निवासी संज्ञा टंडन स्वैच्छिक तौर पर रोज अपलोड करती है ये कहानियां

ऐसे छुड़ाएं मोबाइल की लत

अब बच्चों को वाट्सएप के जरिए पढ़ने को मिलेंगी दादी-नानी की कहानियां

बच्चों को संस्कारित करने लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी ने शुरू की पहल, विदेश में रहने वाले भारतीय भी बड़ी संख्या में जुड़ रहे, कल सुनाएंगे एक कहानी

सिटी रिपोर्टर | बिलासपुर

सामाजिक संस्था लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी बच्चों को संस्कारित करने उन्हें प्रेरक कथाओं से जोड़ने का प्रयास कर रही है। इसके लिए उसने वाट्सएप को माध्यम बनाया है। इससे ज्यादा से ज्यादा अभिभावकों को जोड़ा जा रहा है। 1 मार्च से रोजाना पैरेंट्स को एक कहानी मिलेगी, जिसे वे अपने बच्चों को सुनाएंगे।

वर्तमान में बच्चे नैतिक मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। इसकी मुख्य वजह टीवी संस्कृति व अभिभावकों की व्यस्तता है। बच्चों में किताब पढ़ने की आदत भी छूटती जा रही है। टीवी में उन्हें कार्टून करेक्टर या फिर हॉरर या थ्रिलर फिल्में पसंद आ रहीं हैं, जिससे उनका नैतिक विकास नहीं हो पा रहा है। एक दशक पहले दादी-दानी बच्चों को देशभक्ति व प्रेरक कहानियां सुनाते थे। अब वह पीढ़ी खत्म होती जा रही है। इन सबका असर बच्चे के दिमाग पर पड़ रहा है। वे चिड़चिड़े होने के साथ ही तनावग्रस्त रहने लगे हैं। ऐसे में लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी ने नई पीढ़ी को दादी-नानी की कहानियों से जोड़ने का बीड़ा उठाया है। इन्होंने एक वेबसाइट तैयार की है, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जा रहा है।

सोसाइटी की संचालिका संज्ञा टंडन ने बताया कि 1 मार्च से रोज वाट्सएप के माध्यम से पैरेंट्स को प्रेरक कहानियां भेजी जाएंगी। अभिभावक इसे पढ़कर अपने बच्चों का सुनाएंगे। इस तरह इस कहानियों के जरिए बच्चे के मानसिक व नैतिक विकास करने का प्रयास किया जाएगा। गौरतलब है कि सोसाइटी वृद्धाश्रम में रह रहे सीनियर सिटीजन के मनोरंजन के लिए भी काम कर रही है।

यूरोप में रह रहे भारतीय भी जुड़ रहे संस्था से

संस्था की संचालिका टंडन ने बताया कि विदेशों में रहने वाले भारतीयों के सामने सबसे बड़ी समस्या यही है कि वे वहां बच्चों को भारतीय संस्कृति व सभ्यता से जोड़े रखना चाहते हैं, लेकिन प्रेरक कहानियों का संग्रह नहीं कर पा रहे। इस संदर्भ में बहुत से लोगों ने उनसे संपर्क कर अपनी समस्या बताई। तभी उन्हें यह बात सूझी कि क्यों वाट्सएप के जरिए देश से बाहर रह रहे भारतीय बच्चों को कहानियों के जरिए संस्कारित किया जाए। सोसाइटी की इस पहल से यूरोप के देशों में रह रहे भारतीय भी जुड़ रहे हैं। उन्हें कई कहानियां भेजी जा चुकीं हैं। 1 मार्च से रेगुलर एक कहानी वाट्सएप पर पोस्ट की जाएगी। इसके लिए 55 कहानियां सलेक्ट की जा चुकीं हैं।

यू ट्यूब पर पंचतंत्र की कहानियां सुन रही पूरी दुनिया

समाजसेवी संज्ञा टंडन खुद अपने घर में आडियो बनाती हैं, फिर करती हैं अपलोड, 1 मार्च से रोज एक कहानी अपलोड कर रही हैं, अब तक 55 कहानियां यू ट्यूब पर

दिलीप यादव | बिलासपुर

बच्चों के कोमल मन में संस्कार भरने के लिए रोज यू ट्यूब पर पंचतंत्र की एक कहानी अपलोड की जा रही है, जिसे दुनिया भर में सुना जा रहा है। बच्चों में संस्कार का बीज बोने का बीड़ा उठाया है समाजसेवी संज्ञा टंडन ने।

विनोबा नगर निवासी संज्ञा टंडन ने बीते फरवरी में वाट्सएप पर पंचतंत्र की कहानियों को अपलोड किया। अपने परिचितों को भेजा। प्रयोग सफल रहा। महज 20 दिनों में देखते ही देखते उस वाट्सएप ग्रुप पर 250 से अधिक सदस्य जुड़ गए। उम्मीद से ज्यादा रिस्पांस मिलने लगा। तब उन्होंने सोशल साइट के जरिए पंचतंत्र की कहानी को अपलोड करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने दो सहयोगी योगेश पांडेय और अनुज श्रीवास्तव की मदद से पंचतंत्र की सारी कहानियों का संगीतमय ऑडियो बना लिया। तय मिशन के तहत 1 मार्च को पहली कहानी अपलोड की गई। शीर्षक दिया गया 'हर रोज एक कहानी'। इन कहानियों को सुनने के लिए you tube से goo.gl/QgHgwT लिंक पर लॉगइन करनी होगी। समाजसेवी टंडन के वाट्सएप पर केरल, दिल्ली, मुंबई, गोवा, मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों के पालकों की ओर बेहतर कमेंट्स आ रहे हैं। कैलिफोर्निया, बहरीन , दुबई समेत कई विदेशी नागरिकों ने सराहना की है। टंडन बताती हैं कि उनके पास विदेशों में रहने वाले पालक कहते हैं कि उनके बच्चे अब पूछ रहे हैं कि कल कौन सी कहानी आएगी।

365 कहानियों का लक्ष्य

टंडन बताती हैं कि पंचतंत्र की कुल 60 कहानियां हैं। पांच दिनों में इस श्रृंखला की कहानियां पूरी हो जाएंगी। लक्ष्य 365 कहानी देने का है, जिसे पूरा करने के लिए जातक, हितोपदेश की कहानियों का भी ऑडियो बनाया जाएगा।

बहरीन में 17 माताओं के ग्रुप ने कहा- ग्रेट कांसेप्ट

बहरीन में रहने वाली रिचा मौर्य ने वाट्सएप पर लिखा है कि हम 17 माताओं का ग्रुप है। हम आपकी कहानियों को अनुवाद कर अपने बच्चों को सुना रहे हैं। इसके अलावा अपने मित्रों के वाट्सएप पर इसे भेज रहे हैं। आपका यह कांसेप्ट ग्रेट है।

सहेली के साथ देखा सपना, अकेले किया साकार

समाजसेवी टंडन महिलाओं और बुजुर्गों के लिए भी काम करती रही हैं। उनकी डॉक्टर मित्र अल्का सेठ इन दिनों यूएसए में हैं। एक साल पहले वे अपोलो में कार्यरत थीं। दोनों ने मिलकर बच्चों के लिए कुछ अलग करने का सपना देखा था। इस बीच डॉ. अल्का यूएसए चली गईं। टंडन को पता था कि आज के बच्चे सोशल साइट्स से जुड़े हुए हैं।

बच्चे जो देखते हैं, सुनते हैं, सपने भी वैसे ही आते हैं

समाजसेवी टंडन का कहना है कि एक समय था, जब बच्चे दादी-नानी की कहानियां सुनकर सोते थे। तब उनके मन में अच्छा प्रभाव पड़ता था। दरअसल, बच्चे सोने से पहले जो देखते हैं, सुनते हैं, सपने भी उन्हें वैसे ही आते हैं। आज बच्चे टीवी देखकर सोते हैं। निःसंदेह इससे बच्चों के मन में बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

एक और एक ग्यारह

चापलूस मंडली

झगड़ालू मेंढक

सिने पीरियेड (CINE PERIOD)

टॉकीज में मुफ्त में फिल्म देखने पहुंचे बच्चे

सत्यम टॉकीज में तीन दिनों तक बच्चों की किलकारी गूंजती रही। सैकड़ों की संख्या में बच्चों ने अपने टीचर और पेरेंट्स के साथ आकर 12 शो का आनंद लिया। यहां लिब्रा वेलफेयर व स्पिक मैके द्वारा निःशुल्क फिल्म कार्निवाल का आयोजन किया गया था। शनिवार को इसका समापन हुआ। सत्यम टॉकीज में फिल्म का आनंद लेते बच्चे।

आज के बच्चे मल्टीप्लेक्स में जाते हैं, फास्ट फूड खाते हैं, बड़ों की फिल्में देखते हैं।

चिल्ड्रन्स फिल्म सोसायटी द्वारा निर्मित फिल्में सिर्फ बच्चों को ध्यान में रखकर बनायी जाती हैं। प्रेरणादायी, बच्चों की कहानियों पर आधारित ऐसी फिल्में जिनमें अभिनय व मुख्य किरदार भी बच्चों का ही होता है। पहले ये फिल्में प्रोजेक्टर आदि में दिखाने की व्यवस्था स्कूलों में होती थी। लेकिन वो फिल्में पिछली पीढ़ी के लोगों ने ही देखी हैं। लिब्रा वेलफेयर सोसायटी ने नगर के बच्चों को इन फिल्मों को दिखाने का जिम्मा उठाया।

स्थानीय सत्यम टॉकीज में चिल्ड्रन्स फिल्म सोसायटी से सीधे फिल्में मंगवाकर, 3 दिनी उत्सव किया गया। 1000 लोगों के बैठने की व्यवस्था वाले इस हॉल में विभिन्न स्कूल के बच्चों को अलग अलग शो में आमंत्रित करके उनको ये फिल्में दिखायी गईं। दिन में 4 शोज में एक दिन में एक फिल्म दिखाई गयी जिसमें तीन शोज़ में बच्चे सीधे स्कूल से शिक्षकों के साथ पहुंचे और शाम के शो में माता पिता के साथ आने की अनुमति थी। पूर्णतः निःशुल्क प्रवेश इन फिल्मों 3 दिन में करीब 10 हजार बच्चों ने फिल्में देखीं।

इंटरवेल में बच्चों को फास्ट फूड के नुकसान बताते हुए कुछ ऐसे स्टॉलों का प्रबंध किया गया था जिसमें चिप्स, कुरकुरे, कोल्डड्रिंक्स नहीं, भेल, अंकुरित सामान, झोकला, फलों का रस आदि का इंतजाम था।

साथ ही इंतजाम था संस्था के ही कलाकारों, वालेन्टियर्स के ऑर्केस्ट्रा का। इंटरवेल और फिल्म के अंत में लाइव ऑर्केस्ट्रा शो में बच्चों के गाने आये हुए बच्चों को शामिल करके गाये जाते थे।

इस दौरान बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया गया।

करामाती कोट सहित अन्य बाल फिल्मों का चला सिलसिला

बाल फिल्म महोत्सव संपन्न

बिलासपुर. सत्यम टाकीज में 21 से 23 अप्रैल तक बाल फिल्म महोत्सव का आयोजन स्पिक मैके एवं लिब्रा वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया. इस दौरान सत्यम टाकीज बच्चों की खिलखिलाहट से गुंजता रहा. शहर के करीब सभी स्कूलों से करीब 5000 छात्र-छात्राओं ने बाल फिल्मों का लुफ्त उठाया. आधारशिला विद्या मंदिर, महर्षि विद्या मंदिर, सेंट जेवियर्स स्कूल, जैन इंटरनेश्नल स्कूल, ड्रीमलैंड स्कूल, कैरियर प्वाइंट, एरीना मल्टीमीडिया, सिद्धि विनायक स्कूल सहित अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों ने फिल्म महोत्सव में शिरकत की.

आयोजन का आगाज में मनीष दत्त अटल श्रीवास्तव विवेक जोगलेकर किशोर राय रविंद्र प्रियंक सिंह परिहार द्वारा बच्चों के मध्य उपस्थित हुए एवं आयोजको की सराहना की व हर संभव मदद के लिए आश्वासन दिया. दूसरे दिन करामाती कोट का प्रदर्शन किया गया जिसमें नन्हा नायक अपने

करामाती कोट के पीछ लोगो की लालची प्रवृत्ति से तंग आकर करामाती कोट को उसी स्थान पर फेंक आता है जहां उसे करामाती कोट मिला था. तीसरे दिन नर्सरी केजी के बच्चो ने एनिमेशन फिल्म का लुफ्त उठाया इसे युरोकिड्स किडजी एवीएम प्ले स्कूल जैन इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों के सामने प्रदर्शित किया गया. । इस दिन अगले शो में सुनामी फिल्म प्रदर्शित की गई शासकीय स्कूल के बच्चों ने इस फिल्म का लुफ्त उठाया. शाम के समय बच्चे अपने अभिभावकों के साथ फिल्म देखने पहुंचे सभी ने फिल्मों के प्रदर्शन एवं आयोजन को निरंतर जारी रखने की सलाह दी. इस आयोजन में एजुकेशन फोरम के संदीप गुप्ता रविंद्र प्रताप सिंह किरण पाल सिंह चावला डा. अजय श्रीवास्तव ने भरपूर सहयोग दिया. लिब्रा वेलफेयर सोसायटी एवं अग्रज नाट्य दल के सदस्यों रूचिता टंडन आदि का सहयोग रहा.

बाल फिल्मोत्सव 21 से, बच्चों को मुफ्त में दिखाई जाएंगी फिल्में

बिलासपुर | शहर के बच्चों को रचनात्मक सोच से जोड़ने लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी व स्पिक मैके ने सत्यम टॉकीज में 21 से 23 अप्रैल के बीच बाल फिल्मोत्सव का आयोजन किया है।

रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक जागरुकता के लिए लोगों को प्रेरित करने वाली लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी व सांस्कृतिक गतिविधियों व उभरते कलाकारों को मंच देने वाली संस्था स्पिक मैक अब संयुक्त रूप से बच्चों के विकास में काम करने जा रही है। बच्चों को रचनात्मक सोच के साथ जोड़कर आर्ट और कल्चर का माहौल बनाने सत्यम टॉकीज में 21, 22 और 23 अप्रैल को बाल फिल्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस उत्सव में बाल चित्र समिति, भारत सीएफएसआई द्वारा निर्मित चर्चित व पुरस्कृत उन बाल फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जो इंटरनेट और सिनेमा हाल के सामान्य शो में उपलब्ध नहीं हैं। इस मौके पर आयोजन समिति बच्चों के साथ जागरुकतापरक बातें भी साझा करेंगे। 9, 12 और 3 बजे के प्रदर्शन में बच्चों को स्कूलों के माध्यम से निशुल्क फिल्म देखने का मौका मिलेगा, जबकि 6 बजे के शो में बच्चे पालकों के साथ फिल्म देखने जा सकेंगे।

विरासत से जुड़े बच्चे, बाल फिल्मों की धूम

बिलासपुर। लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी और स्पीक मैके की ओर से सत्यम टॉकिज में 21 से 23 अप्रैल तक बाल फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान अलग-अलग स्कूलों के बच्चों को एक से बढ़कर एक मनोरंजक व ज्ञानवर्द्धक फिल्में दिखाई गई। इसमें ऐसे फिल्मों का चयन किया गया था, जो बच्चों का मनोरंजन करने के साथ ही उन्हें अपनी विरासत को जानने, समझने और उन्हें सहेजने के लिए प्रेरित करें। तीन दिनों तक फिल्मों के साथ ही बच्चों ने अलग-अलग मनोरंजक कार्यक्रमों का भी लुत्फ उठाया।

बाल फिल्म महोत्सव के पहले दिन बच्चों को ओहियो विश्वविद्यालय के सिलेबस में शामिल हो चुकी फिल्म महक मिर्जा दिखाई गई। इस दौरान बच्चों ने नो फास्ट फूड जोन का भी भरपूर मजा लिया। इसमें फ्रुट सलाद, स्पाइसी सलाद, चना मुर्रा, करी के लड्डू जैसे स्वादिष्ट व्यंजन को बच्चों ने खूब पसंद किया। कार्यक्रम का आगाज मनीष दत्त, अटल श्रीवास्तव, विवेक जोगलेकर, महापौर किशोर राय, प्रियंक सिंह परिहार सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान उन्होंने बच्चों को कई शिक्षाप्रद बातें बताई। वहीं दूसरे दिन 22 अप्रैल को फिल्म करामाती कोट दिखाई गई। इसे भी बच्चों ने मन लगाकर देखा और नन्हे नायक पात्र से खासे प्रभावित हुए। इसके साथ ही कॅरियर पाइंट के किरण चावला व एरीना मल्टीमीडिया के संदीप गुप्ता द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर सतीश जायसवाल ने भी अपना अनुभव बांटा। तीसरे दिन नर्सरी व केजी के बच्चों को एनिमेशन फिल्म दिखाई गई। इसमें यूरो किड्स, किड्जी, एवीएम प्ले स्कूल और जैन इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे मौजूद रहे। फिल्म के इंटरवल पर युवाओं द्वारा ऑर्केस्ट्रा के माध्यम से अपने गीतों के जरिए बच्चों का मनोरंजन किया गया। इस आयोजन में एजुकेशन फोरम के संदीप गुप्ता, रविंद्र प्रताप सिंह, अग्रज नाट्य दल के सदस्यों संज्ञा टंडन, रुचिता टंडन, योगेश पांडेय, अनीस श्रीवास, सुनील चिपड़े, स्वरित कृष्णा समेत अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

Roland

GIRLS

GIRLS

22
23
24
25

अनुसूचित जाति आदर्श कन्या छात्रावास की कक्षा पहली से 10 वीं तक की छात्राओं को विभिन्न प्रकार की पुस्तकों का वितरण –

संस्था ने देवरीखुर्द, बिलासपुर स्थित इस छात्रावास में कहानी, प्रेरक प्रसंगों, वीरों, देश के हीरो आदि प्रेरणादायी किताबें प्रदान करके वहाँ एक लाइब्रेरी का निर्माण किया और साथ में वादा भी कि आगे और पुस्तकें वहां लगातार प्रदान की जायेंगी।

बेहद प्रतिभाशाली यहां की छाात्राओं से जब संस्था के सदस्य दूसरी बार मिलने गये तो पता चला कि बड़ी लड़कियों ने छोटी छात्राओं को पढ़कर सुनायीं कहानियां। हर छात्रा को सारी किताबों के बारे में जानकारी थी और वे आगे और कुछ नया पढ़ने, सुनने को इच्छुक थीं।

4.

4.

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी

Audio books - Blind children are not so blessed like us, but they are blessed with natural intelligence and outstanding powers of feeling and sensing Braille helps them to enhance their ability of understanding. But the regular course of 10th and 12th standards becomes very tough for the students in Braille. Libra welfare society has produced (for Akshar Society, Bhilai) digitally talking books for helping these students. The subjects like Hindi, Political science, History, English have been converted into audio formats. All the blind schools of Chhattisgarh using such CD's and many students have passed the boards with the help of these CD's. These courses are recorded and are converted in audio CD's and distributed to each and every blind school of Chhattisgarh

नेत्रहीन बच्चे बहुत से मामलों में आम बच्चों की तरह खुशनसीब नहीं होते। ब्रेल लिपि में उनकी पाठ्य पुस्तके काफी माटी हो जाती है।, कक्षा दसवीं व बारहवीं के बच्चों के लिये इतिहास, राजनीतिशास्त्र व हिन्दी विषयों की पुस्तकों का ऑडियो रूपांतरण अक्षर सोसायटी, भिलाई के लिये किया गया, जिनकी सहायता से पिछले 5-6 वर्षों से छत्तीसगढ़ के बच्चे अपने कोर्स को सुनकर आसानी से समझ पा रहे हैं।

नेत्रहीन बच्चों के लिये पाठ्यक्रम की पुस्तकों को ऑडियो में परिवर्तित करके ऐसे बच्चों व स्कूलों को वितरण–

छ.ग.मा.शि.मं. के पाठ्यक्रम के सभी विषयों की कक्षा 7, 8, 9, 10, 11 व 12 की पुस्तकों को संस्था के कलाकार व आकाशवाणी बिलासपुर से जुड़े उद्घोषकों की आवाज में रिकॉर्डिंग, एडिटिंग व हेडिंग, सब हेडिग के पहले बाद में संगीत डालकर नेत्रहीन बच्चों तक पहुँचायी गईं।

चूंकि ब्रेल लिपि में कुछ विषयों की किताबें बहुत मोटी हो जाती हैं, इसलिये सुनकर पढ़ने में ये बच्चों के लिये काफी सुविधाजनक हैं। इन ऑडियो पुस्तकों से पढ़ाई करके 12वीं पास कर चुके नेत्रहीन विद्यार्थी बी.ए. में आने के बाद भी हमारे संपर्क में रहते हैं और संस्था उनके चाहे हुये विषय भी रिकॉर्ड करके लगातार देती रहती हैं।

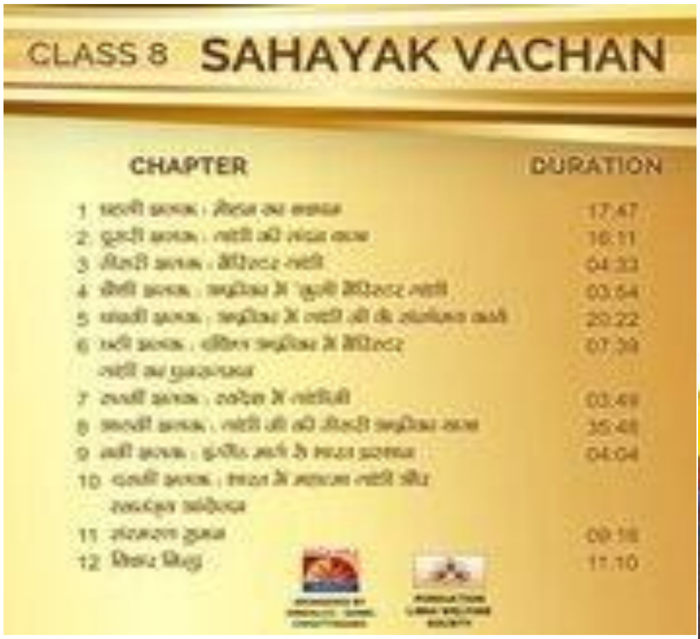

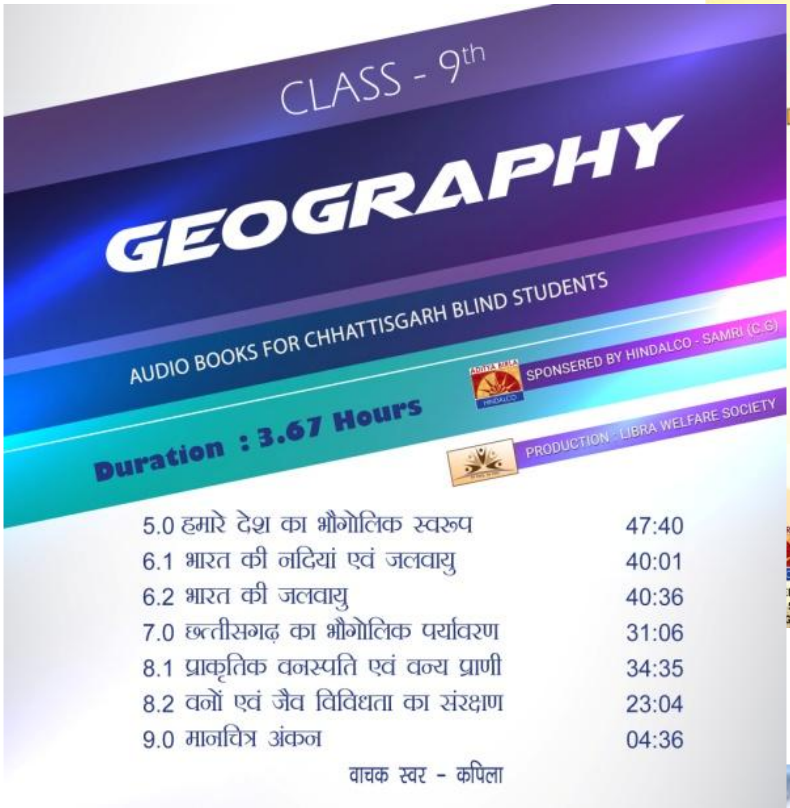
CLASS - 9th
GEOGRAPHY
AUDIO BOOKS FOR CHHATTISGARH BLIND STUDENTS
SPONSERED BY HINDALCO - SAMRI (C.G)
PRODUCTION - LIBRA WELFARE SOCIETY
Duration : 3.67 Hours
5.0 हमारे देश का भौगोलिक स्वरूप 47:40
6.1 भारत की नदियां एवं जलवायु 40:01
6.2 भारत की जलवायु 40:36
7.0 छत्तीसगढ़ का भौगोलिक पर्यावरण 31:06
8.1 प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य प्राणी 34:35
8.2 वनों एवं जैव विविधता का संरक्षण 23:04
9.0 मानचित्र अंकन 04:36
वाचक स्वर - कपिला

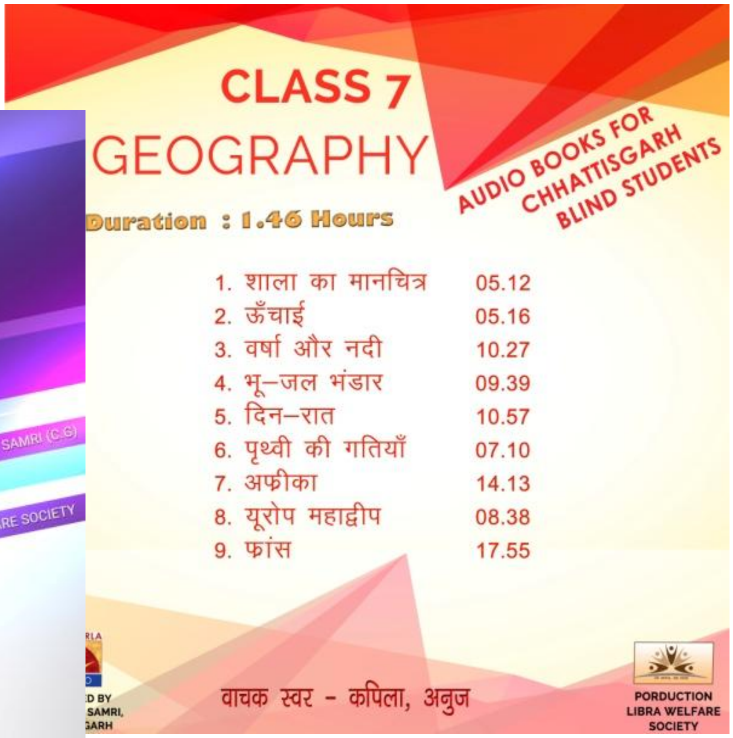
CLASS 7
GEOGRAPHY
AUDIO BOOKS FOR CHHATTISGARH BLIND STUDENTS
Duration : 1.46 Hours
1. शाला का मानचित्र 05.12
2. ऊँचाई 05.16
3. वर्षा और नदी 10.27
4. भू-जल भंडार 09.39
5. दिन-रात 10.57
6. पृथ्वी की गतियाँ 07.10
7. अफ्रीका 14.13
8. यूरोप महाद्वीप 08.38
9. फ्रांस 17.55
वाचक स्वर - कपिला, अनुज
PORDUCTION LIBRA WELFARE SOCIETY

CLASS 8
CHHATTISGARH BHARTI

CLASS 7 ENGLSIH
AUDIO BOOKS FOR CHHATTISGARH BLIND STUDENTS
1. Hobble Bobble 01.48
2. The Missing Whistle 02.49
3. Hand Care 02.11
4. Hard to Believe 04.18
5. Alice in Wonderland-II 04.44
6. Unity is strength 05.16
7. Jimmy Jet and Hits TV Set 02.39
8. A Serious Talk 04.37
9. Have a Cup of Nice Tea 04.00
10. Our Little River 03.32
11. Grandchildren by Surprise 07.03
12. The Chinese-Our Neighbour 05.33
13. Only God can Make a Tree 01.50
14. The Angel of Peace 07.03
15. The Glorious Whitewasher 05.28
16. Half-way Down 01.47
17. Making Best Out of Waste, Her Forte 04.40
18. Dear Diary….. 06.20
19. From Tomorrow on 01.29
20. Unfriendly Nature 06.55
21. The Great Sculler 04.10
Duration 1.17 Hours
Voice : Rachita
SPONSERED BY HINDALCO - SAMRI, CHHATTISGARH
PORDUCTION LIBRA WELFARE SOCIETY

बच्चों की प्रतिभा निखारने हेतु समर कैंप 'आकृति'

लिब्रा संस्थान से जुड़े कलाकार, नाटक, नृत्य, हैंडीक्राफ्ट,विभिन्न वाद्‌य यंत्रों के वादन आदि में निपुण हैं। इन युवा प्रतिभाओं की प्रतिभा बाल प्रतिभाओं तक पुहंचाने में संस्थ कैंप, सेमिनार आदि का आयोजन करती रहती है। 12 मई से 12 जून 2016 तक अस बार आधारशिला विद्या मंदिर में इस कैंप का आयोजन किया गया। सुबह व शाम की पालियों में विभिन्न विधाओं की शिक्षा 100 से ज्र्यादा बच्चों को दी गई इस दौरान जंक फूड से दूरी बनाने और पौष्टिक आहार देने का क्रम जारी रखा गया। बच्चों को लगातार इसके फायदे नुकसान भी समझाये जाते रहे। अंतिम दिन सांस्कृतिक गतिविधियो (नृत्य, नाटक, गिटार व की बोर्ड सीखने वाले बच्चों) की प्रस्तुति और क्ले वर्क, पेंटिंग, ड्राय फ्लावर आदि की प्रदर्शनी भी लगाई गयी।

प्रतिदिन शाम को बच्चों के पालकों के लिये एक सेमिनार का आयोजन भी किया जाता था, जिसमें विशेषज्ञ बच्चों के साथ पालकों के संबंध, स्वास्थ्य, व्यवहार व अन्य समस्याओं के निदान व परामर्श प्रदान करते थे।

AADHARSHILA

WEL
COME

बच्चों की नाट्य प्रतियोगिता में प्रोत्साहन पुरस्कार –

बिलासपुर में प्रतिवर्ष अंर्तशालेय नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें हमारी संस्था से जुड़े कलाकार भी याामिल रहते हैं। विभिन्न स्कूलों में प्रशिक्षण देने से लेकर, प्रदर्शन तक सहयोगी बनते हैं। कोशि सिर्फ ये कि स्कूलों में बिखरी पड़ी प्रतिभा को तलाशा और तराशा जाये। इस प्रतियोगिता ‘फनकार’ में संस्था लिब्रा वेलफेयर सोसायटी की तरफ से पुरानी रंगमंच कलाकार श्रीमती उमा महरोत्रा, जो संस्था से हमेशा जुड़ी रहीं, की याद में बेस्ट नाटक की रनिंग शील्ड और बेस्ट अभिनेता और बेस्ट अभिनेत्री का पुरस्कार दिया जाना आरंभ किया गया जो अब प्रति वर्ष दिया जायेगा।

स्व. श्रीमती उमा महरोत्रा स्मृति पुरस्कार
लिब्रा वेलफेयर सोसाईटी द्वारा प्रदत्त रनिंग शील्ड
सर्वश्रेष्ठ नाट्य प्रस्तुति
अग्रज नाट्य दल

अपनी सुरक्षा अपने अधिकार

(जागरुकता अभियान)

प्रतिष्ठित डॉक्टरों, अधिवक्ताओं व पुलिस विभाग

के सहयोग से तैयार रूपरेखा पर आधारित कार्यक्रम

प्रतिभागी का ब्लड ग्रुप व स्वास्थ्य परीक्षण एवं

आत्मसुरक्षा उपायों की जानकारी भी शामिल

अभिभाषण श्रृंखला के साथ सर्टिफिकेट हेतु

टेस्ट श्रृंखला का भी प्रावधान

5 घंटे अवधि के इस पाठ्यक्रम के विषय

1 बच्चों के सामान्य अधिकार Basic rights of the child

*भारतीय संविधान के अनुसार बच्चे के कौन कौन से अधिकार हैं। *पीआईएल और चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में विस्तृत जानकारी ! *आपका बच्चा किस प्रकार सुरक्षित रह सकता है!

2 महिला प्रताड़ना : कानूनी अधिकार

Women harassment- laws to protection

*प्रताड़ना क्या है, किसी भी रूप परेशान किये जाने की किस सीमा को हम प्रताड़ित किया जाना कहेंगे।*महिला सुरक्षा नियमों व हाल में हुए कानूनीपरिवर्तनों के बारे में जानकारी। *हमारी सुविधा और सुरक्षा के लिये है पुलिस, जानें पुलिस विभाग के बारे में। *क्या है एफआईआर और जानें सायबर अपराधों के बारे में !

3 वोट देने का अधिकार Right to Vote

एक जिम्मेदार लोकतंत्र के निवासी होने के नाते 18 साल से अधिक उम्र के हर भारतीय नागरिक को अपनी मर्जी से वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है। क्यों .. .. .जानें चुनाव क्या हैं, हर स्तर पर चुनाव प्रकिया क्या है और हमारी सरकार कैसे बनती है और हमारे क्या अधिकार हैं।

४ जानें मानव की शारीरिक संरचना Basic Human Science

*महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्यगत परेशानियां व बचाव के उपाय !

५ आत्मसुरक्षा व बचाव के तरीके *Self Defense education*

*आत्मसुरक्षा के लिये मांसपेशियों को मजबूती देने वाली सामान्य एक्सरसाइज़ *आत्म बचाव के लिये कुछ तकनीकी जानकारियां *कुछ हेल्पलाइनों के बारे में जानकारियां।

संवेदना – (बुजुर्गों के लिये कार्यक्रम)

40 बुजुर्ग महिला व 40 बुजुर्ग पुरुषों के लिये संचालित वृद्धाश्रम 'कल्याण आश्रम' में संस्था के सदस्य महीने में एक दिन व ही त्योहार पर उनके साथ समय बिताने जाते हैं। खाते–खिलाते हैं, मनोरंजन करते हैं। कभी मॉल में फिल्म, कभी पिकनिक जैसी गतिविधियों में शामिल करते हैं। उनकी समस्याओं को पूरी करने का प्रयास भी साथ साथ चलता रहता है। संवेदना नाम से चलाये जा रहे इस कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिलायें सब शामिल हैं जिनको अब बुजुर्ग भी अपने परिवार का सदस्य मानने लगे हैं।

संवेदना

क्या चाहिये उम्र के इस पड़ाव में हमारी बुजुर्ग पीढ़ी को... सम्मान, प्यार और थोड़ा सा वक्त...

हर महीने का पहला रविवार, शाम 4 से 6 बजे का समय बुजुर्गों के साथ वृद्धाश्रम में सिर्फ समय बिताना, उनको कुछ पल की खुशियां देना, तय किया गया लिब्रा वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों द्वारा और यही है हमारा संवेदना कार्यक्रम। फरवरी 2015 से हमने उनसे मुलाकातें आरंभ कीं, जिन पलों को हमने जिया, अविस्मरणीय थे....

जो अनुभव हमने महसूस किये... अनमोल थे, पूरे साल के अनुभव इस पुस्तक के रूप में सहेजना नामुमकिन है, आप तक अपनी और बुजुर्गों की बातें पहुंचाने की ये एक कोशिश है...

साल भर उनके साथ हमने ये समय कैसे कैसे गुजारा, आपने इस पुस्तक में पढ़ेंगे।

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी

एक आवाज़, एक प्रयास

संवेदना

बुजुर्गो के साथ वक्त बिताने एक प्रयास...

B1/6 Kranti Nagar, Bilaspur,
Chhattisgarh 495001

(O) 07752 - 402862
(M) 98271 - 50507

हर महीने का पहला रविवार चंद लम्हें बुजुर्गो के नाम...
फरवरी 2015 से जनवरी 2016 का हमारा खुशनुमा सफर...

वृध्द आश्रम बिलासपुर
जनपरिषद बिलासपुर द्वारा संचालित
आपका हार्दिक स्वागत करता है

PVR 7

2018-1-13 17:22

अपना भोजन स्वयं उगायें –

कुपोषण व प्रदूषण युक्त भोजन से खुद व परिवार को बचाने के लिये अपने घर में, गमलों या खाली स्थान पर पौधों के रोपण से संबंधित जाानकारी युक्त पुस्तिका छपवा कर लोगों को बांटी जाती है। स्कूलों व संस्थानों में इसके डेमो दिये जा रहे हैं। औश्र व्यक्तिगत रूप से भी लागों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। घर के अंदर किस तरह के पौधे प्रदूषण मुक्त वातावरण बना सकते हैं या किस क्षेत्र में कैसी खाद्य सामग्री के पौधे लगाये जायें, सारी जानकारी पुस्तिका में उपलब्ध है। पर्यावरण को भी बढ़ावा देने वाले इस कार्यक्रम में पौधों व बीजों का वितरण भी किया जाता है।

आपको क्या करना है!

हममें से बहुत लोगों के पास सीमित मात्रा में स्थान है, जबकि कुछ लोगों के पास पर्याप्त ज़मीन है। इसलिये हमने तीन स्तरों पर इस कार्यक्रम को तैयार किया है। आपको इनमें से अपनी सुविधानुसार एक को चुनना है, लेकिन उसके पहले हम आपको सामान्य ज़रूरतों के बारे में बताते हैं-

- ➤ आपको अपने और अपने परिवार के सदस्यों में पौष्टिक तत्वों और उनकी कमी को समझना होगा।
- ➤ एक बार ज़रूरत को पहचानने के बाद ज़रूरी है आपकी तीव्र निष्ठा, लगन और समर्पण की।
- ➤ बागवानी की बेसिक जानकारी किसी गाइड या माली के साथ दो-तीन दिन में ही मिल जायेगी।

- ➤ काजू का पेड़ - काजू के फलों को खुद तोड़ने से बचें क्योंकि इनसे त्वचा पर खुजली आदि होने की संभावना रहती है। इस काम को करने वालों से ही सहायता लें।
- ➤ लीची - इस फल के पौधे का छायादार वृक्ष या किसी शेड के नीचे ही लगायें।

घर में कैसे बनायें किचन वेस्ट से खाद

एक पुराना मिट्टी का घड़ा लें। इसके नेक या बॉडी वाले हिस्से पर 1" x 1" के 4 और नीचे की तरफ 1 छेद करें। अब इस घड़े को पुराने टायर या कपड़े का रोल बनाकर उसके ऊपर रखें। इस घड़े के अंदर अलग अलग परतों में पदार्थ रखने होंगे।

पहली लेयर में क्रश किया हुआ पेपर वेस्ट, इसके ऊपर थोड़ी मिट्टी। फिर सूखी पत्तियाँ और किचन से निकले सब्जियों के छिलके आदि बेकार पदार्थ, जिनमें प्लास्टिक का कोई तत्व नहीं होना चाहिये। इन सबको ऐसी मिट्टी से ढँक दें जिसमें बिना नमक का 2-3 चम्मच दही या मट्ठा मिला हो। दही की जगह केंचुए की जरा सी खाद भी मिलाई जा सकती है। इस तरह की परतें लगातार बनानी हैं। पर किचन की सामग्री को हर बार कीड़ों के प्रहार से बचाने के लिये सूखी पत्तियों और मिट्टी से ढंकना जरूरी है। जब इस्तेमाल ना हो, इस घड़े का ढक्कन बंद करके रखें। जब पहला घड़ा भर जाये, तब दूसरा घड़ा इसके ऊपर ही रख लें और उसमें सामग्री की परतें बिछाना शुरू कर दें। ऐसा हम एक के ऊपर तीन घड़े तक रख सकते हैं। इसको हम सफाई के साथ छत के किसी कोने में रख सकते हैं, जहाँ धूप आ रही हो, हल्का सा शेड हो। लेकिन बारिश से इसको बचाकर रखें। 2-3 महीनों तक भरे और ढंके हुए इन घड़ों को बिना छुए एक कोने में रखा रहने दें। इस तरह आपकी बहुत अच्छी व शुद्ध बायो-खाद घर पर ही बिना खर्च के बनकर तैयार हो जाती है।

- ➤ मुनगा/सहजन - इस पेड़ की पत्तियों में विटामिन ए और मिनरल्स काफी मात्रा में होते है। उनको सुखाकर, पावडर बनाकर रखें और दाल, कढ़ी, रोटी के आटे में एक दो चम्मच मिलाकर इस्तेमाल करें।
- ➤ केले या कमल के पत्ते - हफ्ते में एकाध बार या जब घर में कामवाली न आये इन पत्तों पर खाना खाया जा सकता है। ऐसा करने से पानी की बचत के साथ ही डिटर्जेंट के कम इस्तेमाल से हम प्राकृतिक जल प्रदूषण को भी रोकने में मदद करते हैं।
- ➤ तुलसी - तुलसी के गुणों के बारे में हम जानें न जानें, लेकिन हर घर में तुलसी होने की बात पुरखों के समय से कही जा रही है। सर्दी-जुकाम की स्थिति में हर व्यक्ति तुलसी, काली मिर्च, अदरक आदि का काढ़ा पीने की सलाह देता है। 10-15 पत्तियां तुलसी एक लौंग, एक इलायची, छोटा अदरक का कुचला हुआ टुकड़ा इसको पानी में उबालकर पीने से जब तबियत अच्छी न लगे, सर्दी का असर हो तो पीने में फायदा होता है। तुलसी के इस काढ़े को यदि हर सुबह चाय की जगह सर्दी के मौसम में पिया जाये तो श्वसन तंत्र में होने वाले इंफेक्शन के वायरस के प्रति हमारा शरीर प्रतिरोधत्मक क्षमता बढ़ा लेता है। बड़ों के लिये 100 मिलीलीटर और बच्चों के लिये 20-30 मिलीलीटर एक दिन

समय का प्रबंधन

आज हर इंसान व्यस्त है, किसी भी काम के लिये वक्त नहीं होता। तो आपके दिमाग में भी यही होगा ये सब करने के लिये समय कैसे निकाला जाये! पर कुछ करने की चाहत हो और बात आपके व परिवार के स्वास्थ्य की हो, तो समय निकालना बहुत कठिन नहीं होगा। आइये हम आपकी कुछ मदद करते हैं....

- ➤ घर की महिलायें खुद या काम करने वाली की मदद से थोड़ा समय दे सकती हैं।
- ➤ घर के बुजुर्ग, रिटायर्ड लोगों के समय का उपयोग करके उनको व्यस्त रखा जा सकता है।
- ➤ स्कूल के बच्चों से ये काम एक प्रोजेक्ट के रूप में करवाया जा सकता है। 5-10 पौधों के देखरेख की जिम्मेदारी एक ग्रुप के बच्चों को देकर प्राप्त उत्पाद को उन्हीं बच्चों के बीच बांटना इस असाइनमेंट का हिस्सा हो सकता है। इस तरह से बच्चों की असीमित ऊर्जा के इस्तेमाल के साथ ही एक रचनात्मक कार्य और उनका पर्यावरण के प्रति रुझान विकसित किया जा सकता है।
- ➤ अपने घर में काम करने वाले लोगों को पौष्टिक तत्वों और भोजन का महत्व बताते हुए उन्हें भी अपने अपने घर में पौधे लगाने को प्रेरित व प्रशिक्षित करें।

- ➤ अपने आसपास ज़मीन की खोज, ये आपके घर, ऑफिस, स्कूल, पार्क, दोस्त का घर कोई भी स्थान हो सकता है जहां आप देखरेख में अपना थोड़ा सा समय रोज़ दे सकें। कमरे का कोना, छत, आगे या पीछे का आंगन या खाली दीवार, खेत की मेड़, फेंसिंग आदि ये आपको अपने अनुसार खुद ढूंढना होगा।
- ➤ आजकल जैसा चलन है सारी खाली जगह पर सीमेंट या टाइल्स लगा दिये जाते हैं। ऐसे में 5" x 5" का सुविधाजनक हिस्सा तोड़कर उसका उपयोग किया जा सकता है।
- ➤ अगर आपको तोड़-फोड़ की बिल्कुल इच्छा न हो, तो घर की छत पर फ्लोर से थोड़ा ऊपर 6"x3" या अपनी सुविधानुसार नावनुमा गमले का निर्माण किया जा सकता है। इसमें 8"x8" की दूरी पर छेद करवाना भी ज़रूरी हैं। ये गमले छत की जमीन से कुछ ऊपर छोटे से चबूतरे पर बने हों जिससे घर में सीलन का खतरा नहीं रहेगा। इन गमलों में मिट्टी भरकर सभी प्रकार की भाजी, भिंडी,बैंगन,मिर्च आदि रोपित किये जा सकते हैं।

- ➤ 100 से 1000 रु. प्रति माह तक का अपना बजट बना लें जिससे बीज, पौधे, फूल, खाद आदि खरीदे जा सकें।
- ➤ पौधे और साथ ही ये आइडिया या विचार हर महीने कम से कम २ से १० लोगों के साथ शेयर करें। इस तरह आप पौष्टिक भोज्य सामग्री उत्पादन करने वालों की एक श्रृंखा बना लेंगे जो एक दूसरे को अपनी उगाई हुई चीजें आदान प्रदान कर सकते हैं। (विकसित देशों में प्रकार के कम्युनिटी गार्डन बहुत प्रचलित हैं)
- ➤ जिन घरों में आपने पौधे डोनेट किये हैं, वहां कभी कभी देखने जरूर जाइये।
- ➤ अपने किचन से निकले फल सब्जी के छिलकों आदि से छत या किसी कोने में खुद की बायो-खाद का निर्माण न के बराबर खर्च पर करें।

वित्तीय साक्षरता – जागरूकता हर क्षेत्र में ज़रूरी है। डिजटल जागरूकता, बैंक संबंधी जागरूकता की कमी के कारण आज ही दिन लोग फोन आदि के माध्यम से बेवकूफ बनाये जा रहे हैं। इस संदर्भ में आरबीआई के लिये संस्था ने 10 जागरूकता फिल्मों का निर्माण किया है, जिनमें बीमा, ऋण, निवेश, बजट,

बचत के साथ फोन, मेल पर मिलने वाले लालच भरे ऑफर्स के बारे में नाटकीय ढंग से बताया गया है। स्क्रिप्ट, अभिनय, कैमरा, डायरेक्शन, एडिटिंग आदि संस्थ्झा के लागों द्वारा ही किया गया प्रयास है। छत्तीसगढ़ी में बनी इन फिल्मों को गांवों में दिखाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

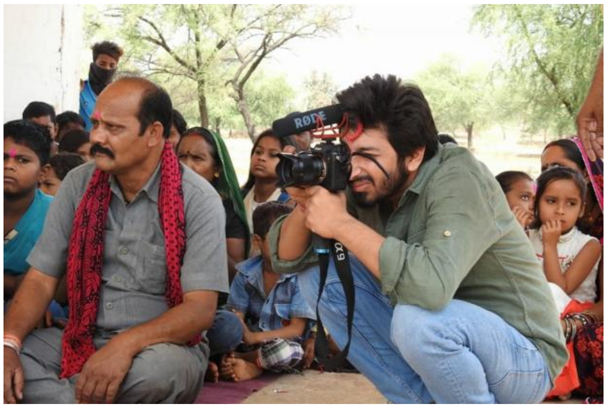

बुजुर्गों के लिए डे-केयर की सुविधा

डे-केयर सेंटर के उद्घाटन पर संज्ञा टंडन तथा पौध रोपण करते अतिथि

बिलासपुर. शहर के बुजुर्गों के लिए सरकण्डा बहतराई स्थित गीतांजली नगर फेस-1 में लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी ने अस्तित्व डे- केयर सेंटर खोला है. सोसाइटी की संज्ञा टंडन ने बताया कि यहां बुजुर्ग अपना समय व्यतीत कर सकेंगे. उनके अनुभव और ज्ञान को संकलित किया जाएगा. उन्होंने बताया कि ऐसे बुजुर्ग जो दिन में समय व्यतीत करना चाहते हैं. वे यहां आ सकते हैं. उनके लिए यहां लायब्रेरी और विभिन्न इंडोर गेम की व्यवस्था की गई है. उन्होंने बताया कि डे-केयर में सेवा देने के लिए एसईसीएल के रिटायर्ड डॉ. योगेन्द्र परिहार अपोलो अस्पताल के डाक्टर आदि सेवाएं देंगे. यहां आने वाले बुजुर्गों का प्रतिदिन स्वास्थ्य परीक्षण एवं डायटिशियन की व्यवस्था की गई है.

हर्बल होली के रंग, सुरुचि के संग कल

नवभारत-सुरुचि क्लब का आयोजन, आम्रपाली, प्रताप ट्रेडर्स एवं हॉटल शिवा इंटरनेशनल का विशेष सहयोग

बिलासपुर. होली के त्यौहार में विगत कुछ वर्षों से लोग लगातार रासायनिक रंगों का प्रयोग कर होली खेलते आ रहे हैं, जिसके कारण कई लोगों को इसका नुकसान भी उठाना पड़ा है. यही नहीं स्वास्थ्य पर भी इसका बेहद बुरा असर देखने को मिला है.

इन्हीं सब बातों का ध्यान रखते हुए लोगों को जागरुक करने तथा रासायनिक रंगों से होली ना खेलाकर प्राकृतिक रंगों से होली खेलाने नवभारत-सुरुचि क्लब द्वारा प्यार मनुहार और रंगों की बहार में 23 मार्च को लिंक रोड स्थित हॉटल शिवा इंटरनेशनल में सुरुचि के संग खेलें हर्बल होली के रंग का वृहद आयोजन किया जा रहा है, जिसमें रंगों से होने वाले नुकसान और पैदा होने वाली बीमारियों के संबंध में जानकारी दी जाएगी तथा शहर के जाने-माने चिकित्सक इस अवसर पर सुरुचि सखियों को रासायनिक रंगों के दुष्प्रभाव एवं उनसे बचाव संबंधी विशेष सलाह भी देंगे. रंगों का प्राकृतिक और वैज्ञानिक महत्व तथा बिना खर्च किए हर्बल रंग बनाने की विधि भी सिखाई जाएगी.

शनिवार शाम 4 बजे आयोजित होने वाली इस आयोजन को लेकर महिलाओं में जबर्दस्त उत्साह भी देखा जा रहा है, जिसमें लिबरा वेलफेयर सोसायटी द्वारा विशेष सहयोग दिया जा रहा है. होली के इस शानदार समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी, जिसके लिए मोबाइल नंबर 9770774802 पर संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है तथा सभी विजेता प्रतियोगियों को आम्रपाली इनरवियर शॉप नं. एफ-7 श्रीराम क्लाथ मार्केट अग्रसेन चौक एवं प्रताप ट्रेडर्स बस स्टैण्ड की ओर से लाजवाब पुरस्कार से सम्मानित भी किया जाएगा.

जागरूकता के लिए नाटक किया

निर्वाचन आयोग के मतदाता जागरूकता अभियान में कई कार्यक्रम करवाए जा रहे हैं। ऐसे ही एक आयोजन के तहत देवकीनंदन सभा भवन में नाटक का मंचन किया गया। कोशिश थी कि लोग अपने अधिकार के लिए जागरूक हों।

यू ट्यूब पर पंचतंत्र की कहानियां सुन रही पूरी दुनिया

समाजसेवी संज्ञा टंडन खुद अपने घर में आडियो बनाती हैं, फिर करती हैं अपलोड, 1 मार्च से रोज एक कहानी अपलोड कर रही हैं, अब तक 55 कहानियां यू ट्यूब पर

दिलीप यादव | बिलासपुर

बच्चों के कोमल मन में संस्कार भरने के लिए रोज यू ट्यूब पर पंचतंत्र की एक कहानी अपलोड की जा रही है, जिसे दुनिया भर में सुना जा रहा है। बच्चों में संस्कार का बीज बोने का बीड़ा उठाया है समाजसेवी संज्ञा टंडन ने।

विनोबा नगर निवासी संज्ञा टंडन ने बीते फरवरी में वाट्सएप पर पंचतंत्र की कहानियों को अपलोड किया। अपने परिचितों को भेजा। प्रयोग सफल रहा। महज 20 दिनों में देखते ही देखते उस वाट्सएप ग्रुप पर 250 से अधिक सदस्य जुड़ गए। उम्मीद से ज्यादा रिस्पांस मिलने लगा। तब उन्होंने सोशल साइट के जरिए पंचतंत्र की कहानी को अपलोड करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने दो सहयोगी योगेश पांडेय और अनुज श्रीवास्तव की मदद से पंचतंत्र की सारी कहानियों का संगीतमय ऑडियो बना लिया। तय मिशन के तहत 1 मार्च को पहली कहानी अपलोड की गई। शीर्षक दिया गया 'हर रोज एक कहानी'। इन कहानियों को सुनने के लिए you tube से goo.gl/QgHgwT लिंक पर लॉगइन करनी होगी। समाजसेवी टंडन के वाट्सएप पर केरल, दिल्ली, मुंबई, गोवा, मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों के

365 कहानियों का लक्ष्य

टंडन बताती हैं कि पंचतंत्र की कुल 60 कहानियां हैं। पांच दिनों में इस श्रृंखला की कहानियां पूरी हो जाएंगी। लक्ष्य 365 कहानी देने का है, जिसे पूरा करने के लिए जातक, हितोपदेश की कहानियों का भी ऑडियो बनाया जाएगा।

पालकों की ओर बेहतर कमेंट्स आ रहे हैं। कैलिफोर्निया, बहरीन , दुबई समेत कई विदेशी नागरिकों ने सराहना की है। टंडन बताती हैं कि उनके पास विदेशों में रहने वाले पालक कहते हैं कि उनके बच्चे अब पूछ रहे हैं कि कल कौन सी कहानी आएगी।

बहरीन में 17 माताओं के ग्रुप ने कहा- ग्रेट कांसेप्ट

बहरीन में रहने वाली रिचा मौर्य ने वाट्सएप पर लिखा है कि हम 17 माताओं का ग्रुप है। हम आपकी कहानियों को अनुवाद कर अपने बच्चों को सुना रहे हैं। इसके अलावा अपने मित्रों के वाट्सएप पर इसे भेज रहे हैं। आपका यह कांसेप्ट ग्रेट है।

सहेली के साथ देखा सपना, अकेले किया साकार

समाजसेवी टंडन महिलाओं और बुजुर्गों के लिए भी काम करती रही हैं। उनकी डॉक्टर मित्र अल्का सेठ इन दिनों यूएसए में हैं। एक साल पहले वे अपोलो में कार्यरत थीं। दोनों ने मिलकर बच्चों के लिए कुछ अलग करने का सपना देखा था। इस बीच डॉ. अल्का यूएसए चली गईं। टंडन को पता था कि आज के बच्चे सोशल साइट्स से जुड़े हुए हैं।

बच्चे जो देखते हैं, सुनते हैं, सपने भी वैसे ही आते हैं

समाजसेवी टंडन का कहना है कि एक समय था, जब बच्चे दादी-नानी की कहानियां सुनकर सोते थे। तब उनके मन में अच्छा प्रभाव पड़ता था। दरअसल, बच्चे सोने से पहले जो देखते हैं, सुनते हैं, सपने भी उन्हें वैसे ही आते हैं। आज बच्चे टीवी देखकर सोते हैं। निःसंदेह इससे बच्चों के मन में बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

चुनावी प्रक्रिया और अपने अधिकारों से रूबरू हुए बच्चे

बिलासपुर। लिबरा वेलफेयर सोसाइटी अपनी सुरक्षा अपने अधिकार पर जन जागरूकता अभियान चला रही है। इसी कड़ी में रविवार को चावला भवन कॅरियर पाइंट में 'भारत में चुनाव प्रक्रिया कितना जानते हैं ' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोसाइटी की सचिव संज्ञा टंडन ने बताया कि आजाद भारत में निवास करने वाले लोग अपनी मर्जी से नेता चुनने का अधिकार रखते हैं। एक बार फिर चुनाव नजदीक है। वोट देने का हमारा अनिवार्य अधिकार है,लेकिन देश का एक बहुत बड़ा प्रतिशत अपने इस सशक्त अधिकार का प्रयोग नहीं करता। अनिवार्य मतदान का अर्थ क्या होता है,कानून के अनुसार किस चुनाव में मतदाता को अपना मत देना या मतदान केंद्र पर उपस्थित होना बेहद जरूरी है। चुनाव क्या है, हर स्तर पर चुनाव प्रक्रिया क्या है, हमारी सरकार कैसे बनती है और हमारे क्या अधिकार हैं,इस बारे में आप कितना जानते हैं के संबंध में प्रतियोगिता एवं जानकारियां प्रदान करने का कार्य सोसायटी द्वारा किया जा रहा है।15 से लेकर 25 वर्ष तक के विद्यार्थी इस क्विज प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता को जीतने वालों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

बिलासपुर। कार्यक्रम में शामिल स्कूली बच्चे।

बच्चे सीख रहे संस्कार व सृजन

बिलासपुर. लिबरा वेलफेयर सोसायटी द्वारा 4 से 12 साल केबच्चों के लिए 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला आकृति का आयोजन किया जा रहा है. इस दौरान बच्चों को संस्कार व सृजन से जुड़ी अनेक बातों को सिखाया व बताया जा रहा है.

सोसायटी की निर्देशिका संज्ञा टंडन ने बताया कि स्वास्थ्य, स्वच्छता व पर्यावरण से जुड़ी अनेक बातों को खेल-खेल में इस कार्यशाला में सिखाया जा रहा है. बच्चों से पहले ही दिन बीजों, पौधे को रोपण करवाया गया व प्रतिदिन पानी देने का काम सुबह जाकर करते हैं, उन्हें वृक्षों के महत्व के बारे में हर दिन कुछ बताया जाता है. योगा, प्रार्थना व लाफ्टर एक्सरसाइज करवाने के बाद इन बच्चों से हर दिन अलग-अलग एक्टिविटी कारवाई जाती है, जिससे वे जल व बिजली के महत्व को समझें, प्लास्टिक के दुरूपयोग को समझें, पर्यावरण जागरुकता के साथ स्वास्थ्य व अपने आसपास स्वच्छता के महत्व को समझें. इसके बाद डांस व ड्रामा सिखाया जाता है. समस्त बच्चों का 13 मई को स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया जायेगा. प्रतिदिन बच्चों को पौष्टिक आहार भी दिया जाता है और जंक फुड न खाकर ऐसे भोजन को खाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है. प्रशिक्षकों में सुस्मिता बरगाह, स्मिता आनंद, मीनू सिंह, श्वेता पांडेय, रचिता आदि शामिल हैं.

मैनेजमेंट कार्य महावीर बरगाह के नेतृत्व में किया जा रहा है. कार्यशाला के अंतिम दिन निर्मित सामग्री की प्रदर्शनी व तैयार कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जायेगा.

मीठा है खिलाना... क्योंकि पहला रविवार है!

सिटी रिपोर्टर | बिलासपुर

कोशिश है अपनों की बेरुखी का शिकार सीनियर सिटीज़न्स को आनंद और उत्साह से भरने की

लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी ने अनूठी पहल शुरू की है। सोसाइटी सदस्य महीने का पहला रविवार वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के नाम कर उनके साथ खुशियां बांट रहे हैं। कोशिश होती है एकाकीपन और अपनों की बेरुखी के शिकार इन सीनियर सिटीजन को आनंद और उत्साह से भरने की। सभी मेंबर गीत-संगीत से लेकर खाना-पीना तक बुजुर्गों के साथ करते हैं। इस दरमियान जमीं महफिल में सीनियर सिटीजन भी अपना हुनर दिखाते हैं।

वृद्धाश्रम में रहने वाले सीनियर सिटीजन्स को जीने के लिए जरूरी सारी सुविधाएं मिल जाती हैं, लेकिन उनके साथ समय बिताने वाला कोई नहीं होता। अपने पहले ही उन्हें इस मुकाम पर छोड़ गए होते हैं। ऐसे में लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी ने महीने का पहला रविवार उनके नाम कर दिया है। मेंबर इस दिन आश्रम में उनके साथ समय बिताते हैं। गीत-संगीत

होलियाना माहौल में छेड़ा फाग का राग... खूब लगे ठुमके

मार्च के पहली तारीख पर पहला रविवार पड़ा। सोसाइटी के सदस्यों ने मुहिम के तहत मसानगंज के वृद्धाश्रम, कल्याण कुंज में फाग का आयोजन रखा। शाम को सोसाइटी मेंबर होली की बधाइयां देते सीनियर सिटीजन्स के पास पहुंचे, उनके चेहरों पर खुशी छा गई। फाग शुरू होते ही इस आयोजन की कमान बुजुर्गों ने अपने हाथ ले ली और फिर ढोल-मजीरे के साथ शुरू हुआ फाग का राग। होली खेलय

नए अनुभव पर बोले बुज़ुर्ग

उम्र का कोई भी पड़ाव हो, हमेशा उत्साह से जुटे रहें

आश्रम में रह रहे चतुर्भुज ठक्कर का कहना है कि उम्र का कोई भी पड़ाव हो, इंसान को उत्साह से जुटे रहना चाहिए। हिंदी गीत गुनगुनाते हुए उन्होंने कहा, जीना है तो हंस के जीओ, जीवन में इक पल भी रोना ना...। सोसाइटी का साथ हमें कुछ ऐसी ही सीख दे रहा है।

लग रहा पुराने दिन लौट आए

रामनाथ यादव बताते हैं कि सोसाइटी की इस पहल से लगा, जैसे उनके पुराने दिन

50 बुजुर्गों ने शिविर में कराया परीक्षण

बिलासपुर। लिबरा वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में बहतराई रोड में संचालित बहु सेवा केंद्र अस्तित्व में बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 50 से अधिक ने अपना परीक्षण कराया। शिविर में एसईसीएल से रिटायर डॉ. योगेंद्र परिहार और डॉ. सिन्हा ने अपनी सेवाएं दी। इप्का लेबोरिटीज प्रा.लिमिटेड के एरिया मैनेजर अरुण शर्मा और रविकान्त सिंह ने शिविर में परीक्षण संबंधी सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई और ब्लडप्रेशर, डायबिटीज टेस्ट कराने में सहयोग दिया। लिबरा वेलफेयर सोसायटी की सचिव संज्ञा टंडन ने बताया कि शिविर में अपोलो के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.आरएल भांजा ने अधिक उम्र में हृदय रोग के कारण व बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी। 30 साल की उम्र से ही कम नमक का खाना खाने की आदत डाल लेनी चाहिए। नियमित दिनचर्या, प्रतिदिन टहलने की आदत, नियमित जांच और पौष्टिक भोजन हृदय रोगों को दूर रखने में सहायक होती हैं। शिविर में रोहित सेठ, आलोक चंदेल, मदन पांडे अंशुल गुलकरी, अनुज श्रीवास्तव, डॉ. राजेश टंडन, रचिता आदि I ने सहयोग दिया।

बाल फिल्मोत्सव 21 से, बच्चों को मुफ्त में दिखाई जाएंगी फिल्में

बिलासपुर | शहर के बच्चों को रचनात्मक सोच से जोड़ने लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी व स्पिक मैके ने सत्यम टॉकीज में 21 से 23 अप्रैल के बीच बाल फिल्मोत्सव का आयोजन किया है।

रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक जागरुकता के लिए लोगों को प्रेरित करने वाली लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी व सांस्कृतिक गतिविधियों व उभरते कलाकारों को मंच देने वाली संस्था स्पिक मैक अब संयुक्त रूप से बच्चों के विकास में काम करने जा रही है। बच्चों को रचनात्मक सोच के साथ जोड़कर आर्ट और कल्चर का माहौल बनाने सत्यम टॉकीज में 21, 22 और 23 अप्रैल को बाल फिल्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस उत्सव में बाल चित्र समिति, भारत सीएफएसआई द्वारा निर्मित चर्चित व पुरस्कृत उन बाल फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जो इंटरनेट और सिनेमा हाल के सामान्य शो में उपलब्ध नहीं हैं। इस मौके पर आयोजन समिति बच्चों के साथ जागरुकतापरक बातें भी साझा करेंगे। 9, 12 और 3 बजे के प्रदर्शन में बच्चों को स्कूलों के माध्यम से निशुल्क फिल्म देखने का मौका मिलेगा, जबकि 6 बजे के शो में बच्चे पालकों के साथ फिल्म देखने जा सकेंगे।

'बदलते रिश्ते' का प्रसारण आज

स्थानीय कलाकारों द्वारा

...लासपुर. लिबरा ...डिया ग्रुप बिलासपुर ... कलाकारों द्वारा ...भिनीत टेलीफिल्म ...दलते रिश्ते' के

अप्पू व स्वरित ने तकनीकी व अन्य कार्यों में सहयोग दिया. क्रांति नगर, आजाद नगर, बाबजी पार्क व गोल बाजार में इस टेलीफिल्म ...ल्म ...शाम ...वारी ... कि ...से ... है. ... के ...हीन ...डी, ...के ...का

हरिभूमि
इस्पात भूमि

13

पर्यावरण संतुलन के लिए लगाए पेड़

14

व्रत रखकर मांगी पति की लंबी उम्र

रायपुर, सोमवार, 6 जून 2016 | भिलाई | दुर्ग | भिलाई-तीन | कुम्हारी | जामुल | उतई | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | haribhoomi.com

ADMISSION OPEN
BCA
BBA
BCom
PGDCA
SAI COLLEGE
Ph. 9977001027

हरिभूमि हेल्पलाइन

मोबाइल फोन पर बच्चे अब गेम छोड़ सुन रहे दादी-नानी की कहानियां

खास बातें

बिलासपुर निवासी संज्ञा टंडन स्वैच्छिक तौर पर रोज अपलोड करती है ये कहानियां

ऐसे छुड़ाएं मोबाइल की लत

पहल | लिब्रा वेलफेयर सोसायटी के सदस्य गीत-संगीत से लेकर खाना-पीना तक इनके साथ करते हैं

सीनियर सिटीजन को करवाई मदकूद्वीप की सैर

हैल्थ रिपोर्टर | बिलासपुर

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी ने इस रविवार वृद्धाश्रम के सीनियर सिटीजन्स को मदकूद्वीप की सैर करवाई। वहां पहुंचने के बाद बुजुर्गों के चेहरे ऐसे खिले जैसे उनका बचपना लौट आया हो। उन्होंने सोसायटी के युवा सदस्यों के साथ मिलकर अंताक्षरी खेली, फिर भजन-कीर्तन कर पिकनिक का आनंद लिया।

मसानगंज के वृद्धाश्रम कल्याण कुंज के 40 महिला-पुरुष सीनियर सिटीजन्स को उनकी च्वॉइस के अनुसार पुरातात्विक स्थल मदकूद्वीप की सैर करवाई गई। सोसायटी ने पिकनिक जाने का समय सुबह 9 बजे रखा था, लेकिन सभी सीनियर सिटीजन्स 7 बजे ही तैयार होकर बस का इंतजार कर रहे थे। करीब 9 बजे आश्रम के पास बस पहुंचते ही सभी दौड़ कर अपनी सीट पर कब्जा कर लिया। घंटेभर बाद बस मदकूद्वीप पहुंची। बस से उतरते ही कोई शिवनाथ नदी की शीतल लहरों का आनंद लेने तट के किनारे पेड़ की छांव में बैठ गया तो कोई मंदिरों में पूजा करने पहुंच गया। फिर सभी ने पुरातत्व विभाग की खुदाई में मिली मूर्तियों का जायजा लिया। घूमने-फिरने के बाद सब एकजुट हुए और अंताक्षरी का दौर शुरू हुआ। एक तरह सोसायटी के युवा थे तो दूसरी ओर बुजुर्ग। गीत-संगीत की ऐसी महफिल शुरू हुई कि वहां पहुंचे सैलानी भी उनके पास रुककर युवा-बुजुर्गों के अनूठे संगीत संगम का

लिब्रा वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों के साथ बुजुर्गों ने मदकूद्वीप में खेल व गीत-संगीत का आनंद लिया।

सोचा न था कि इस पड़ाव पर घूमने का मौका मिलेगा

वृद्धाश्रम में रह रहे रामनाथ यादव ने बताया कि आश्रम आने के बाद उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उन्हें उम्र के इस पड़ाव व परिस्थिति में पिकनिक मनाने का मौका मिलेगा। मदकूद्वीप आकर ऐसा लगा जैसे बचपन लौट आया हो। वे इस मौके का भरपूर आनंद ले रहे हैं। चतुर्भुज ठक्कर ने बताया कि सोसायटी के सदस्य उनके साथ इस तरह घुल-मिल गए हैं कि लगता है उनका खोया हुआ परिवार उन्हें मिल गया हो। हम उसी अधिकार से उनके

कुंभ मेला जाने की इच्छा

उत्साह से लबरेज सीनियर सिटीजन्स से जब पिकनिक के बारे में पूछा गया तो सभी का यही कहना था कि हम जुलाई में नासिक में होने वाले महाकुंभ व 2016 में उज्जैन के महाकुंभ में जाना चाहेंगे। उन्होंने मल्हार, अमरकंटक आदि पर्यटन स्थल जाने की भी बात कही। सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य एसईसीएल से रिटायर्ड डॉ. योगेंद्र परिहार का कहना है कि भविष्य में आश्रम के सीनियर सिटीजन्स को आस-पास के पर्यटन स्थल की सैर करवाई जाएगी। दूर होने की वजह से कुंभ मेले में ले जा पाना कठिन होगा।

अभियान | दुकानों, सब्जी मंडियों में कपड़े के थैले बांटकर व्यवसायियों को किया जा रहा जागरूक

पॉलिथीन के दुष्प्रभाव बता रही सोसाइटी

समाधान मिलजुलकर
नो पॉलिथीन

सिटी रिपोर्टर | बिलासपुर

लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी सब्जी मंडी, फल व्यवसायियों, मंदिरों के पास लगी दुकानों और यहां आने वाले खरीददारों को कपड़े के थैले बांटकर लोगों को पॉलिथीन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर रही है। इस प्रयास का दूसरा सार्थक पहलू है कि कई जरूरतमंदों को रोजगार भी मिल रहा है। सोसाइटी ने इस रविवार एक अभियान सफाई के लिए श्रमदान का शुरू किया। शुरुआत वृद्धाश्रम के आस-पास की सफाई करके किया गया।

राज्य सरकार ने जनवरी 2015 से पॉलिथीन के इस्तेमाल और उत्पादन पर प्रतिबंध लगाया है। शहर की लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी इस दिशा में दो साल से प्रयासरत है। अभियान के तहत पुराने कपड़ों को इकट्ठा कर उनके थैले तैयार करवाए जाते हैं। इसके बाद इन्हें सब्जी-फल मंडियों, किराना व्यवसायियों और मंदिरों के आस-पास लगने वाली प्रसाद दुकानों तो वहां आने वाले खरीदारों को बांटा जाता है। थैले देने के साथ लोगों को बताया जाता है कि पॉलिथीन से पर्यावरण को किस तरह नुकसान पहुंच रहा है। झिल्ली खा लेने से मूक वन्य प्राणियों की मौत हो रही है। इसके साथ ही पुराने कपड़े किस तरह से रिसाइकिल किए जा सकते हैं, ये भी स्वर है। सोसाइटी का पॉलिथीन विरोधी अभियान यहीं तक सीमित नहीं है। इसके लिए समय-समय पर कॉलेजों में सेमिनार भी करवाए जा रहे हैं। संस्था ने प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर एक डॉक्यूमेंट्री तैयार की है। इसे प्रोजेक्टर से स्टूडेंट्स को दिखाकर अपने-अपने स्तर पर पर्यावरण बचाने की अपील की जाती है। अब शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में भी सेमिनार किए जाएंगे, ताकि वहां भी लोग जागरुक हो सकें।

डॉक्यूमेंट्री भी तैयार की, सफाई अभियान को भी दे रहे बढ़ावा, वृद्धाश्रम के आस-पास की गई सफाई

बृहस्पति बाजार में सोसाइटी सदस्यों ने रविवार को कपड़े के थैले बांटे। व्यवसायियों और खरीददरों को पॉलिथीन का उपयोग बंद करने कहा।

लोगों का जागरूक होना ही अनुदान

वेलफेयर सोसाइटी गैर अनुदान प्राप्त संस्था है। इसके सदस्य आपस में चंदा कर सामाजिक अभियान चलाते हैं। लोग जागरूक हों, यही उनके लिए अनुदान की तरह है। संस्था को इस काम के लिए किसी शासकीय अनुदान की जरूरत नहीं है। सोसाइटी में 50 से अधिक युवा व बुजुर्ग सदस्य हैं।
-संज्ञा टंडन, सचिव, लिब्रा वेलफेयर सोसाइटी

महिलाओं को दे रहे रोजगार, सिलाई मशीन भी देंगे

सोसाइटी न सिर्फ पॉलिथीन के लिए लोगों को जागरूक कर रही है, बल्कि इसके माध्यम से गरीब तबके की महिलाओं को थैले सिलने का काम देकर रोजगार मुहैया करवा रही है। आगे प्लानिंग है कि जिन महिलाओं के पास सिलाई मशीन नहीं है, उन्हें उपलब्ध करवाई जाए।

वृद्धाश्रम के आस-पास की सफाई

सोसाइटी ने रविवार को नई शुरुआत की। मसानगंज के कल्याण कुंज वृद्धाश्रम के बुजुर्गों का बदबू व मच्छरों की वजह से रहना मुश्किल हो रहा था। वार्ड पार्षद को कई बार साफ-सफाई करवाने कहा गया, लेकिन बात नहीं बनी। सोसाइटी ने रविवार को वहां सफाई की मुहिम चलाई।

वृद्धाश्रम में विवाह | सामाजिक संस्था ने खुशियां बांटने कल्याण कुंज आश्रम में किया आयोजन

गुड़्डे की बारात में नाचे बुजुर्ग

हैल्थ रिपोर्टर | बिलासपुर

दूल्हे राजा के साथ बाजे-गाजे के धुन में झूमते-नाचते बुजुर्ग, हाथ में पूजा की थाली लिए द्वार-चारं गीत गाती महिलाएं, मंत्रोपचार के बीच सात फेरे। नजारा मसानगंज स्थित कल्याण कुंज वृद्धाश्रम का था। जहां सीनियर सिटीजंस ने धूमधाम के साथ गुड्डा-गुड़िया का ब्याह रचाया।

आश्रम के सीनियर सिटीजंस जीवन के तमाम संस्कारों और जिम्मेदारियों से मुक्त होने के बाद अकेले हुए तो उसे हावी नहीं होने दिया। वे वहां ऐसी सारी चीजें कर रहे हैं, जिससे

बारात आई, स्वागत हुआ, गुड़िया के साथ ब्याह, विदाई पर छलक पड़ी बुजुर्गों की आंखें

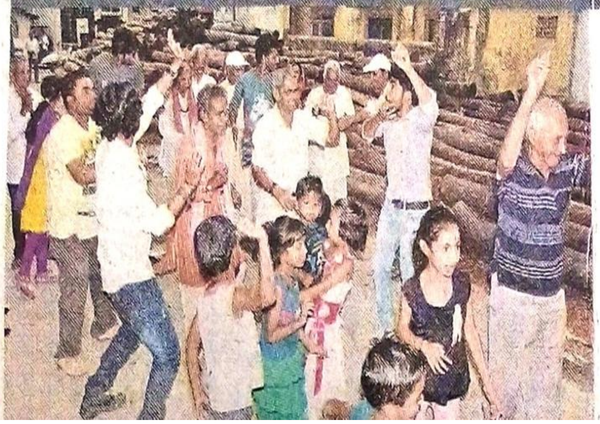

मोहल्ले वाले खिड़कियों से झांकने लगे, दूल्हे राजा कैसे हैं

आमतौर पर बारात निकलने पर दर्शकों की मंशा दूल्हे को देखने की होती है, कि वह कैसा है। इसके अनुसार जोड़ी का आंकलन लगाया जाता है। कुछ यही नजारा इस विवाह में भी देखने को मिला। सहसा बैंड-बाजे की आवाज सुन मोहल्ले वाले अपने-अपने घर से निकल आए, पूछा तो बताया गया कि गुड्डा-गुड़िया का ब्याह रचाया जा